THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 253 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.5 2080 शनिवार, 2 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

2028 की क्लाइमेट समिट भारत में हो : मोदी

> कुछ देशों के किए की कीमत दुनिया चुका रही
> अमीर देश स्वार्थ भूलकर मदद करें

दुबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सीओपी28 क्लाइमेट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमीर देशों पर निशाना साधा। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि सदियों पहले कुछ चंद देशों के किए की कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जो भी देश ज्यादा कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं उन्हें क्लाइमेट चेंज का सामना करने के लिए विकासशील और गरीब देशों को निस्वार्थ होकर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करनी चाहिए। उन्होंने 2028 का क्लाइमेट समिट यानी सीओपी33 भारत में होस्ट करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि भारत ने इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन का उदाहरण दुनिया के सामने पेश किया है। 17 प्रतिशत आबादी के बावजूद कार्बन उत्सर्जन में हमारी हिस्सेदार सिर्फ 4 प्रतिशत है। हमारा लक्ष्य 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 45 प्रतिशत तक घटाना है। भारत ने ग्लोबल बायो फ्यूल एलायंस बनाया। क्लाइमेट फाइनेंस फंड को मिलियन से बढ़ाकर ट्रिलियन डॉलर तक करना चाहिए। पीएम क्लाइमेट समिट में शामिल होने के लिए 30 नवंबर की रात दुबई पहुंचे थे। होटल के बाहर भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया था। लोग देर रात से पीएम के इंतजार में खड़े थे। दुबई पहुंचने के बाद पीएम ने सभी से मुलाकात की और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक डांस ग्रुप ने परफॉर्मेंस भी दी। पीएम ने कुछ देर खड़े होकर डांस देखा और कलाकारों की तारीफ की।

इसके अलावा मोदी ने युवाओं और महिलाओं से भी मुलाकात की। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे कहीं बाढ़ आ रही हैं तो कहीं सूखा पड़ रहा है। हालांकि, क्लाइमेट चेंज के नतीजे सभी देशों के लिए एक समान नहीं रहे हैं। 2022 में पाकिस्तान में खतरनाक बाढ़ आई थी। इसका 33 लाख लोगों पर असर हुआ था। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को 30 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था। वहीं, वांताउ नाम के आइलैंड देश को सी लेवल बढ़ने की वजह से अपने 6 शहर रिलोकेट करने पड़े हैं। इसके चलते विकासशील देश लगातार फंड की मांग कर रहे हैं ताकि वो क्लाइमेट चेंज की वजह से आ रही त्रासदियों से अपने लोगों का बचा सकें। भारत और चीन जैसे विकासशील देशों का मानन है कि इनका खामियाजा अमीर देशों को भुगतना चाहिए। क्योंकि उनके लिए कार्बन उत्सर्जन की वजह से धरती का तापमान बढ़ा है। >14

हमारा लक्ष्य अगले 10 वर्षों में 50 प्रतिशत सीएम महिलाएं हों : राहुल गांधी

तिरुवनंतपुरम, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एर्नाकुलम में 'उत्साह' महिला कांग्रेस के राज्य सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सत्ता में महिला की कमी पर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास महिला मुख्यमंत्रियों की कमी है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के लिए एक अच्छा लक्ष्य होगा अगर आज से अगले 10 वर्षों में हमारे पास 50 प्रतिशत मुख्यमंत्री महिलाएं हों। हमारे पास बहुत कम महिला मुख्यमंत्री हैं। पर मुझे पता है कि कांग्रेस पार्टी में कई महिलाएं हैं, जो एक अच्छी मुख्यमंत्री बन सकती हैं। राहुल ने आगे कहा कि एकमात्र कमी यह है कि मंच पर पुरुष हावी हैं, जोकि अच्छी बात है, लेकिन अब हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि कांग्रेस पार्टी के हर स्तर पर अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी हो। इससे पहले, केरल के नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन ने बताया कि रैली का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर करना है। पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ महिला कांग्रेस के वार्ड स्तर के सभी पदाधिकारी रैली में शामिल होंगे। हमारी रैली उन सरकारों के लिए चेतावनी है, जो महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसाओं को रोकने में विफल रही है। >14

हवाईअड्डे पर नहीं मिली राहुल गांधी के विमान को लैंडिंग की अनुमति

कोच्चि, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय पर पार्टी नेता राहुल गांधी के विमान को नौसेना हवाईअड्डे पर उतरने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया है। एर्नाकुलम डीसीसी अध्यक्ष मोहम्मद शियस ने मंत्रालय पर आरोप लगाया कि पहले विमान को उतरने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में अनुमति वापस ले ली गई। कन्नूर से राहुल गांधी को ले जाने वाली विमान को कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के लिए निर्देशित किया गया। एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि नौसेना के स्टेशनों पर लैंडिंग की अनुमति रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी किया जाता है। कांग्रेस नेता इनदिनों केरल दौरे पर हैं।

अपनों को वापस लाने के हर प्रयास कर रही सरकार : नौसेना चीफ

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार अपने आठ पूर्व नौसैनिकों को कतर से वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। बता दें, कतर में एक अदालत ने इन नौसैनिकों को मौत की सजा दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि उन्हें वापस लाया जाए। इसके साथ ही उनके हितों को ध्यान में रखने के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के सभी आठ पूर्व कर्मियों को 30 अगस्त 2022 की रात को हिरासत में ले लिया गया था। तब से उन्हें एकांत कारावास में रखा गया था। हिरासत में लिए गए लोगों में कमांडर (सेवानिवृत्त) पूर्णेंदु तिवारी हैं (जो एक भारतीय प्रवासी हैं) जिन्हें 2019 में प्रवासी भारती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कंपनी की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार पूर्णेंदू तिवारी भारतीय नौसेना में कई बड़े जहाजों की कमान संभाल चुके हैं। >14

शीतकालीन सत्र से पहले सांसदों के लिए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत 4 दिसंबर से शुरू हो रहा है। इसके साथ ही सांसदों को, खास तौर पर राज्यसभा सांसदों को संसद के तौर-तरीकों से अवगत कराया गया है। राज्यसभा सांसद सत्र के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए नोटिस देते हैं। सभापति द्वारा नोटिस स्वीकार करने के उपरांत चर्चा कराई जाती है। सभापति विभिन्न सदस्यों द्वारा दिए गए नोटिस का उल्लेख सदन की कार्यवाही के दौरान भी करते हैं।

राज्यसभा से निलंबन मामला

राघव चड्ढा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अब 8 दिसंबर को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं निलंबित सांसद राघव चड्ढा की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अब 8 दिसंबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में राघव चड्ढा ने राज्यसभा से अपने निलंबन को चुनौती दी है।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि इस मामले की सुनवाई अब 8 दिसंबर को होगी। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने राघव चड्ढा से राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से बिना शर्त माफी मांगने को कहा था और उम्मीद जताई थी कि सभापति इस मामले में सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सभापति इस आधार पर विचार कर सकते हैं कि वह एक युवा सदस्य हैं। इस तरह उनके निलंबन को खत्म करने का रास्ता निकल सकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट में यूसीसी पर सुनवाई बंद

विधि आयोग इस पर काम कर रहा, हम अलग कानून बनाने को नहीं कह सकते

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को यूसीसी को लेकर लगाई गई सभी याचिकाओं पर सुनवाई बंद कर दी। इनमें समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने और उसे समय पर लागू करने के लिए केंद्र और विधि आयोग को निर्देश देने की मांग की गई थी।

जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मिनी पुष्करणा ने दलीलें सुनने के बाद कहा, भारत का विधि आयोग पहले से ही इससे निपट रहा है और हम संसद को इसके लिए अलग से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकते। इससे पहले भी दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 नवंबर को एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा था, मार्च में सुप्रीम कोर्ट इस पर सुनवाई से इनकार कर चुका है। अब हम कुछ नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट में वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने जेंडर न्यूट्रल और रिलीजन न्यूट्रल कानूनों के लिए याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वालों में भी उपाध्याय शामिल हैं। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि किसी कानून को बनाना या न बनाना विधायिका का काम है। यह जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि तय करते हैं। इस बारे में कोर्ट कोई निर्देश जारी नहीं कर सकता है। केंद्र ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने जिन राहतों की मांग की है, वे न तो कानून में और न ही तथ्यों पर टिकने योग्य हैं। >14

दिनदहाड़े बैंक से लूटे 18 करोड़ रुपये

इंफाल, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में पंजाब नेशनल बैंक चेस्ट से बदमाशों ने 18.80 करोड़ रुपये कैश लूट लिए। सभी लुटेरे नकाब पहनकर आए थे। उन्होंने स्टॉफ को बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद कैशियर से तिजोरी का ताला खुलवाकर पैसे लेकर भाग गए। यह घटना गुरुवार को उखरुल जिले में हुई। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

पीएनबी बैंक चेस्ट राजधानी इंफाल से लगभग 80 किमी दूर उखरूल शहर में स्थित है। यहां से बैंक और एटीएम में पैसे भेजे जाते हैं। जिसकी वजह से काफी कैश रखा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया, 30 नवंबर को दोपहर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कुछ लुटेरे बैंक पहुंचे। उन्होंने बैंक के गार्ड्स को अपने कब्जे में ले लिया और स्टॉफ को बंदूक दिखाकर धमकाया। अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों में से कुछ ने कैमोफ्लॉज ड्रेस पहनी थी।

'मुझे बेवकूफ बनाया...', नित्यानंद के 'कैलासा' संग 'समझौते' करने वाले पराग्वे के अधिकारी हुए बर्खास्त

कैलासा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत से भागकर दक्षिण अमेरिकी देश एक्वाडोर में अपना अलग देश 'कैलासा' बनाने का दावा करने वाला स्वामी नित्यानंद आए दिन चर्चाओं में रहता है.

दक्षिण अमेरिका का ही एक देश पराग्वे में कैलासा को लेकर मचे बवाल के बाद नित्यानंद का फर्जी देश कैलासा एक बार फिर चर्चा में है. दरअसल, नित्यानंद के स्वघोषित देश कैलासा से एक समझौता ज्ञापन करने पर पराग्वे ने अपने एक सीनियर अधिकारी अर्नाल्डो चामोरो को बर्खास्त कर दिया है. रिपोर्ट के मुताबिक, अर्नाल्डो चामोरो ने कैलासा के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था, लेकिन पराग्वे ने चामोरो को तब बर्खास्त कर दिया जब उसे पता चला कि कैलासा का कोई अस्तित्व ही नहीं है. यानी कैलासा एक फर्जी देश है. बर्खास्त किए गए अधिकारी अर्नाल्डो चामोरो ने गुरुवार को संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि दक्षिण अमेरिकी द्वीप पर स्थित कैलासा के कथित अधिकारियों के साथ दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के बाद उसे कृषि मंत्री के कर्मचारी के प्रमुख के रूप में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है.

अमेरिकी शहर नेवार्क ने कैलासा से क्यों रद्द की डील?

कैलासा के तथाकथित अधिकारियों द्वारा बेवकूफी का शिकार हुए चामोरो ने मूर्ख बनने की बात भी स्वीकार की है. चामोरो ने कहा है कि फर्जी देश कैलासा के कुछ अधिकारी उसके पास आए और पराग्वे की मदद करने की इच्छा व्यक्त की. उन्होंने कई परियोजनाओं की भी पेशकश की. हमने उनकी बात सुनी और उस दस्तावेज पर दस्तखत कर दिए. जिसके बाद बुधवार को मुझे बर्खास्त कर दिया गया.

मंत्री को भी बनाया बेवकूफ

अर्नाल्डो चामोरो का कहना है कि फर्जी देश कैलासा के अधिकारियों ने मंत्री कार्लोस जिमनेज से भी मुलाकात की. हालांकि, फर्जी अधिकारियों का मकसद पता नहीं चल सका है. लेकिन दोनों पक्षों की ओर से हस्ताक्षरित ज्ञापन में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित करने की बात कही गई थी. पराग्वे कृषि मंत्रालय के लेटरहेड और आधिकारिक मुहर के साथ हुए समझौते में चामोरो ने 'संयुक्त राज्य कैलासा' के प्रमुख नित्यानंद का अभिवादन किया था. साथ ही हिंदू धर्म, मानवता और पराग्वे में नित्यानंद की योगदान की इच्छा की प्रशंसा की थी.

समझौते ज्ञापन में इस पर जोर दिया गया था कि पराग्वे की सरकार सक्रिय रूप से संयुक्त राज्य कैलासा के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने पर विचार कर रही है. साथ ही संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों में कैलासा को एक संप्रभु राज्य के रूप में प्रवेश का समर्थन करती है. लेकिन बाद में पराग्वे की मीडिया ने बताया कि फर्जी देश कैलासा की स्थापना करने वाला नित्यानंद वास्तव में एक भारतीय नागरिक था. जो वहां मोस्ट वांटेड अपराधी था. जिसके बाद पराग्वे कृषि मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए प्रक्रियात्मक त्रुटियों पर अफसोस जताया है और कहा है कि इस ज्ञापन को अधिकारिक नहीं माना जा सकता है, साथ ही पराग्वे पर इसका दायित्व नहीं है.

कौन है नित्यानंद?

नित्यानंद का जन्म 1 जनवरी 1978 को तमिलनाडु में हुआ था. उसके पिता का नाम अरुणाचलम और मां का नाम लोकनायकी है. 1992 में स्कूली पढ़ाई समाप्त करने के बाद नित्यानंद ने 1995 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की. दावा किया जाता है कि 12 साल की उम्र से ही उसने रामकृष्ण मठ में शिक्षा लेना शुरू कर दिया था. 1 जनवरी 2003 को नित्यानंद ने अपना पहला आश्रम बेंगलुरु के पास बिदादी में खोला. उसके बाद उसने कई आश्रम खोले. 2010 में नित्यानंद पर धोखाधड़ी और अश्लीलता का मामला दर्ज किया गया. नित्यानंद की एक सेक्स सीडी सामने आई थी.

इस मामले में नित्यानंद को गिरफ्तार भी किया गया था, लेकिन कुछ ही दिन में उसे जमानत मिल गई. साल 2012 में नित्यानंद पर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ. इसके बाद नवंबर 2019 में फिर से उस पर दो लड़कियों के अपहरण और उन्हें बंदी बनाने का मामला दर्ज हुआ. जिसके बाद वह भारत छोड़कर फरार हो गया.

बेंगलुरु के 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

स्कूलों को एक साथ ई-मेल भेजा, बच्चे निकाले गए; डिप्टी सीएम बोले-यह अफवाह थी

बेंगलुरु, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में बेंगलुरु के 15 प्राइवेट स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी शुक्रवार 1 दिसंबर को ई-मेल के जरिए दी गई। सभी स्कूलों को एक साथ ई-मेल आया, जिसमें दावा किया गया कि स्कूलों के अंदर बम रखे गए हैं। स्कूल प्रशासन ने पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस ने स्कूलों से स्टूडेंट्स और स्टाफ को बाहर निकाला और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मौके पर बम डिफ्यूजल स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और एंटी सैबोटाज टीम भी पहुंची।

बम की सूचना पर पेरेंट्स अपने-अपने बच्चों को लेने आ गए। इससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने ई-मेल को अफवाह बताया। उन्होंने कहा- घबराने की जरूरत नहीं है। हम 24 घंटे में आरोपियों को पकड़ लेंगे।

डिप्टी सीएम बोले-24 घंटे में पकड़े जाएंगे आरोपी

बम की सूचना पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार एक स्कूल पहुंचे, जहां ई-मेल आया था। उन्होंने कहा- मैंने टीवी पर स्कूलों में बम की खबर देखी तो घबरा गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कुछ मेरे घर के पास हैं। पुलिस ने मुझे ई-मेल दिखाया है। यह फर्जी है। कुछ शरारती तत्वों ने ऐसा किया होगा। साइबर क्राइम पुलिस सक्रिय है। हम उन्हें पकड़ लेंगे। चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए।

कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं पुलिस ने बताया कि 8 अप्रैल 2022 में बेंगलुरु के सात स्कूलों को इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन यह सिर्फ अफवाह निकली।

दिल्ली में इस साल 4 स्कूलों धमकी मिली

दिल्ली में इस साल अब तक चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 16 मई को दिल्ली के साकेत में एक स्कूल को बम की धमकी से जुड़ा एक ई-मेल मिला था। इससे पहले 12 मई को दिल्ली के सादिक नगर के इंडियन पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। यह भी स्कूल के ई-मेल पर आई थी। इसके बाद 25 अप्रैल को दिल्ली-मथुरा रोड पर स्थित डीपीएस स्कूल में ई-मेल के जरिए बम रखने की धमकी मिली थी। 12 अप्रैल को दिल्ली के सादिक नगर में द इंडियन स्कूल को भी एक धमकी भरा ई-मेल मिला। ये सभी धमकियां अफवाह साबित हुईं।

5 राज्यों के नतीजों से पहले ही शुरू हुई रिजॉर्ट पॉलिटिक्स

आलाकमान से बोले डीके शिवकुमार आप इशारा कीजिए मैं सभी को...

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल सामने आ गए हैं। एग्जिट पोल के अनुसार मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर दिखाई गई है। तो वहीं तेलंगाना में भी कांग्रेस पार्टी बहुमत के करीब पहुंचती हुई नजर आ रही है।

जब भी कहीं कांटे का मुकाबला होता है तो वहां रिजॉर्ट पॉलिटिक्स की खूब चर्चा होती है। दरअसल विपक्षी दल आरोप लगाते हैं कि बीजेपी करीबी मुकाबले में उनके विधायकों को तोड़ने का प्रयास करती है। लेकिन पिछले कई चुनाव से कांग्रेस पहले से ही तैयारी कर रही है। वहीं इस बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस विधायकों को लेकर बड़ा बयान दिया है। डीके शिवकुमार ने कहा है कि अगर पार्टी आलाकमान आदेश देगा तो वह 5 राज्यों के विधायकों को संभालने के लिए तैयार है। समाचार चैनल आजतक से बात करते हुए डीके शुक्रवार ने कहा कि अगर पार्टी की ओर से निर्देश मिलता है तो वह पांच राज्यों के विधायकों को संभालने के लिए तैयार है। एग्जिट पोल के अनुसार राजस्थान में इंडिया टुडे एक्सिस मॉय इंडिया के अनुसार बीजेपी 80 से 100, कांग्रेस 86 से 106 सीटें हासिल कर सकती हैं।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान

इसके असर से इन इलाकों में हो सकती है भारी बारिश

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब का क्षेत्र बन रहा है, जिसके अगले दो दिनों में चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। मौसम विभाग का कहना है कि 4 दिसंबर की शाम तक यह चक्रवाती तूफान आंध्र प्रदेश में माचिलीपत्तनम और चेन्नई के तट से टकरा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का जो क्षेत्र बन रहा है, उसका केंद्र चेन्नई के समुद्र तट से 800 किलोमीटर, माचिलीपत्तनम से 970 किलोमीटर, आंध्र प्रदेश के ही बापातला से 990 किलोमीटर और पुडुचेरी के तट से 790 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह चक्रवाती तूफान पश्चिम और उत्तर पश्चिम की तरफ बढ़ रहा है और 2-3 दिसंबर तक इसके चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। चक्रवाती तूफान का ओडिशा में कोई प्रभाव नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान के असर से ओडिशा में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और बिजली कड़कड़ाने की घटनाएं हो सकती हैं।

इनमें मलकानगिरी, कोरापुट, नाबारंगपुर, रायगढ़, कालाहांडी, कंधमाल आदि इलाके शामिल हैं। मौसम विभाग का कहना है कि आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों और रायलसीमा इलाके में भारी बारिश हो सकती है।

दर्शन के लिए जा रहा वाहन ट्रक से टकराया, तीन महिलाओं समेत आठ की मौत

क्योंझर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के क्योंझर जिले में एक वाहन के ट्रक से टकराने के बाद कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। वहीं इस घटना में कई अन्य घायल भी हुए हैं। यह घटना घाटगांव इलाके के बालिजोड़ी गांव के पास नेशनल हाईवे 20 पर घटी। वाहन में सवार लोग मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। इस घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक ने अस्पताल में दम तोड़ दी। घायलों में पांच का इलाज क्योंझर जिले के अस्पताल में जारी है। वहीं घायलों में से तीन को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती किया गया है। गंजन जिले के पुदामारी से 20 लोग वाहन में सवार होकर देवी त्रारिणी की दर्शन के लिए जा रहे थे।

बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का बड़ा बयान

मध्य प्रदेश में सरकार बना रही भाजपा, कांग्रेस नहीं जीतेगी

भोपाल, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अब विधानसभा चुनाव के नतीजों का सभी इंतजार कर रहे हैं. रिजल्ट से पहले विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का बड़ा बयान सामने आया है. उनका कहना है कि बीजेपी मध्य प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है. दूसरे राज्यों में भी वह सरकार बनाने जा रही है. कांग्रेस कभी भी आसानी से नहीं जीत सकती. उनकी साजिशें काम नहीं कर रही हैं. भाजपा सत्ता में आने वाली है।

बता दें कि मध्य प्रदेश में 3 दिसंबर को आने वाले चुनाव परिणाम के पहले गुरुवार शाम को एग्जिट पोल के आंकड़ों ने भाजपा को एक बार फिर से प्रदेश में सत्ता की चाबी थमा दी है. इसमें से 4 सर्वे में भाजपा को बढ़त और स्पष्ट रूप से सरकार बनाने के संकेत दे दिए हैं. इन पोल्स में भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत मिलने का दावा किया गया है. हालांकि 1 एग्जिट पोल में कांग्रेस को जीत तो 3 सर्वे में कांटे की टक्कर की बात सामने आई है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर को आने हैं, लेकिन शिवपुरी की पिछोर सीट पर पहले ही बीजेपी प्रत्याशी को विधायक घोषित कर दिया गया. दरअसल, शिवपुरी की सिरसौद में एक धार्मिक कार्यक्रम किया जा रहा है. उसके पर्चे पर बीजेपी उम्मीदवार प्रीतम सिंह लोधी को विधायक बताया गया है. अब ये पर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

शिवपुरी जिले की करैरा तहसील के ग्राम सिरसौद में आगामी 17 दिसंबर को भगवान राम और जानकी की शादी का आयोजन किया जाएगा. ऐसे में इस कार्यक्रम की तैयारियां चल रही हैं. इस दौरान गांव-गांव में कार्यक्रम के निमंत्रण पर्चे बंटवाए जा रहे हैं. इस कार्ड में बकायदा प्रीतम सिंह लोधी का पत्नी के साथ फोटो लगा हुआ है. कार्यक्रम में उन्हें बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है. कार्ड पर उनके नाम के नीचे विधायक लिखा है. इसके अलावा इस कार्ड में कोलारस के विधायक वीरेंद्र रघुवंशी को पूर्व विधायक बता दिया है.

बीएसएफ अधिकार क्षेत्र बढ़ोतरी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक-पंजाब पुलिस की शक्ति नहीं छीनी गई

चंडीगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में बीएसएफ का दायरा 50 किलोमीटर तक बढ़ाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र के इस फैसले से पंजाब पुलिस की शक्ति नहीं छीनी गई है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पंजाब सरकार के 2021 के मुकदमे की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील शादान फरासत को एक साथ बैठने और पीठ द्वारा तय किए जाने वाले मुद्दों पर संयुक्त रूप से निर्णय लेने के लिए कहा। पीठ ने कहा कि पक्षकार मुद्दों का आदान-प्रदान करेंगे ताकि उन्हें सूचीबद्ध होने की अगली तारीख से पहले निपटाया जा सके। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि पंजाब के महाधिवक्ता भी पक्षकारों की बैठक में हिस्सा ले सकते हैं।

सीजेआई ने कहा-जांच की शक्ति नहीं छीनी है

रिकॉर्ड देखने के बाद सीजेआई ने प्रथम दृष्टया पाया कि बीएसएफ और राज्य पुलिस द्वारा प्रयोग की जाने वाली समवर्ती शक्तियां थीं। सीजेआई ने मौखिक रूप से कहा कि जांच की शक्ति पंजाब पुलिस से नहीं छीनी गई है। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सभी सीमावर्ती राज्यों में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि गुजरात जैसे राज्यों में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र 80 किमी तक था और अब यह सभी सीमावर्ती राज्यों में एक समान 50 किमी है।

कानून अधिकारी ने कहा कि कुछ पासपोर्ट अपराधों पर बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र है और स्थानीय पुलिस के पास भी शक्ति होगी। फरासत ने कहा कि पंजाब एक छोटा राज्य है और केंद्र का फैसला पुलिस और अन्य एजेंसियों की शक्ति छीन लेता है। वहीं सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि विवादित अधिसूचना में सभी संज्ञेय अपराध शामिल नहीं हैं। संज्ञेय अपराध वे गंभीर मामले हैं जिनमें कोई पुलिस अधिकारी बिना किसी वारंट के संदिग्ध को गिरफ्तार कर सकता है।

जनवरी 2021 में सुप्रीम कोर्ट गई थी पंजाब सरकार

जनवरी 2021 में पंजाब सरकार ने केंद्र के उस फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें असम, पश्चिम बंगाल और पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर के बड़े दायरे में तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी के लिए बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र का विस्तार किया गया था। राज्य सरकार ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का विस्तार राज्य के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2014 में संशोधन करते हुए एक अधिसूचना जारी की, जिसमें सीमा क्षेत्रों में काम करते समय बीएसएफ कर्मियों और अधिकारियों के लिए प्रावधान सक्षम किया गया।

पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम में, बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र 15 किमी से बढ़ाकर 50 किमी कर दिया गया था। वहीं गुजरात में, जो पाकिस्तान के साथ अपनी सीमा साझा करता है, सीमा 80 किमी से घटाकर 50 किमी कर दी गई थी, जबकि राजस्थान में इसे अपरिवर्तित रखा गया था।

बंगाल और पंजाब ने किया था विरोध

इस मुद्दे पर विवाद खड़ा हो गया था क्योंकि विपक्ष शासित पंजाब और पश्चिम बंगाल ने इस कदम की निंदा की थी और संबंधित राज्य विधानसभाओं ने केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था। अपने मुकदमे में पंजाब सरकार ने कहा है कि 11 अक्तूबर की अधिसूचना के तहत राज्य से परामर्श किए बिना या कोई परामर्श प्रक्रिया किए बिना एकतरफा घोषणा संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है।

खबरें जरा हटके

70 साल की महिला ने दिया जुड़वां बच्चों को जन्म

लेकिन यह संभव हुआ कैसे? चमत्कार से कम नहीं कहानी

बच्चा पैदा करने की सही उम्र 23 से लेकर 32 साल तक मानी गई है. लेकिन आज जब तमाम महलिाएं नौकरीपेशा हैं, इस उम्र में बच्चे पैदा करने के बारे में नहीं सोचतीं. ज्यादातर महलिाएं 35-40 की उम्र से पहले मां बनना पसंद करती हैं. क्योंकि इसके बाद प्रेग्नेंसी में कई तरह की दिक्कतें आती हैं. डॉक्टर भी पहले बच्चे पैदा करने की सलाह देते हैं.लेकिन कई बार आपने सुना होगा कि 50 की उम्र के बाद भी महलिा मां बन गई. यह उतना नहीं चौंकाती, लेकिन युगांडा से एक दलिचस्प खबर आई है. 70 साल की एक महलिा ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है. लेकिन इस उम्र में यह संभव कैसे हुआ? पूरी कहानी चमत्कार से कम नहीं।

बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, युगांडा के एक अस्पताल ने कहा कि 70 वर्षीय एक महिला ने आईवीएफ उपचार के बाद जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है. महलिा का नाम सफीना नामुकवेया है, जिसने राजधानी कंपाला के एक अस्पताल में एक बेटी और एक बेटे को जन्म दिया. इन्हें बच्चे को जन्म देने वाली सबसे उम्रदराज महिलाओं में से एक बताया जा रहा है. महिला अस्पताल इंटरनेशनल एंड फर्टिलिटी सेंटर ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, यह एक चमत्कार जैसा है. हमने असाधारण उपलब्धि हासिल की है. मां और बच्चे सभी ठीक हैं. सफीना नामुकवेया और हमारी टीम को इसके लिए बधाई.

प्रेग्नेंसी काफी कठिन थी

युगांडा के डेली मॉनिटर अखबार से बातचीत में महलिा ने बताया कि उनकी प्रेग्नेंसी काफी कठिन थी, क्योंकि जब उनके पार्टनर को पता चला कि उनके जुड़वां बच्चे होने वाले हैं तो उन्होंने साथ छोड़ दिया. नामुकवेया की तीन वर्षों में यह दूसरी डिलीवरी है. इससे पहले 2020 में उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया था. उन्होंने कहा, निःसंतान होने का मजाक उड़ाया जाता था, इसकी वजह से उन्होंने दूसरा बच्चा पैदा करने का फैसला किया. मैंने लोगों के बच्चों की देखभाल की और उन्हें बड़े होते देखा और मुझे अकेला छोड़ दिया गया. मुझे इस बात की चिंता थी कि जब मैं बूढ़ी हो जाऊंगी तो मेरी देखभाल कौन करेगा.

पति के साथ रात को लिपटकर सोई थी बीवी, नींद में बड़बड़ाई ऐसी बात, सीधे जेल में हुई सुबह

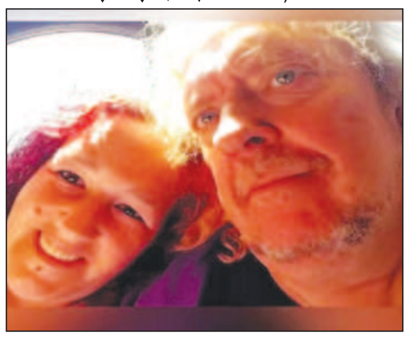

पति और पत्नी के बीच का रिश्ता प्यार और विश्वास पर टिका होता है. दोनों जब एक-दूसरे से कुछ भी नहीं छिपाते तो उनका रिश्ता काफी लम्बा चलता है. लेकिन जब इस रिश्ते में सीक्रेट्स रखना शुरू कर दिया जाता है तब होती है असली मुसीबत. सोशल मीडिया पर एक कपल के बीच की ऐसी स्टोरी शेयर की गई, जो देखते ही देखते वायरल हो गई. इस कपल की लाइफ वैसे तो एकदम नॉर्मल थी. दोनों के बीच किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं था. लेकिन अचानक एक रात ऐसा कुछ हुआ कि पति ने अपनी प्यारी बीवी को पुलिस के हवाले कर दिया. 61 साल के एंटोनी ने 47 साल की रुथ फोर्ट से 2010 में शादी की थी. शादी के बंधन में बंधने के बाद दोनों का रिश्ता काफी अच्छा चल रहा था. दोनों ही एक दूसरे से काफी प्यार करते थे. उनकी मैरिड लाइफ एक दम अच्छी चल रही थी. लेकिन एक रात अचानक कुछ ऐसा हुआ कि एंटोनी ने अपनी पत्नी को पुलिस के हवाले कर दिया. ना दोनों के बीच किसी तरह की लड़ाई हुई थी ना ही कोई बहसा-बहसी. सिर्फ नींद में रुथ ने कुछ ऐसा खुलासा कर दिया कि एंटोनी को पुलिस बुलानी पड़ गई. एंटोनी एक रात अपनी पत्नी के साथ सोया हुआ था. तब नींद में रुथ ने माना कि उसने दिव्यांग महिला का एटीएम चुराया है और उसी से अपने शौक पूरे कर रही है. ये सुनते ही एंटोनी ने पुलिस को बुला लिया और अपनी पत्नी को जेल भिजवा दिया. एंटोनी के मुताबिक़, जिस महिला से वो प्यार करता था वो दूसरों को धोखा नहीं दे सकती थी. खुद एंटोनी ने अपनी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज करवाया. बाद में कोर्ट में रुथ का जुर्म साबित हो गया और उसे 16 महीने जेल की सजा सुनाई गई।

यहां है दुनिया की 'आखिरी' सड़क, इसके आगे नहीं है कोई रास्ता

लोगों के अकेले जाने पर लगी है रोक!

हमारी धरती गोल है, इस वजह से इसका कोई आखिरी छोर नहीं है. हालांकि, धरती पर मौजूद कुछ चीजें ऐसी भी हैं, जिनकी शुरुआत और अंत भी है. सड़क को ही ले लीजिए. अलग-अलग देशों में लाखों हाइवे, सड़कें, नेशनल और इंटरनेशनल हाइवे मौजूद होंगे जो शहरों, राज्यों, और देशों को जोड़ते होंगे पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इन तमाम जगहों पर सबसे आखिरी सड़क कहां है? जी हां, दुनिया में एक ऐसी रोड भी है, जिसे धरती की आखिरी सड़क माना जाता है. आखिरी इसलिए क्योंकि उसके आगे ना ही कोई रास्ता है और ना ही कोई जगह जहां इंसान रह सकते हैं।

ई-69 हाइवे को नॉर्वे की आखिरी सड़क माना जाता है. ये वेस्टर्न यूरोप के उत्तर में है. 129 किलोमीटर का ये हाइवे साउथ से नॉर्थ तक जाता है और उत्तर में यूरोप के आखिरी पॉइंट नॉर्थ कैप तक है. इस सड़क के बीच में 5 टनल हैं. ये नॉर्वे का आखिरी छोर है. इस सड़क के आगे कोई रास्ता नहीं है. ये नॉर्थ पोल के बेहद पास है, इस वजह से ठंड के दिनों में सड़क पूरी तरह से बंद रहती है. इस रोड पर अकेले यात्रा करने पर मनाही है. जब आप इस सड़क पर चलेंगे, तो आपको सिर्फ बर्फ ही बर्फ नजर आएगी, साथ में दिखेगा समुद्र. यहां का मौसम बहुत ही अप्रत्याशित है. जब आंधी-तूफान आता है तो ड्राइविंग के लिए मना किया जाता है. गर्मी के दिनों में यहां काफी बारिश भी होती है. इस पूरी रोड पर यात्रा करने के लिए लोगों को 2-3 घंटे का वक्त लग जाता है. आपको बता दें कि 15 जून 1999 को इस रूट का निर्माण हुआ था. इससे पहले इस जगह तक जाने के लिए सिर्फ नाव का सहारा लेना पड़ता था.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 2 दिसंबर, 2023

मेरा हैदराबाद

सुविचार: जो व्यक्ति वक्त पर वक्त की कीमत समझ जाता है, वह समाज में लोगों द्वारा सम्मान पाता है !

एससीआर ने चक्रवात के लिए तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयुलु ने आसन्न 'मिचौंग' चक्रवात के मद्देनजर विभाग के प्रमुख प्रमुखों के साथ विजयवाड़ा, गुंटूर और गुंटकल डिवीजनों के साथ एक समीक्षा बैठक की। एजीएम ने चक्रवात से निपटने के लिए रेलवे द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की समीक्षा की। धनंजयुलु ने विभिन्न डिपो में मानसून रिजर्व स्टॉक की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर स्टॉक की न्यायिक तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक उपाय करने के लिए चक्रवात के मार्ग की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैक और ट्रेन संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनुभाग में रेलवे को प्रभावित करने वाले टैंकों की स्थिति की निगरानी के लिए राज्य सरकार के साथ निकटता से संपर्क करने की भी सलाह दी। उन्होंने संभावित प्रभावित खंडों में पटरियों की मानसून गश्त सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी संवेदनशील पुलों और स्थानों पर स्थिर चौकीदार भी तैनात किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अधिकारियों ने यह भी बताया कि कमजोर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की स्थिति की बारीकी से निगरानी की जा रही है और पानी, यदि कोई है, को बाहर निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था भी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि कम से

कम समय अवधि के भीतर किसी भी बहाली कार्य को करने के लिए संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में सैंडबैग और गिट्टी का स्टॉक किया जा रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन संवेदनशील वर्गों में पटरियों की निगरानी रखने के लिए अधिकारियों द्वारा रात के समय फुट प्लेटिंग की जा रही है।

रेल यात्रियों के लिए सावधानी

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसन्न भीषण चक्रवाती तूफान के कारण आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के दक्षिण तटीय क्षेत्र में प्रचलित चक्रवाती मौसम की स्थिति को देखते हुए, अगले कुछ दिनों में इस क्षेत्र में ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव की संभावना है। ट्रेन संचालन और यात्रियों की सुरक्षा के हित में दक्षिण मध्य रेलवे के तटीय क्षेत्र में तेज़ रफ़्तार हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना से ट्रेन संचालन प्रभावित हो सकता है। इस अवधि के दौरान प्रभावित खंडों में चलने वाली ट्रेन सेवाओं में बदलाव होने की संभावना है। स्थिति की मांग के अनुसार उन्हें डायवर्ट, पुनर्निर्धारित, आंशिक रूप से रद्द या रद्द किए जाने की संभावना है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त कारक को ध्यान में रखते हुए अपनी रेल यात्रा की योजना बनाएं और अपनी यात्रा शुरू करने से पहले रेलवे अधिकारियों से ट्रेनों के चलने की वास्तविक स्थिति के बारे में जांच कर लें। इस अवधि के दौरान ट्रेन से संबंधित किसी भी पूछताछ के लिए यात्री निकटतम रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

सचिवालय पूरी तरह से सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बन जाएगा : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों, ट्रेड यूनियन के नेताओं के साथ बैठक की

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि हम सचिवालय परिसर में पर्यावरण के लिए खतरा बन चुके एकल उपयोग प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने में सफल रहे हैं। उन्होंने इस मामले में सहयोग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकारी मशीनरी, अधिकारियों और कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग के कारण वे प्लास्टिक के उपयोग को काफी कम करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सचिवालय 3 दिसंबर तक पूरी तरह से सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बन जाएगा। डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के फैसले के 45 दिन बीत जाने के मौके पर शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीएस शांति कुमारी ने कहा कि सचिवालय के विभिन्न विभागों के विशेष मुख्य सचिव, मुख्य सचिव और सचिवों ने भाग लिया और कहा कि सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय का अनुपालन करना खुशी की बात

है। इसी भावना से, उन्होंने सुझाव दिया कि सभी एचओडी को एकल-उपयोग प्लास्टिक की वस्तुओं के बजाय स्टील और चीनी मिट्टी की वस्तुओं का उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिवों और सचिवों को प्लास्टिक प्रतिबंध पर कई सुझाव दिये। संबंधित विभागों में प्लास्टिक प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर उचित आदेश जारी कर दिये गये हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की समुचित व्यवस्था की गयी है। सचिवों को सचिवालय स्तर पर प्लास्टिक प्रतिबंध का स्वेच्छा से पालन कर उदाहरण प्रस्तुत करने की सलाह दी गयी। सीएस ने कहा कि इन आदेशों के आलोक में सचिवालय परिसर में प्रतिदिन तीन हजार से अधिक एकल उपयोग वाली पानी की बोतलों का उपयोग होता था और वे इसे घटाकर दो सौ से भी कम करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि सचिवालय परिसर में स्वच्छ ताजा पानी उपलब्ध कराने के लिए 32 एक्वागार्ड वाटर डिस्पेंसर लगाये गये हैं। उन्होंने प्लास्टिक की वस्तुओं के स्थान पर कपड़े, जूट और स्टील की वस्तुओं का उपयोग बढ़ाने का सुझाव दिया। सचिवालय परिसर में एक हरित कियोस्क स्थापित करने का निर्णय लिया गया है ताकि आगंतुक सचिवालय भ्रमण के दौरान फूलों के गुलदस्ते के स्थान पर प्लास्टिक मुक्त पौधों का उपयोग कर सकें। उन्होंने सुझाव दिया कि सचिवालय में प्रतिदिन जमा होने वाले अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र किया जाना चाहिए और उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी उत्पाद बनाने के लिए उनका पुनर्चक्रण किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अधिकारियों को सचिवालय परिसर को शून्य अपशिष्ट परिसर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कहा गया है कि प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी को सचिवालय में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर स्वेच्छा से प्रतिबंध लगाकर इसके विकल्पों का प्रयोग कर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। मुख्य रूप से पानी की बोतलें, ढक्कन, प्लास्टिक, कप, गिलास और स्ट्रॉ में प्लास्टिक का अधिक उपयोग हो रहा है और इनके स्थान पर स्टील और चीनी मिट्टी की वस्तुओं का उपयोग करने की मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी आदेशों से संभव नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वेच्छा से इसका पालन करना चाहिए। बैठक में वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, सरकार के विशेष प्रधान सचिवों, मुख्य सचिवों, विभिन्न विभागों के प्रमुखों, सचिवालय ट्रेड यूनियनों के नेताओं और सदस्यों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

कोई पुनर्मतदान नहीं, केवल वोटों की गिनती होगी: सीईओ

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने आज कहा कि तेलंगाना राज्य में कहीं भी पुनर्मतदान कराने की कोई संभावना नहीं है और 3 दिसंबर को वोटों की गिनती के लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। शुक्रवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सीईओ ने कहा कि प्रत्येक मतगणना केंद्र के पास तीन-चरणीय सुरक्षा की व्यवस्था की गई है और रविवार को प्रदेश भर में 49 केंद्रों पर मतगणना होगी। विकास राज ने कहा कि गुरुवार को पूरे तेलंगाना राज्य में 70.74 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 2018 की तुलना में इसमें 3 फीसदी की कमी आई है। 2018 में 73.37 प्रतिशत दर्ज किया गया था। हालांकि, 78 विधानसभा क्षेत्रों में 75 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। इसके अलावा, डाक मतपत्र से वोट पहले से कहीं अधिक डाले गए हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना में लगभग 1.80 लाख लोगों ने डाक मतपत्र का उपयोग किया है। सीईओ ने कहा कि 80 साल से अधिक उम्र वालों को घर से वोट देने का मौका दिया गया है और घर से वोट देने की सुविधा देने का प्रयोग इस बार सफल रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक मतदान यदाद्री भुवनगिरी जिले में 90.03 प्रतिशत के साथ दर्ज किया गया और सबसे कम मतदान 46.68 प्रतिशत के साथ हैदराबाद में दर्ज किया गया।

पुराने शहर के तीन निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना रोकने का आग्रह किया

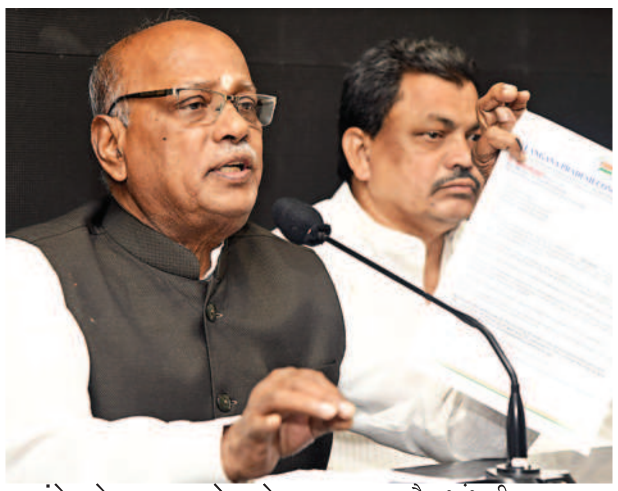

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखी चिट्ठी

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमआईएम पार्टी ने राज्य की राजधानी के तीन विधानसभा क्षेत्रों में धांधली और फर्जी मतदान का सहारा लिया, कांग्रेस पार्टी ने आज चुनाव आयोग (ईसी) से चंद्रायणगुट्टा, बहादुरपुरा और चारमीनार विधानसभा में वोटों की गिनती रोकने का आग्रह किया। सीसी टीवी फुटेज का सत्यापन पूरा होने तक इस मुद्दे पर सीईसी को लिखा। एक पत्र में, कांग्रेस पार्टी के नेता जी. निरंजन ने आरोप लगाया कि एमआईएम पार्टी ने तीन विधानसभा क्षेत्रों में फर्जी मतदान और धांधली का सहारा लेकर पूरी मतदान प्रक्रिया को प्रदूषित कर दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एमआईएम पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले किए। उन्होंने दावा किया कि एमआईएम पार्टी ने धांधली और फर्जी मतदान का सहारा लिया क्योंकि वहां अन्य राजनीतिक दलों के कोई पोलिंग एजेंट नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के अधिकारी एमआईएम पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनावी कदाचार करने से रोकने में विफल रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से तीनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों के सीसी टीवी फुटेज की जांच करने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की. उन्होंने यह भी मांग की कि चुनाव आयोग तीनों विधानसभा क्षेत्रों में दोबारा मतदान कराए।

सीएम केसीआर 4 को करेंगे कैबिनेट की बैठक

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकांश एग्जिट पोल नतीजों में कांग्रेस की जीत का संकेत देने के बावजूद, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने एक निर्णय लेकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। 4 दिसंबर को यहां सचिवालय में कैबिनेट बैठक आयोजित करें। सीएमओ कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री 4 दिसंबर को दोपहर 2 बजे सचिवालय में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे। हालांकि, परिणाम घोषित होने से पहले कैबिनेट बैठक आयोजित करने के मुख्यमंत्री के फैसले से हर कोई हैरान है। बीआरएस नेता इस बात को लेकर तनाव में हैं कि कैबिनेट में मंत्री चुनाव जीतेंगे या नहीं। सभी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि केसीआर कैबिनेट की बैठक कैसे करेंगे। दूसरी ओर, केसीआर ने प्रगति भवन में बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि बीआरएस पार्टी एक बार फिर राज्य में सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कथित तौर पर वरिष्ठ नेताओं को दो दिनों तक शांत रहने की सलाह दी कि वे एग्जिट पोल के नतीजों से परेशान क्यों हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी को 3 दिसंबर को एक साथ जश्न मनाना चाहिए क्योंकि बीआरएस चुनाव में विजयी हो रही है।

फर्जी मतदान के मामले में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हबीबनगर पुलिस स्टेशन में टीएसएलए-2023 चुनाव में फर्जी मतदान करने के इरादे से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। हबीबनगर पुलिस ने दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के डीसीपी, टास्क फोर्स और उनकी टीमों की सहायता से तीन आरोपियों को पकड़ा है। इन लोगों पर टीएसएलए-2023 चुनावों में फर्जी मतदान करने की कोशिश का आरोप है। आरोपी व्यक्तियों को पहले मतदान कर चुके मतदाताओं की अमिट स्याही के निशान हटाते हुए पाया गया था। तीनों आरोपियों में मोहम्मद जाकिर, मोहम्मद शाबुद्दीन और रितेश गुप्ता शामिल है। डीसीपी दक्षिण पश्चिम क्षेत्र बी. बालास्वामी ने बताया कि आरोपी व्यक्तियों ने मतदान दिवस पर फर्जी मतदान करने की योजना बनाई थी और सरकारी हाईस्कूल तेलुगु मीडियम नामपल्ली के पुलिस स्टेशन नंबर 123 में डाले गए वोटों से अमिट स्याही के निशान हटाने के लिए सामग्री खरीदी थी। उन्होंने अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए एक मस्जिद के परिसर के नीचे एक धार्मिक स्थान, एक शटर की पहचान की थी। अपनी योजना के अनुसार उन्होंने अनुपस्थित, मृतकों का मतदाता पहचान-पत्र तैयार किया। पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों के पास से मतदाता सूचियां, डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र, अप्रयुक्त कपास, एक रसायन बोतल, एक मिनी पर्ची प्रिंटिंग मशीन और पेपर रोल जब्त किए। आरोपी व्यक्तियों ने मतदाता सूची एकत्र की थी और उन अज्ञात व्यक्तियों की पहचान की थी जिन्होंने अपने घर खाली कर दिए थे। उन्होंने सूचना पर्चियां छापने के लिए अपने वोटर आईडी नंबर का इस्तेमाल किया था और बाहरी लोगों की मदद से फर्जी मतदान कराने की योजना बनाई थी। तीन आरोपी व्यक्तियों को एसएचओ हबीबनगर पीएस रामबाबू ने श्रीनिवास, इंस्पेक्टर, टास्कफोर्स, राजा वेंकट रेड्डी, एसीपी आसिफनगर के सहयोग से और श्रीमती नितिका पंत डीसीपी टास्कफोर्स और बी बालास्वामी डीसीपी दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के पर्यवेक्षण के तहत गिरफ्तार किया गया। चुनाव बिना किसी फर्जीवाड़े के संपन्न कराने के लिए पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

वाईसीपी सरकार ने मछुआरों के कल्याण की अनदेखी की: लोकेश

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काकीनाडा के मछुआरों ने आज टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर उनसे अपनी समस्याओं का समाधान करने का आग्रह किया।मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, नारा लोकेश ने कहा कि जगन मोहन सरकार ने मछुआरों का कल्याण छीन लिया है, जो काकीनाडा में सबसे बड़ी आबादी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा बिना अध्यक्ष के निगम का गठन किया गया और बिना कोई धन आवंटित किए उसके साथ धोखा किया गया। उन्होंने कहा कि पिछले टीडीपी शासन के दौरान, मछुआरों को आधार योजना के तहत रियायती दरों पर नावें, जाल और अन्य उपकरण उपलब्ध कराए गए थे।

उन्होंने कहा कि टीडीपी के सत्ता में आने के बाद, मत्स्य संपदा में सुधार के लिए उपयुक्त शेड स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने वादा किया कि मछुआरों के बच्चों के लिए काकीनाडा में एक अलग आवासीय कॉलेज स्थापित किया जाएगा और कहा कि विपणन सुविधाओं में सुधार किया जाएगा और स्थानीय मछुआरों के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। लोकेश ने कहा कि मछली पकड़ने जाने वाले मछुआरों को पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है और उन्होंने कहा कि डीजल पर सब्सिडी बढ़ाई जानी चाहिए। सरकार द्वारा मछुआरों को दी जाने वाली सब्सिडी पूरी तरह से नहीं मिलती है। मछुआरों के लिए कोई उपयुक्त बाज़ार शेड नहीं हैं। रोजगार के अवसर न होने के कारण युवा अन्य स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। उन लोगों के परिवारों को मुआवजा बढ़ाया जाना चाहिए जो शिकार पर गए और लापता हो गए, उन्होंने कहा। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार दूर-दराज के इलाकों के सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को दो घंटे की बस सुविधा प्रदान करे।

नगरपालिका पार्क में स्थानांतरित किए गए पेड़ सूखे

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा में सड़क चौड़ीकरण की सुविधा के लिए हाल ही में मैरीगुडा बाईपास रोड से चेर्लापल्ली के केसीआर नंदनवनम शहरी पार्क में स्थानांतरित किए गए बारह पेड़ नष्ट हो गए हैं। यह विकास नागरिक अधिकारियों की ओर से अपर्याप्त रखरखाव प्रयासों की ओर इशारा करता है। आसन्न सड़क चौड़ीकरण के कारण पूरी तरह से विकसित पेड़ों पर कुल्हाड़ी लगने की संभावना को देखते हुए, राज्यसभा सदस्य और ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जे संतोष कुमार ने वीएटीए फाउंडेशन की मदद से पेड़ों को स्थानांतरित करने की पहल की। इन 50 साल पुराने पेड़ों को पिछले 22 अप्रैल को शहरी पार्क में स्थानांतरित कर दिया गया था। नलगोंडा के विधायक कंचेरला भूपाल रेड्डी ने बहुत धूमधाम के बीच स्थानांतरण का शुभारंभ किया, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने, जिन्होंने शहर को सुंदर बनाने के लिए कृत्रिम पेड़ों में अत्यधिक रुचि दिखाई थी, स्थानांतरित किए गए पेड़ों के पोषण के कार्य को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। वीएटीए फाउंडेशन के स्वयंसेवकों की एक टीम ने 50 टन की क्रेन का उपयोग करके पेड़ों को एक फ्लैटबेड ट्रक पर पार्क में ले जाकर स्थानांतरण को अंजाम दिया। इतने प्रयास और बहुत महंगी और श्रमसाध्य प्रक्रिया के बावजूद, नागरिक अधिकारियों ने स्थानांतरित किए गए पेड़ों पर लापरवाही भरी नजर रखी और दुख की बात है कि छह महीने के भीतर, स्थानांतरित किए गए पेड़ पार्क में सूखे पाए गए। पार्क जनता के लिए बंद रहने के कारण, केवल मुट्ठी भर श्रमिकों को पेड़ों की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया था, जबकि उनकी देखभाल की देखरेख के लिए कोई समर्पित बागवानी अधिकारी नियुक्त नहीं किया गया था। ध्यान की कमी के कारण स्थानांतरित किए गए किसी भी पेड़ को संरक्षित करने में विफलता हुई, जो आधिकारिक लापरवाही को रेखांकित करता है। भारतीय पर्यावरण सामाजिक मंच के संस्थापक संयोजक जीदिमेटला रविंदर ने नलगोंडा में स्थानांतरण की शुरुआत में अपने भव्य वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए स्थानीय प्रतिनिधियों और अधिकारियों की आलोचना की।

दलबदलुओं के घरों के सामने धरना देंगे: प्रो. कोदंडराम

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के संस्थापक-अध्यक्ष प्रोफेसर कोदंडराम ने आज चेतावनी दी कि उनकी पार्टी उन लोगों के घरों के सामने धरना देगी, जो किसी अन्य राजनीतिक दल से जीतने के बाद अन्य दलों में शामिल हो जाएंगे। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने राज्य में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोगों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे बहुत संवेदनशील हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी राज्य में लोकतंत्र की बहाली के लिए प्रतिबद्ध है, भले ही चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल की जीत हो और उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र की बहाली के मुद्दे पर लगातार अपनी आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों की इतनी संवेदनशीलता देखने के बाद किसी भी राजनीतिक नेता को दलबदल का सहारा नहीं लेना चाहिए।

॥ शोक सभा ॥

स्व. श्री घीसुलालजी देवड़ा

सुपुत्रः स्व.श्री धनारामजी देवड़ा
स्वर्गवासः 01-11-2023

शोकसभा, शनिवार दि. 02 दिसम्बर 2023
श्री आईमाता मंदिर पारसीगुट्टा मे रखी गयी है।

शोकाकुल

श्रीमती अणसीबाई (माताजी), प्यारीबाई (धर्मपत्नी), सोनीदेवी (भाभी), रामाजी (काकोसा), दलाराम, बुदाराम, हकाराम, पेमाराम (भाई), दाकुबाई-स्व.लालारामजी, पोनीबाई-भगारामजी, सुकियाबाई-भँवरलालजी (बहन-बहनोई), रमेश, दिनेश (पुत्र), भुण्डाराम, सुरेश, मोहन, भरत (भतीजा), कमलाबाई-बोरारामजी, विमला-चिमारामजी, मंजू-चम्पालालजी, तीजा-सोहनलालजी, संगीता-जगदीशजी, भारती-अरविन्दजी (पुत्री-जवाई), प्राची, दिव्यंका, दिवीका (पौत्री), खुशी (भोणीजी)
एवं समस्त देवड़ा परिवार गजनीपुरा

: फर्म : श्री रामा ट्रेडिंग कम्पनी,
आर.पी.रोड सिकन्दराबाद 9010775153, 9032190040

P.Solankey

रामोत्सव से राममय होगा प्रदेश

विदेशों की राम मंडली भी देगी प्रस्तुति, 100 करोड़ खर्च करेगी यूपी सरकार

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश को अगले दो महीने तक पूरी तरह राममय करने की तैयारी शुरू हो गई है। अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर संस्कृति विभाग की ओर से प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम के अनुसार इस दौरान रामकथा और रामायण परंपरा पर आधारित प्रवचनों की पूरी श्रृंखला आगामी दिनों में देखने को मिलेगी। इसमें अवधेशानंद जी महाराज, मोरारी बापू, रामभद्राचार्य, जया किशोरी और देवी चित्रलेखा सहित अन्य प्रख्यात कथावाचक रामकथा के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से जनमानस के मध्य श्रीराम के आदर्शों को स्थापित करेंगे। इसके अलावा भजन संध्या का भी आयोजन होगा, जिसमें अनूप जलोटा, अनुराधा पौडवाल, हरिहरन, शंकर महादेवन, कैलाश खेर, सोनू निगम, ए आर रहमान आदि दिग्गज गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

संपूर्ण देश को एक सूत्र में बांधने का प्रयास

रामोत्सव के लिए नेपाल, कंबोडिया, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया आदि की रामलीला मंडलियों को भी आमंत्रित किया गया है। साथ ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, कर्नाटक, सिक्किम, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर और लद्दाख की रामलीला मंडलियां भी श्रीराम के जीवन पर आधारित विभिन्न प्रसंगों की प्रस्तुतियां देंगी। इसके अलावा रामायण परंपरा पर आधारित प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। साथ ही उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक पूरे देश को एकसूत्र में बांधते हुए रामचरण पादुका यात्रा और झांकियां निकाली जाएंगी। यह यात्रा राम वनगमन पथ से गुजरती हुई संपूर्ण देश में निकाली जाएंगी। इसके अलावा नगर संकीर्तन के जरिए प्रदेश के सभी 826 नगर निकायों में प्रतिदिन संकीर्तन का आयोजन होगा।

1111 शंखों के नाद का बनेगा विश्व रिकॉर्ड

प्रमुख सचिव के अनुसार मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभु श्रीराम से जुड़ी हुई मूर्ति एवं शिल्पकलाओं की कार्यशाला भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा प्रभु श्रीराम के आदर्श स्वरूपों को दर्शाने वाले 108 चित्रों का चिंत्रांकन उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी द्वारा ख्याति प्राप्त चित्रकारों के जरिए किया जाएगा। यही नहीं श्रीराम जन्मभूमि पर 1111 शंखों के वादन के जरिए विश्व रिकॉर्ड बनाने की भी तैयारी है। साथ ही साथ ड्रोन शो और 2500 महिलाओं द्वारा तलवार रास कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

सीसीएसयू में छात्र गुटों के बीच फायरिंग

मेरठ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सीसीएसयू में शुक्रवार को छात्रों को दो गुटों में फायरिंग हो गई। बताया गया कि कुलसचिव कार्यालय के नीचे छात्रों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। वहीं, देखते ही देखते फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान एक गुट के एक छात्र को गोली लग गई। इससे सीसीएसयू में हड़कंप मच गया। उधर, घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। इसके बाद सीओ भी मौके पर पहुंचे और पुलिस से मामले की पूरी जानकारी ली। बताया गया कि दोनों गुटों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। वहीं, शुक्रवार को दोनों गुटों के छात्र आपस में भिड़ गए। इस दौरान एक पक्ष की ओर से एक छात्र ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दूसरे पक्ष के छात्रों ने फायरिंग करने वाले छात्र को दबोच लिया। इसी बीच फायरिंग करने वाले छात्र नेता की जांघ में गोली लग गई।

बताया गया कि पिस्टल को घटनास्थल से ही बरामद कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

उत्तरकाशी टनल हादसा, लखनऊ पहुंचे यूपी के 8 मजदूर

योगी से मुलाकात, घर के लिए जमीन देने का वादा मजदूर बोले-कौआ उड़ खेलकर कटते थे दिन

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तरकाशी टनल से निकलकर यूपी के 8 मजदूरों से शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी से सभी ने करीब 20 मिनट मुलाकात की। इस दौरान मजदूरों ने सीएम को 17 दिनों की टनल के अंदर से बाहर आने तक की कहानी सुनाई। मजदूरों ने कहा कि हम लोगों के दिन कौआ उड़ खेलकर कटते थे। हमें लगा था कि यही मर जाएंगे। मगर सरकार के प्रयास से बाहर आ गए। इसके बाद सीएम ने शॉल ओढ़ाकर सभी का स्वागत किया। इसके साथ ही सीएम ने मजदूरों को घर के लिए जमीन देने का वादा किया। इसके साथ ही डॉक्टरों से श्रमिकों को चिकित्सा निगरानी में रखने को कहा। फिर घर के लिए सभी को रवाना किया। मजदूरों ने बताया, 17 दिन का समय काफी चुनौतीपूर्ण था। करीब 10 दिन फंसे रहने के बाद बाहर से की जा रही मदद के जरिए हमारे पास तक एक पाइप पहुंचा। इसके जरिए हमें खाना मिल सका। इससे पहले सूखा चीज ही खाने का मिल रहा था।

हम लोगों को परिवार की भी चिंता हुई तो बाहर हमारी मदद में जुटी टीम ने माइक्रोफोन से परिवार के लोगों से बात कराई। इसके बाद थोड़ा सुकून मिला। समय बिताने के लिए टनल के अंदर की एक-दूसरे से बातचीत करते थे। टनल में ही थोड़ा टहल लेते थे।

12 नवंबर 2023 को उत्तरकाशी में बन रही सिलक्यारा-डंडालगांव सुरंग का एक हिस्सा भरभराकर धंस गया। मलबा करीब 60 मीटर तक फैल गया और टनल से बाहर निकले का रास्ता ब्लॉक हो गया। इसमें 41 मजदूर फंसे थे। इन्हें 28 नवंबर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। इनमें यूपी के भी 8 मजदूर फंस गए थे। इनमें श्रावस्ती के अंकित, राम मिलन, सत्यदेव, संतोष, जय प्रकाश, राम सुंदर, लखीमपुर के मंजीत और मिर्जापुर के अखिलेश शामिल थे।

पूर्व विधायक सजा के 24 घंटे बाद जेल से रिहा

माफिया अन्नू त्रिपाठी की जेल में हत्या पर गैंगस्टर में सजा नैनी-मिर्जापुर-बरेली जेल में काट चुका 10 साल

वाराणसी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। गोपीगंज में चर्चित तिहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास के सजायाफ्ता पूर्व विधायक उदयभान उर्फ डॉक्टर सिंह को वाराणसी एमपीएमएलए कोर्ट ने गैंगस्टर केस में 10 साल सजा सुनाई तो 24 घंटे बाद रिहाई भी दे दी। कोर्ट ने पूर्व विधायक उदयभान सिंह 'डॉक्टर को सुनाई गई सजा की अवधि जेल में बिताने के चलते गुरुवार देर रात रिहा कर दिया। सजायाफ्ता पूर्व विधायक ने जुर्माने की एक लाख राशि बुधवार को ही जमा कर दी गई थी, औपचारिकताओं के बीच उसे एक रात जेल में काटनी पड़ी। गुरुवार रात रिहाई के दौरान मिर्जापुर के चील्ह ब्लॉक के सेमरा गांव निवासी उसके परिजन और वकील समेत कई समर्थक कारागार के बाहर पहुंचे थे।

13 मई 2005 को अन्नू त्रिपाठी की हत्या में नामजदगी

पूर्व विधायक पर माफिया अन्नू त्रिपाठी की सेंट्रल जेल वाराणसी में 13 मई 2005 को गोली मारकर हत्या, अन्नू त्रिपाठी पर पूर्व में जानलेवा हमले की साजिश समेत वाराणसी में कई वारदात के बाद गैंगस्टर लगा था। उसके खिलाफ शिवपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। वाराणसी में पूर्व एमएलए उदयभान सिंह के खिलाफ वर्ष 2005 में शिवपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

केस में पुलिस ने पूर्व विधायक पर दर्ज आठ मुकदमों को गैंगचार्ट में शामिल करते हुए क्षेत्र में गतिविधियों दिखाई थीं, इसमें तत्कालीन एसओ आदित्य कुमार ने आरोपी विधायक को सजा और केस के अलावा उनके सहयोगियों को भी शामिल किया था।

कोर्ट ने मामले में 25 जनवरी 2018 से सुनवाई शुरू की, 30 जनवरी को गवाहों को तलब किया गया।

वादी तत्कालीन एसओ शिवपुर समेत 11 गवाहों ने बयान दिए और पूर्व विधायक को गैंग बनाकर आपराधिक कृत्यों में संलिप्त बताया। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम की कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में औराई (भदोही) के पूर्व विधायक उदयभान सिंह 'डॉक्टर को 10 साल की सजा बुधवार को सुनाई थी।

कोर्ट ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। आदेश के तुरंत बाद कोर्ट ने पूर्व विधायक को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था।

शिक्षक का पकड़ौआ विवाह, हाईकोर्ट से अवैध घोषित होने के एक हफ्ते के अंदर अगवा कर शादी

वैशाली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। वैशाली में बीपीएससी की परीक्षा पास शिक्षक बने युवक का पकड़ौआ विवाह करवा दिया गया। आरोप है कि लड़की पक्ष ने शिक्षक को स्कूल से ही अगवा किया। गांव लाकर बंदूक के बल पर शादी करवा दी। इतना ही नहीं विरोध करने पर शिक्षक की बेरहमी से पिटाई भी कर दी। इधर, स्कूल प्रबंधन और परिजनों ने शिक्षक के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज करवाई। शिक्षक नहीं मिले तो परिजनों ने आक्रोशित होकर महुआ-ताजपुर रोड को जाम कर दिया और जमकर बवाल करने लगे। इस दौरान राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अपहरण के विरोध में शिक्षक के परिजन और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रोड पर दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें गयी। इससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने शिक्षक को आरोपियों के चंगुल से छुड़ा लिया

वहीं घटना की सूचना पर

पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। पुलिस ने मामले की जांच तो पता चला कि शिक्षक का पकड़ौआ विवाह करवा दिया गया था। पुलिस ने फौरन छापेमारी कर शिक्षक को आरोपियों के चंगुल से छुड़ा लिया। जिस लड़की से शिक्षक की जबरन शादी करवाई गई, उसे भी पुलिस ने अपने अभिरक्षा में रख लिया। दोनों पुलिस कस्टडी में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यह घटना पातेपुर थाना क्षेत्र के रेपुरा गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय की है। महेया मालपुर गांव निवासी स्व सत्यनारायण राय के पुत्र गौतम कुमार रोजाना की तरह बुधवार को भी ड्यूटी करने आए थे। छुट्टी के वक्त बोलेरो से आए कुछ बदमाशों ने गौतम कुमार का अपहरण कर लिया। इस दौरान शिक्षक के साथ मारपीट भी की थी। जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी थी।सूचना मिलते ही पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद पूरी रात छापेमारी करती रही। लेकिन, गौतम का पता नहीं चला। इसके बाद गुरुवार को आक्रोशित लोगों ने हंगामा किया। सड़क जाम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर शिक्षक को सकुशल बरामद करने का आश्वासन देकर जाम हटवा दिया था। काफी देर बाद जब गौतम नहीं मिले तो फिर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। शिवना चौक के पास सड़क के बीचो-बीच गाड़ी खड़ी कर जाम कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अपहृत शिक्षक एवं लड़की को खोज निकाला। पुलिस ने दोनों को सुरक्षित थाने ले आई।

शिक्षक ने परिजन ने इन पर लगाया आरोप

शिक्षक गौतम कुमार के परिजनों का आरोप है कि रेपुरा गांव एक शख्स ने अपने सगे-संबंधियों के साथ मिलकर शिक्षक गौतम कुमार का जबरदस्ती अपहरण कर पिस्टल का डर दिखा कर अपनी पुत्री से पकड़ौआ विवाह करा दिया। शादी करने से इंकार करने पर शिक्षक के साथ मारपीट भी की गई। इस मामले में उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ने भी थाने में आवेदन देकर ड्यूटी के दौरान शिक्षक का अपहरण करने के आरोप में थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। परिजनों के तरफ से भी थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया। इस संबंध में अपर थानाध्यक्ष हसन सरदार ने बताया कि कथित तौर पर अपहृत शिक्षक को खोज निकाल लिया गया है। परिजन द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अपहृत शिक्षक का कोर्ट में बयान दर्ज कराया जाएगा।

बंदूक के बल पर मांग भरना शादी नहीं कहलाएगी

बता दें कि कुछ दिन पहले ही पटना हाईकोर्ट ने पकड़ौआ शादी को अमान्य बताया था। कहा था कि जबरदस्ती की गई शादी मान्य नहीं होगी। बंदूक के बल पर मांग भरना शादी नहीं कहलाएगी। यानी किसी भी महिला की मांग में जबरन सिंदूर लगाना हिन्दू कानून के तहत शादी नहीं है। जब तक दूल्हा और दुल्हन पवित्र अग्नि के चारों फेरे नहीं ले या दोनों के बीच सहमति न हो, तब तक शादी वैध नहीं मानी जाएगी। गुरुवार को पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अरुण कुमार झा और जस्टिस पीबी बजंथ्री ने दस साल पहले हुए पकड़ौआ शादी के केस में सुनवाई की। कोर्ट ने पकड़ौआ शादी को अमान्य बताया।

लखीसराय गोलीकांड में सम्राट चौधरी ने पुलिस की नाकामी बताई

भाजपा ने धरना देते हुए मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी व पीड़ित परिजनों को मुआवजा देने की मांग की

लखीसराय, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। लखीसराय में शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते 20 नवंबर को कबैया थाना क्षेत्र के पंजाबी मोहल्ला में हुए गोलीबारी में तीन लोगों की मौत को लेकर मुख्य आरोपी आशीष चौधरी की गिरफ्तारी की मांग पर बीजेपी ने धरना दिया है। पीड़ित परिजनों को मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर बीजेपी ने कलेक्ट्रेट के सामने एक दिवसीय धरना दिया है।

इस धरना कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल समेत बीजेपी के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार और स्थानीय पुलिस प्रशासन पर जमकर निशाना साधा है। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अब तक इस मामले का मुख्य आरोपी आशीष चौधरी पुलिस गिरफ्त से बाहर है।

पुलिस पीड़ित परिजनों को अब तक न तो मुआवजा और न ही सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। यह घटना सरकार और पुलिस प्रशासन की विफलता है। घटना के 12 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। वहीं बीजेपी प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि बिहार में जंगलराज की स्थिति कायम है। यह घटना सरकार की नाकामी को दर्शाता है क्योंकि मुख्य आरोपी को पुलिस अब तक पकड़ नहीं पाई है।

वहीं धरना प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि यह पुलिस की नाकामी है कि अब तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी इस मामले को सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी। सरकार पीड़ित परिजनों को मुआवजा दे।

प्राइवेट पार्ट में 55 लाख का सोना छुपाकर लाया

चेकिंग में जल्दबाजी करने पर पकड़ा गया, शारजाह से लाए 3 कैप्सूल में 884 ग्राम गोल्ड

वाराणसी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी एयरपोर्ट पर गुरुवार को 55 लाख सोने के साथ एक यात्री पकड़ा गया। उसने प्राइवेट पार्ट में 3 कैप्सूल में सोने का पेस्ट छिपाया था। कस्टम की चेकिंग के दौरान वह जल्दबाजी करने लगा। इस पर कस्टम अधिकारियों को शक हुआ। जब स्कैनिंग हुई, तो 3 कैप्सूल उसके मलाशय में मिले। करीब 884 ग्राम सोने की कीमत करीब 55 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। बलिया का रहने वाला तस्कर शारजाह (यूएई) से वाराणसी आई फ्लाइट में आया था। ये सोना उसको किसने दिया? वाराणसी में वो ये सोना किसे हैंडओवर करने वाला था? इन सवालों का जवाब कस्टम अधिकारी उससे पूछ रहे हैं। आरोपी रत्नेश के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हल्दी (बलिया) के नई बस्ती का रहने वाले रत्नेश प्रसाद लगभग 2 साल पहले काम के सिलसिले में शारजाह गया था। घर वापसी करते समय 884 ग्राम सोने के कैप्सूल अपने रैक्टम में

छिपा लिए। शारजाह से बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान एआई 184 से उतरे यात्रियों की जांच के दौरान रत्नेश प्रसाद पर कस्टम अधिकारियों को संदेह हुआ।

उसे अलग से ले जाकर स्कैनिंग की तो मलाशय में तीन कैप्सूल बरामद हुए। कड़ाई से पूछताछ में रत्नेश ने तस्करी की बात स्वीकार की। अधिकारियों ने एक्स-रे कराकर मलाशय से कैप्सूल निकाला। वैल्युअर बुलाकर सोने को पेस्ट से अलग कराया गया तो वजन 884 ग्राम वजन निकला। एयररत्नेश को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शारजाह से एयर इंडिया का विमान आईएक्स-184 की फ्लाइट लैंड की। जांच के दौरान बलिया निवासी यात्री रत्नेश प्रसाद जल्दी चेकिंग कर बाहर जाने के लिए कहता नजर आया। कस्टम अधिकारी ने जांच में समय की बात कही तो उसने वॉशरूम और पेट खराब होने की बात कही।

उसकी ऐसी हरकतों से कस्टम टीम को शक हुआ। उसकी गहनता से जांच की गई। तलाशी के दौरान स्कैनर में रेड लाइट जली। स्कैनर में देखने पर उसके मलाशय से प्लास्टिक के कैप्सूल दिखे। इसके बाद अलग रुम में ले जाकर उससे पूछताछ शुरू की। पूछताछ में सोने को लेकर पहले तो रत्नेश ने गुमराह करने का प्रयास किया। मगर बाद में उसने सोना ले जाने की बात स्वीकार कर ली।

इसके बाद डॉक्टरों ने उसे दवाएं दीं, फिर एनिमा का इंजेक्शन लगाया। बाद में तीनों कैप्सूल बाहर निकाले गए। इस सोने का वजन 884.01 ग्राम निकला। बनारस में कोरोना काल के बाद नए-नए तरीके अपनाकर सोने की तस्करी जारी है।

सौतेले पिता पर दो बहनों ने लगाया रेप का आरोप

पटना , 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना में रिश्तों को शर्मसार करने देने वाला मामला सामने आया है। सौतले पिता पर बेटियों ने रेप और देह व्यापार में धकेलने का आरोप लगाया है। पूरा मामला पटना के बिहटा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, दो बेटियों को उसके सौतेले पिता आर्केस्ट्रा में काम कराने के लिए जबरदस्ती कार से लेकर जा रहे थे। इस दौरान बिहटा थाना चौक के पास पुलिसकर्मियों को देखते ही दोनों लड़कियां शोर मचाने लगी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सभी को थाने लाकर जांच पड़ताल किया गया। इस दौरान दोनों नाबालिग बहनें पुलिस को देखते ही दहाड़ मारकर रोने लगी और अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने बताया है हम लोगों के साथ कभी पिता के जैसा व्यवहार नहीं किया। अपनी हवस मिटाने के लिए जोर जबरदस्ती करता था। मना करने पर बुरी तरह से पिटाई भी करता था।यहां तक पैसों के लिए आर्केस्ट्रा में भी काम कराता था। बिहटा में एक जादूगर का शो चल रहा है। वहीं, पर मुझे काम दिलवाने के नाम पर लाया था।

शराब पीने से रोका तो पत्नी को मार डाला

अलीगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ में शराबी पति ने अपनी पत्नी को छत से नीचे धक्का देकर मार डाला। शुक्रवार सुबह 8 बजे उसका पत्नी से झगड़ा हुआ। पति शराब पीना चाहता था। पत्नी ने पहले मना किया। उसकी पेंट की जेब में रखे 700 रुपए निकाल लिए। इससे गुस्साया पति पहले पत्नी को खींचते हुए छत पर लेकर गया। फिर वहां से धक्का दे दिया। महिला सिर के बल छत से नीचे गिरी। जिसके कारण उसे गंभीर चोट आई और मौके पर ही तड़पकर मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद पति फरार हो गया। घटना क्वार्सी थाना क्षेत्र के सुरेंद्र नगर इलाके की है। घटना के बाद सीओ थर्ड अशोक कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी पति की तलाश जारी है। सुरेंद्र नगर में रहने वाला गौरव गौतम शराब पीने का आदी है। वह हर रोज सुबह से ही शराब पीना शुरू कर देता था। उसकी पत्नी गौरी उसे रोज शराब पीने से रोकती थी। जिसके कारण दोनों के बीच विवाद होता रहता था। शुक्रवार सुबह गौरी ने अपने पति की जेब में रखे 700 रुपए निकाल लिए। ताकि वो शराब न पी सके।

लगभग 9 बजे आरोपी जब सोकर उठा तो उसे शराब की तलब लगी। आरोपी ने जब अपनी पेंट की जेब देखी तो उसकी जेब में रखे रुपए गायब थे। इसके बाद उसने अपनी पत्नी गौरी से रुपए के बारे में पूछा। गौरी ने उसे बताया कि उसने घरेलू काम के लिए रुपए निकाले हैं। जिसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।

जेब से रुपए निकल जाने के कारण आरोपी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। जिसके बाद आरोपी ने पत्नी को छत से धक्का दे दिया। महिला की चीख सुनकर घर में मौजूद सास और परिवार के अन्य लोग वहां पहुंच गए। उन्होंने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। लेकिन कुछ ही देर में महिला की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति भाग निकला।

केंद्रीय मंत्री बोले- बिहार में अवैध मदरसों की भरमार

पटना, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश सरकार से बड़ी मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में अवैध मदरसों की बाढ़ आ गई है। बिहार, बांग्लादेश और नेपाल की बॉर्डर से सटा हुआ है। सीमावर्ती क्षेत्रों में तो हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। इनकी वजह से केवल बिहार ही नहीं बल्कि पूरे

देश की आंतरिक सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है। इन इलाकों मे पॉपुलर फ्रंड ऑफ इंडिया भी सक्रिय है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में 18 फीसदी मुसलमानों की आबादी है। इसलिए अवैध मदरसों को बंद करवाएं और वैध मदरसों में विज्ञान की पढ़ाई शुरू करवाएं। बहुत हो गया नीतीश कुमार जी। वोट की लालच में तुष्टिकरण की राजनीति बंद कर दें। अब बिहार और देश के लिए खतरे बनने वालों पर भी विचार करें। महागठबंधन सरकार परनिशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार तुष्टिकरण की राजनीति को बंद करें। अब बिहार और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए पैदा होने वाले खतरे पर भी विचार करना चाहिए क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया तो आने वाले सालों में बिहार के लोगों का धन और धर्म भी खतरे में पड़ जाएगा और इसके लिए दोषी नीतीश कुमार और लालू यादव होंगे।

पांच महीने पहले हुआ ऑपरेशन, फिर मिला किडनी में स्टोन

अब डॉक्टर ने आयुर्वेदिक दवा लेने की दी सलाह, मरीज बोला- न्याय के लिए कोर्ट जाएंगे

मधेपुरा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मधेपुरा के जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों का एक नया कारनामा सामने आया है। लगभग छह महीने पहले पेट में दर्द से तड़प रहे मरीज को किडनी में स्टोन होने की बात कह ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। मरीज डाक्टरों की सलाह पर ऑपरेशन के लिए राजी हो गया।

जिसके बाद मेडिकल कॉलेज में 7 जून 2023 को डाक्टरों की टीम ने मरीज का ऑपरेशन किया। वहीं अभी ऑपरेशन का पांच महीना भी हुआ था की मरीज फिर दर्द से कराहने लगा। शंका होने पर मरीज ने मधेपुरा और सहरसा में अलग-अलग जगहों पर अल्ट्रासाउंड कराया। जांच रिपोर्ट में आया कि उसके किडनी में अभी भी स्टोन है। मेडिकल

कॉलेज में कुमारखंड थाना क्षेत्र के टेंगराहा परिहारी निवासी बबलू तिवारी उर्फ कमलेश तिवारी ने किडनी में स्टोन का ऑपरेशन कराया था। 7 जून को ऑपरेशन के 10 दिन बाद उसे मेडिकल कॉलेज से डिस्चार्ज किया गया। पांच महीने बाद बबलू को पुनः दर्द शुरू हो गया। दर्द के बाद वे दोबारा मेडिकल कॉलेज पहुंच कर चिकित्सक से संपर्क किया और सारी बातें बताई। उसके बाद उन्हें अल्ट्रासाउंड कराने सलाह दी गई।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराकर ही यहां से जाऊंगा : उपराज्यपाल

जम्मू, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराकर ही यहां से जाएंगे। वह लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए नहीं जाने वाले हैं। न ही सक्रिय राजनीति के बारे में सोचा है। वह मिला जुला खेल नहीं खेलते हैं। राष्ट्र सेवा का उन्हें सबसे बड़ा काम सौंपा गया है जिसे पूरा करना है।

जम्मू-कश्मीर सत्र में उप राज्यपाल ने कहा कि कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास को लेकर भारी गफलत है। वह यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सरकारी योजना बनी थी जिसमें 3000 नौकरियां तथा 3000 मकान बनाए जाने थे। मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी 3000 नौकरियों तथा 3000 आवास की घोषणा की गई। लेकिन जब वह यहां आए तो 2837 पदों पर नियुक्ति हो पाई थी। उन्होंने इसे गति देते हुए 38 पदों को छोड़कर शेष सभी पद भर दिए। यह 38 पद भी कानूनी अड़चन की वजह से नहीं भर पाई हैं। वह जब आए थे तो केवल 700 मकान बने थे। एक रूम का फ्लैट बनना था, लेकिन दो रूम के फ्लैट बना दिए गए। इस वजह से ठेकेदार को भुगतान भी नहीं हुआ और काम रुक गया। उन्होंने आने के बाद न केवल ठेकेदार के बकाये का भुगतान किया, बल्कि 6000 आवास के लिए जमीन मुहैया करा दी। इनमें से 3000 मकान बनकर तैयार हो गए। शेष भी एक साल में ही पूरे हो जाएंगे। इससे पुनर्वास नहीं होगा। इससे भी बढ़कर यह प्रयास किया जा रहा है कि केवल कश्मीरी पंडित ही नहीं बल्कि जम्मू में रहने वाले लोग भी कश्मीर में जाकर रहे।

राजनीतिक शून्यता के हालात नहीं, निकाय चुनाव जल्द

जनता व सत्ता के बीच भरोसे की कमी तथा 2019 के बाद राजनीतिक शून्यता जैसे हालात नहीं है। जम्मू कश्मीर के पांच लोग संसद में हैं। पंचायती राज व्यवस्था चल रहा है। जम्मू-कश्मीर में सबसे देर से त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई, लेकिन अब यह देश के किसी भी राज्य से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि निकाय सभी जगह काम कर रहे थे।

चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी थी। लेकिन कुछ सांविधानिक अड़चन आ गई। राज्य पुनर्गठन के बाद ओबीसी को आरक्षण का प्रावधान नहीं था, जबकि यह अनिवार्य है। ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था होने के तत्काल बाद चुनाव कराए जाएंगे।

किसी को भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाने का नैतिक हक नहीं

उन्होंने कहा कि संसद में यह बयान दिया गया था कि पहले परिसीमन, फिर चुनाव और तब राज्य का दर्जा बहाल होगा। परिसीमन का काम पूरा हो गया है, अब चुनाव आयोग को फैसला लेना है। कुछ लोगों को दिन रात सपना आता है और आयोग पर सवाल उठाते हैं।

हकीकत जानने के बाद भी वह बार-बार झूठ बोलते हैं। परिसीमन के वक्त परिसीमन आयोग के सामने एसोसिएट सदस्य तथा आम नागरिक की हैसियत से बात रखने का पूरा अधिकार था। भारत संविधान से चलता है। चुनाव आयोग को फैसला लेना है। आयोग जो लोग चला रहे हैं उन्हें लंबा अनुभव है। भारत की न्यायपालिका और चुनाव आयोग सबसे निष्पक्ष मंच है।

शरद पवार कहते कुछ, करते कुछ हैं : अजित पवार

रायगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी नेता अजित पवार ने कहा कि शरद पवार खुद ही एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना चाहते थे। लेकिन वे हमसे कहते कुछ और थे, करते कुछ और थे। अजित ने यह बात शुक्रवार (1 दिसंबर को) रायगढ़ के कर्जत में हुए एनसीपी अधिवेशन में कही।

वे बोले कि शरद ने लगातार अपनी भूमिका बदली। इस घटनाक्रम की सारी जानकारी सुप्रिया सुले को थी। अजित ने यह भी बताया कि शरद पवार ने ही उनसे सत्ता में भागीदारी के लिए कहा था। शरद पवार ने 2 मई को एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद अजित पार्टी अध्यक्ष बने थे। हालांकि बाद में शरद ने अपना फैसला वापस ले लिया था और अजित पवार ने अपना अलग गुट बनाकर महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल होने का फैसला किया था। जुलाई 2023 में उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया। अजित पवार ने बताया कि प्रफुल्ल पटेल, अजित पवार, छगन भुजबल, सुनील तटकरे, जयंत पाटिल, अनिल देशमुख, रामराजे नाइक निंबालकर, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, हम में से 10-12 लोग देवगिरी में बैठे थे। हम सोच रहे थे कि आगे क्या करें। फिर हमने सुप्रिया को बुलाया, क्योंकि हमें लग रहा था कि अगर सीधा शरद पवार को बताया तो वह क्या सोचेंगे।

एक ही परिवार के चार सदस्य मृत पाए गए

तिरुवनंतपुरम, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के अलाप्पुझा जिले के थलावडी में शुक्रवार को दो बच्चों सहित एक परिवार के चार सदस्य अपने घर के अंदर मृत पाए गए। मृतकों की पहचान सुनू और सौम्या और उनके दो बच्चे आदि और आदिल के रूप में की गई। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। जोड़े को लटका हुआ और बच्चों को उनके बिस्तर पर चादर से ढंका हुआ पाया गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सौम्या एक नर्स के रूप में काम करती थी और उसका ब्लड कैंसर का इलाज चल रहा था। इस बीच, सुनू एक दुर्घटना के बाद रीढ़ की हड्डी की समस्या से पीड़ित हो गया था। स्थानीय लोगों ने कहा कि चूंकि दोनों का इलाज चल रहा था और उनके पास पैसे की कमी थी, इसलिए उन्हें गुजारा करना मुश्किल हो रहा था। दंपति ने अपने एक दोस्त को बुलाया था, जो सौम्या को खून चढ़ाने के लिए उसके साथ जाता था, उसे शुक्रवार सुबह 10 बजे के बाद आने के लिए कहा था। जब सुनू की मां, जो परिवार के बगल में रहती थी, ने सुबह उनमें से किसी की आवाज नहीं सुनी, तो वह घर गई और शव पाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किए जाएं विचाराधीन कैदी

मांग का हाईकोर्ट ने भी किया समर्थन

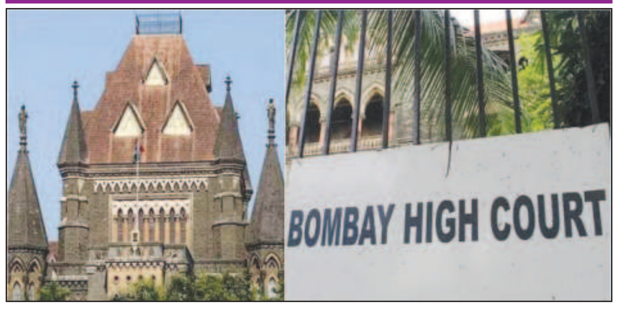

मुंबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर विचाराधीन कैदियों को कोर्ट में सुनवाई के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश करने की मांग की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इसका समर्थन किया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि जब तक संभव हो, तब तक विचाराधीन कैदियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट की सुनवाई में पेश किया जा सकता है क्योंकि कैदियों को शारीरिक रूप से कोर्ट में पेश करने में काफी संसाधन और वक्त लगता है। जस्टिस भारती डांगरे की एकल जज पीठ ने याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को इसके लिए जरूरी कदम उठाने और फंड मुहैया कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह आदेश बीती 10 नवंबर को दिया था, जिसकी विस्तृत जानकारी अब मुहैया कराई गई है। बता दें कि त्रिभुवनसिंह यादव ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विचाराधीन कैदियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश करने की मांग की थी। कोर्ट ने अब सरकार से सभी अदालतों में स्क्रीन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं मुहैया कराने को कहा है। वहीं महाराष्ट्र के इंस्पेक्टर ऑफ प्रीजन और करेक्शनल सर्विसेज ने सितंबर में अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राज्य की 39 जेलों के लिए 329 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग यूनिट मंजूर हैं, जिनमें से 291 चालू स्थिति में हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि कैदियों को शारीरिक रूप से कोर्ट में पेश करना काफी खर्चीला है और इसमें समय और संसाधनों की बर्बादी होती है। कोर्ट ने ये भी कहा कि प्रत्येक विचाराधीन कैदी को तय तारीख पर कोर्ट में या तो शारीरिक रूप से या फिर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश करना जरूरी है।

कंगना रनोट के चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने की चर्चा

बीजेपी कैंडिडेट बताई जा रहीं, एक्ट्रेस बोली-सिर्फ अफवाह

मंडी-मथुरा से भी उछल रहा नाम

चंडीगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के नाम की चर्चा चल रही है। उन्हें इस चुनाव के लिए बीजेपी का अगला उम्मीदवार बताया जा रहा है। हालांकि अभिनेत्री कंगना रनोट ने सोशल मीडिया के जरिए इसे सिर्फ अफवाह बताया है। इससे पहले हिमाचल के मंडी और उत्तर प्रदेश के मथुरा से भी उनके नाम की चर्चाएं हुई थी। क्योंकि वह मूल रूप से मंडी की रहने वाली हैं, जबकि मथुरा में उनका काफी आना-जाना लगा हुआ है। अभी चंडीगढ़ और मथुरा दोनों जगह से बॉलीवुड स्टार बीजेपी की सांसद हैं।

हालांकि इस मामले में चंडीगढ़ भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जितेंदर पाल मल्होत्रा का कहना है कि उनके पास इस तरह की कोई सूचना नहीं है। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तरफ से जिसे टिकट दिया जाएगा, पूरी पार्टी उसके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। कंगना रनोट को बीजेपी का कट्टर समर्थक माना जाता है। उनके नाम की पहले हिमाचल प्रदेश से चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही थी, लेकिन अब उनका नाम चंडीगढ़ में भी काफी चर्चा में है। वह हमेशा बीजेपी के खिलाफ बोलने वालों को खुलकर जवाब देती हैं। इसके कारण ही महाराष्ट्र में शिवसेना और उनके बीच में काफी तनातनी रही थी। तब से वह बीजेपी के विरोधियों को निशाने पर लेती हैं। चंडीगढ़ लोकसभा की सीट सभी पार्टियों के लिए काफी अहम है, क्योंकि चंडीगढ़ हरियाणा और पंजाब दोनों प्रदेशों की राजधानी है। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर और हिमाचल में भी चंडीगढ़ का प्रभाव रहता है।

वीडियो बनाकर शख्स ने सुसाइड किया

पुणे, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पुणे में एक शख्स ने मालिक की बेइज्जती से परेशान होकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले व्यक्ति ने मोबाइड में एक वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में शख्स ने अपने मालिक पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। इसके बाद वह एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के छठे फ्लोर पर जाता है और वहां से कूद जाता है। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरा मामला पुणे के कोढ़वा इलाके का है। आत्महत्या करने वाले युवक की पहचान 25 साल के तोहिद महमूद शेख के रूप में हुई है। वह अरबाज वली के यहां ड्राइवर और सुपरवाइजर का काम करता था। आत्महत्या करने से पहले तोहिद ने अपने मोबाइल फोन में एक वीडियो बनाया।

अधूरी सड़क परियोजनाओं को लेकर केंद्र सरकार सख्त

लापरवाह ठेकेदारों को किया अयोग्य करार

कानपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की देशभर में चल रही सड़क परियोजनाओं को झटका दे रहे ठेकेदारों को केंद्र सरकार के सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने तगड़ा झटका दिया है।

इन फंसी योजनाओं को फिर से दौड़ाया जा सके, इसके लिए केंद्र सरकार ने ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत ऐसे लापरवाह ठेकेदारों को अयोग्य करार कर दिया है। ये ठेकेदार अब किसी भी सरकारी एजेंसी के साथ दो साल तक के लिए काम नहीं कर पाएंगे।

मंत्रालय ने हाल ही में कानपुर के दो तरफा मार्ग के निर्माण की विस्तृत कार्य योजना तैयार की थी। इस योजना का कार्य इंटरनेशनल टैक प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी

हरेंद्र कुमार सिंह को सौंपा गया था। यह कार्य राजमार्ग 86 पर किया जाना था। इस परियोजना के लिए मंत्रालय के पास फर्जी कागजात के आधार पर आवेदन किया गया था, जांच में सामने आया था कि हरेंद्र कुमार ने मंत्रालय के बीटेक से संबंधित अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय की फर्जी डिग्री का प्रयोग किया था। इस फर्जी डिग्री के आधार पर इस काम का ठेका भी पा लिया था, लेकिन जैसे ही जांच में यह गड़बड़ी सामने आई तो मंत्रालय ने इन्हें अपनी काली सूची में डाल दिया। इन्हें मंत्रालय की तरफ से तीन साल के लिए किसी भी सरकारी कामकाज में शामिल नहीं होने के लिए इस सूची में डाला है।

इस बाबत स्थानीय अधिकारी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण संजीव कुमार शर्मा ने आदेश व दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त जम्मू कश्मीर के एक दो लेन मार्ग निर्माण के मामले में ऐसी कोई गड़बड़ी सामने नहीं आए। इसके लिए मंत्रालय ने काम के लिए आगे आने वाले एक दर्जन से अधिक ठेकेदारों की सूची भी जारी की है। इस सूची को सभी संबंधित विभागों को भेजा गया है। इसके माध्यम से मंत्रालय ने सभी विभागों से रिपोर्ट मांगी है कि वे इस बाबत की रिपोर्ट मंत्रालय को भेजे की काम करने वाले ठेकेदार किसी काली सूची में तो शामिल नहीं है। ताकि राज्य के काम को पूरा करने के लिए पहल की जा सके।

कश्मीर की मुगल रोड पर ढाई फीट तक बर्फबारी

हिमाचल की 35 सड़कें बंद; तमिलनाडु में 4 दिसंबर तक भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी हो रही है। हिमाचल के लाहौल स्पीति में में बर्फबारी के बाद 35 सड़कें और बिजली के 45 ट्रांसफॉर्मर ठप हैं। एनएच 3 पर सोलंगनाला से अटल टनल तक और एएच 305 जलोड़ी जोत सड़क को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर बर्फबारी के बाद कुपवाड़ा से तंगधार केरन मार्ग बंद हो गया है। राजौरी और पुंछ से कश्मीर को जोड़ने वाली मुगल रोड भी बंद है। गुरुवार 30 नवंबर को मुगल रोड पर पोशाना से पीर की गली तक ढाई फीट तक बर्फबारी हुई।

इधर, तमिलनाडु में 28 नवंबर से लगातार बारिश हो रही है। चेन्नई के कई शहरों में सड़कों पर पानी भर गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि 1 से 4 दिसंबर के बीच तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने 1 दिसंबर को तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई।

भाजपा के 11 विधायकों के खिलाफ एफआईआर

टीएमसी ने लगाया राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप

कोलकाता, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के 11 भाजपा विधायकों के खिलाफ इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा की परिसर में धरना के दौरान राष्ट्रीय गान का अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री सोभोनदेब चटर्जी ने बताया कि शिकायत तृणमूल कांग्रेस की तरफ से दर्ज की गई है।

भाजपा विधायकों पर लगा आरोप

ममता बनर्जी के नेतृत्व में 29 नवंबर को टीएमसी विधायक पश्चिम बंगाल के साथ केंद्र के भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ प्रदर्शन बंद करने से पहले बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे राष्ट्रगान गा रहे थे। टीएमसी ने आरोप लगाया कि इस दौरान करीबन 50 मीटर की दूरी पर भाजपा विधायक नारेबाजी करने के साथ घंटी बजा रहे थे। हालांकि, इन आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा ने कहा, 'अगर टीएमसी विधायकों द्वारा राष्ट्रगान गाया जा रहा था, तो वह बहुत ही धीमी आवाज में गा रहे थे। यह आवाज उनके प्रदर्शन वाले स्थान पर बिलकुल भी सुनाई नहीं दे रहा था।'

वरिष्ठ नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, 'भाजपा ने राष्ट्रगान के खिलाफ बहुत ही कम सम्मान दिखाया है, इसके लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।' विधानसभा के स्पीकर बिमान बंधोपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रगान के प्रति इस दुर्व्यवहार के लिए उचित कदम उठाया जाएगा। विधानसभा सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि भाजपा के 11 विधायकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस घटना का वीडियो फुटेज भी पुलिस को सौंप दिया गया है।

भाजपा ने पेश की सफाई

इस मामले में वरिष्ठ भाजपा विधायक ने कहा कि उन्हें यह मालूम नहीं था कि वहां राष्ट्रगान गाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'टीएमसी के तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। हम अंबेडकर की मूर्ति से थोड़ी दूर खड़े थे। अगर वहां राष्ट्रगान गाया जा रहा था तो बहुत ही धीमी आवाज में लोग गा रहे थे। ऐसा क्यों? क्या वे राष्ट्र गान के बोल भूल गए थे? हमें देश प्रेम टीएमसी से सीखने की जरूरत नहीं है।' दार्जिलिंग से भाजपा विधायक नीरज जिंबा ने कहा कि उन्होंने कोई भी राष्ट्रगान नहीं सुना। टीएमसी के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहने की बात कहते हुए उन्होंने बतया कि यह आरोप जानबूझ कर भाजपा विधायकों के ऊपर लगाया जा रहा है।

दिनदहाड़े स्कूल शिक्षक का अपहरण

इलाज से इनकार करने पर एक साल के घायल बच्चे की मौत

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के हसन जिले में एक 23 वर्षीय महिला शिक्षक को कुछ अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूरा घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो चुका है। इस फुटेज के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ही यह घटना प्रकाश में आया। सभी अपहरणकर्ता अलग-अलग वाहनों से आए और जबरदस्ती महिला शिक्षक को ले गए। पीड़िता की पहचान अर्पिता के तौर पर की गई है और यह घटना उनके स्कूल से वापस लौटने के दौरान घटी। पुलिस ने बताया कि शिक्षिका की मां ने इस अपहरण के लिए रामु नाम के व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, रामु और अर्पिता पिछले चार वर्षों से रिलेशनशिप में थे। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बंगलूरू में समय से चिकित्सा न होने के कारण एक वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। दरअसल, बच्चा दस फीट की ऊंचाई से अपनी मां के हाथ से गिर गया था, जिस वजह से उसके सिर में चोट लगी थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसायंस (एनआईएमएचएएनएस) के डॉक्टर समय पर बच्चे का इलाज करने में नाकाम रहे। बच्चे के इलाज में करीबन 40 मिनट की देरी हुई थी। बच्चे को एंबुलेंस से हसन के सरकारी अस्पताल से एनआईएमएचएएनएस ले जाया गया। इस सफर में करीबन 40 मिनट का समय लगा।

रैटहोल माइनर्स सहित बचाव कर्मियों को एक माह का वेतन देंगे कांग्रेस विधायक, सम्मानित करेगी

देहरादून, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सिलक्यारा सुरंग हादसे के बाद बचाव कर्मियों की पूरे देश ही नहीं दुनिया में प्रशंसा हो रही है। इस काम में लगे श्रमिकों, रैटहोल माइनर्स सहित बचाव में लगे सभी महत्वपूर्ण तकनीकी कार्मिकों को कांग्रेस पार्टी भी सम्मानित करेगी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बचाव कर्मियों को सभी कांग्रेस विधायकों का एक माह का वेतन पारितोषिक के रूप में देने की घोषणा की है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सिलक्यारा की सुरंग से 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालना देश के श्रमिकों की कार्यकुशलता और देशवासियों की जान बचाने के लिए अपनी जान को जोखिम में डालने के जज्बे से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि इन 16 रातों और 17 दिनों में देश और प्रदेश की आपदा प्रबंधन की परीक्षा हो रही थी। उन्होंने कहा कि हर देशवासी प्रार्थना कर रहा था कि किसी तरह सुरंग में फंसे कार्मिक सुरक्षित बाहर आ जाएं। उन्होंने कहा कि सिलक्यारा हादसे से यह भी पता चल गया है कि सरकार और आपदा प्रबंधन कर रहे प्रतिष्ठित संगठनों के पांच प्लान, भारी मशीनरी और करोड़ों रुपयों से जो काम नहीं हो पाया, उस मिशन में अंतिम सफलता रैट होल माइनर्स, अन्य अनाम श्रमिक और साधारण तकनीकी कार्मिकों के कारण मिली है। इन सभी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने साथी मजदूरों की जान बचाई है। यशपाल आर्य ने कहा कि सरकार की ओर से रैटहोल माइनर्स को दिया गया 50-50 हजार का पारितोषिक बहुत कम है। सरकार को इसे बढ़ाने के साथ इन कर्मवीर रैट होल माइनर्स के लिए अन्य सुविधाओं की घोषणाएं भी करनी चाहिए।

असम कैश फॉर जॉब स्कैम मामले में 15 अफसर सस्पेंड

गुवाहाटी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। असम सरकार ने स्टेट पब्लिक सर्विस कमिशन कैश फॉर जॉब स्कैम मामले में 15 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है।

इन अफसरों पर 2014 के असम पब्लिक सर्विस कमिशन एग्जाम में पैसे देकर नौकरी पाने का आरोप है। सस्पेंड हुए अफसरों में 11 लोग असम पुलिस सर्विस (एपीएस) और 4 असम सिविल सर्विस (एसीएस) में तैनात थे। इनमें दो एपीएस अफसरों को पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया गया था। दोनों डीएसपी के पद पर तैनात थे। यह मामला 2016 में सामने आया था। इस मामले में एपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन राकेश कुमार पॉल, 50 अफसरों सहित लगभग 70 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है।

हरियाणा में 13 साल बाद मिला जिंदा होने का सबूत

बुजुर्ग पेंशन लेने गए तो बोले-आप तो मर चुके; फौजी की जगह उनको मरा दिखाया

रेवाड़ी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 70 साल का एक बुजुर्ग खुद के जिंदा होने के सबूत के तौर पर 13 साल तक अपना चेहरा अलग-अलग सरकारी कार्यालय में दिखाता रहा, लेकिन मजाल किसी ने उसे जिंदा माना हो। क्योंकि उसे रिकॉर्ड में मृत घोषित किया जा चुका था। तमाम सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलना बंद हो गया। कई बार बड़े ऑफिसर के यहां भी दस्तक दी, लेकिन कागजातों का हवाला देकर वहां भी तौबा कर ली गई। आखिर में गुरुवार को उसके गांव खेड़ा मुरार में पहुंची प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत संकल्प यात्रा में उसे जिंदा होने का सबूत मिल गया। यात्रा का शुभारंभ करने पहुंचे प्रदेश के सहकारिता एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने उन्हें मंच पर बुलाया और अलाउंस किया कि वो आज से जिंदा हो गए हैं, क्योंकि उन्हें रिकॉर्ड में मृत दिखाया हुआ था। ऐसे में उन्हें अब सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना भी शुरू हो जाएगा सहकारिता एवं

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान दाताराम को जिंदा होने का सबूत सौंपा। सहकारिता एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान दाताराम को जिंदा होने का सबूत सौंपा।

13 साल पहले मृत दिखाया

दरअसल, रेवाड़ी जिले के कस्बा बावल के अधीन आने वाले गांव खेड़ा मुरार निवासी दाताराम पुत्र बिहारी की जिंदगी में 58 साल की उम्र तक सब कुछ ठीक ठाक चलता रहा। मगर, उसके बाद 13 साल पहले अचानक उन्हें सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर दिया गया। इसका पता उन्हें तब चला जब वह पेंशन जैसी सुविधाओं के लिए सरकारी कार्यालय में जाने लगे। वे पेंशन बनवाने के दस्तावेज लेकर कार्यालय में पहुंचे तो कर्मचारी ने रिकॉर्ड चेक कर बता दिया कि वो तो सरकारी दस्तावेज के अनुसार मर चुके है। ये सुनकर दाताराम भी चौंक गए। दाताराम अपनी फाइल को लेकर दूसरे अधिकारियों के पास गए, लेकिन वहां भी हाथ खड़े कर दिए गए।

इसी नाम के व्यक्ति की हुई थी मृत्यु

अपने स्तर पर जानकारी जुटाई तो पता चला कि 13 साल पहले उनके ही गांव के जिस दाताराम पुत्र बिहारी लाल की मृत्यु हुई थी, लेकिन उसकी जगह पर उसे रिकॉर्ड में मृत दिखा गया है। दूसरे दाताराम आर्मी में सर्विस करते थे, जबकि ये दाताराम खेतीबाड़ी का काम करते है। इसके भी सबूत एकत्रित कर दाताराम फिर से सरकारी कार्यालय में चक्कर काटने लगे।

लेकिन कोई उन्हें जिंदा मानने को तैयार ही नहीं हुआ। शिकायतें चंडीगढ़ मुख्यालय तक भेजी। इन शिकायतों का जवाब तो जरूर आया, लेकिन रिकॉर्ड में उन्हें मृत दर्शाए रखा। दाताराम बताते हैं कि वे कई बार बावल में एसडीएम से लेकर नीचे के अधिकारियों और रेवाड़ी मुख्यालय पर डीसी से लेकर अन्य अधिकारियों से मिले।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 2 दिसंबर - 2023

नफरती बयानों से सुप्रीम कोर्ट नाराज

चुनाव प्रचार खत्म हो गया लेकिन इस बार जिस तरह से राजनीतिक दलों के नेताओं ने सार्वजनिक मंचों से भड़काऊ और समाज में नफरत पैदा करने वाले बयान दिए हैं, वैसी मिसाल दुनिया में और कहीं नहीं मिलती। नतीजतन सुप्रीम कोर्ट ने भी नफरती बयानों के खिलाफ सख्त एतराज किया है। नाराज सुप्रीम कोर्ट ने चार राज्यों को नोटिस देकर पूछा है कि उन्होंने अपने यहां इस संबंध में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है या नहीं? इस साल अगस्त में नफरती बयानों पर रोक लगाने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सख्त टिप्पणी की थी कि इस तरह के बयान देने वाले चाहे जो भी हों, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसके लिए सुप्रीम अदालत ने राज्य सरकारों को अपने यहां नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश भी दिया था, लेकिन कोर्ट के सारे किए कराए पर पानी फिरता दिखाई दे रहा है। हालांकि इस संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया कि अट्ठाईस राज्यों ने नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है, मगर पांच राज्यों- गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और नगालैंड ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। बाद में पश्चिम बंगाल ने भी सूचित किया कि उसने भी नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। विचित्र है कि सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती और चार महीने बीत जाने के बाद भी चार राज्यों ने इस मामले में गंभीरता नहीं दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय कई बार केंद्र और राज्य सरकारों को नफरती भाषणों पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाने का निर्देश दे चुका था, मगर जब उसके सकारात्मक नतीजे नहीं आए तब उसने खुद एक दिशा-निर्देश जारी कर राज्य सरकारों की जवाबदेही तय की थी। उसी के तहत नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जानी थी। यह तो सभी जानते हैं कि नफरती बयानों के चलते पिछले कुछ सालों में किस तरह सामाजिक ताना-बाना कमजोर हुआ है। समाज में सांप्रदायिक तनाव का वातावरण बना है और कई जगहों पर इसके गंभीर नतीजे भी सामने आने लगे हैं। सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने की कोशिशें अब नई बात नहीं रह गई है। इसमें अक्सर प्रशासन की लापरवाही और पक्षपातपूर्ण रवैया उपद्रवियों का की मनोबल बढ़ाता रहा है। जबकि वैमनस्यता फैलाने के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर कई मौकों पर राज्य प्रशासन आंखें मूंदे नजर आया है। कुछ राज्यों में धर्म संसद का आयोजन कर समुदाय विशेष के प्रति नफरत बोने की कोशश की गई, तो कुछ राज्यों में इसकी प्रतिक्रिया में वैसे ही नफरती बोल बोले गए। दोनों ही समुदायों को राजनीतिक समर्थन मिलता देखा गया। ऐसी आपराधिक कोशिशों को रोकना राज्य सरकारों की प्राथमिक कर्तव्य है। मगर जिस तरह अपने समुदायों में नफरत पैदा कर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशेशें बढ़ी हैं, उसमें सरकारें अपने कर्तव्य से विमुख नजर आती दिख रहा हैं। सर्वोच्च न्यायालय के कड़े आदेश के बाद भी हरियाणा के नूंह में नफरती हरकतें खुल कर सामने आईं और प्रशासन लंबे समय तक हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। इससे साबित होता है कि राज्य सरकारें खुद इस मामले में गंभीर नहीं हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय उनके कर्तव्यों की याद दिलाता रहता है, मगर शायद उन्हें अपने सियासी नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर सामाजिक ताने-बाने की सुरक्षा के संवैधानिक दायित्व की चिंता नहीं है। यह भी अकारण नहीं माना जा सकता है कि कुछ राजनीतिक दलों के जिम्मेदार माने जाने वाले नेता भी सार्वजनिक मंचों से ऐसे भड़काऊ बयान देते देखे गए हैं। राज्य सरकारों के साथ-साथ इस मामले में राजनीतिक दलों से भी मर्यादा, संयम, अनुशासन और संवैधानिक मूल्यों के प्रति गंभीरता की अपेक्षा की जाती है। जब तक यह ताना-बाना मजबूत नहीं होगा तो समाज में आपसी सौहार्द कैसे पनपेगा।

क्लास रूम तक ड्रग्स की दस्तक, शिक्षण संस्थाएं चुप?

डॉ. रमेश ठाकुर

ड्रग्स तस्करी में छात्रों की गिरफ्तारी ने 'शिक्षाई मंदिरों' की विश्वसनीयता पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न नामी शिक्षण संस्थाओं में फैला 'ड्रग का सिंडीकेट खेल, कोई आज का नहीं, बहुत पहले का है। कॉलेजों के भीतर छुटपुट घटनाएं पूर्व में भी बहुतेरी हुई जिसे कॉलेज प्रशासन द्वारा दबाया गया। कई बार क्लास रूम में छात्रों ने नशे में साथी क्लासमेट के साथ खूनी वारदातों को भी अंजाम दिया, फिर भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। इस पूरे खेल की जानकारियां शिक्षा संस्थाओं के टॉप मैनेजमेंट को बहुत पहले से थी लेकिन, बदनामी का डर कहें, या शिक्षा की दुकानें बंद होने का भय? इन दोनों के डर के चलते सच्चाई पर पर्दा डाला जाता रहा। स्थानीय पुलिस-प्रशासन के बड़े औहदेदार अफसर इस बात को स्वीकारते हैं कि उन्हें पूरे तंत्र की जानकारियां मौखिक रूप से तो थी लेकिन ठोस सबूत और मुकम्मल सूचनाएं नहीं होने से कार्रवाही से वंचित थे पर बीते सोमवार यानी 27 नवंबर का दिन शायद मुकर्रर था जिसके बाद पूरा तंत्र एक्सपोज हुआ।

मुखबिर की गुप्त सूचना पर पुलिस ने कई ड्रग तस्करों को एक साथ नोएडा में दबोचा लेकिन ये कार्यवाही अचंभित करने वाली रही। पुलिस भी दंग रह गई. जो तस्कर दबोचे गए , इनमें ज्यादातर नोएडा के नामी शिक्षण संस्थानों के छात्र हैं। पूछताछ हुई तो प्रशासन के होथ ही उड़ गए। आरोपी छात्रों ने कबूला कि वो एक नहीं बल्कि नोएडा के तकरीबन सभी प्रसिद्ध कॉलेजों में ड्रग की सप्लाई सालों से करते आए हैं। इस खेल में छात्र ही नहीं, हर क्षेत्र के लोग संलिप्त बताए जाते हैं। छात्र ड्रग्स की सप्लाई स्नैपचैट, टेलीग्राम, वाट्सएप व छोटा पार्सल के जरिए करते थे। उन्हें नशीला पदार्थ देता कौन था? उपलब्ध कहां से और कौन करवाता था? इसका भी उन्होंने खुलासा करके कईयों को नंगा कर दिया। सफेदपोश से लेकर इस खेल के तार विदेशों तक जुड़े हैं। जो गिरोह फिलहाल पकड़ा गया है उसका मुखिया मिया-बीबी बताए गए हैं। पति नोएडा में ही रहता है और उसकी बीवी विदेशों में रहकर समुद्र के जरिए नोएडा में ड्रग्स भिजवाती थी। छात्र इस तंत्र में कैसे फंसे, इसका भी खुलासा हुआ है। दरअसल, ड्रग्स तस्कर अच्छे से जानते हैं कि छात्रों को लालच देकर आसानी से फंसाया जा सकता है। सबसे पहले उन्हें इसका सेवन करवाते थे। फिर ज्यादा कमाने का लालच देते थे। कॉलेजों के सिवाए छात्र नोएडा में कई सफेदपोशों, व्यापारियों, अधिकारियों आदि को भी उनकी डिमांड पर ड्रग्स मुहैया करवाते थे। ड्रग सिंडिकेट के इस तंत्र के एक्सपोज होने के बाद पेरेंट्स को होशियार होना होगा? अभिभावक अपने सपनों को सच करने के लिए अपनी कमाई का सारा हिस्सा पेट काटकर अपने बच्चों को नामी शिक्षण संस्थाओं में भेजते हैं लेकिन उन्हें क्या पता, उनका बच्चा वहां पढ़ाई करता है या फिर कुछ और? नशा एक ऐसा चस्का है जो एक बार चख ले, फिर आसानी से नहीं छोड़ता। प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण संस्थाओं को दोष इसलिए नहीं दे सकते, क्योंकि उन्हें तो शिक्षा के नाम से व्यापार करना होता है? उनके यहां आपका बच्चा नहीं पढ़ेगा तो किसी दूसरे का पढ़ेगा? यहां जरूरी ये हो जाता है कि शिक्षण संस्थाओं के अलावा अभिभावकों को भी अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ बाकी अन्य गतिविधियों पर बराबर नजर बनाए रखने की आवश्यकता है। कुछ प्वाइंटों पर अभिभावकों को सतर्क होना पड़ेगा।

2024 के चुनाव की शुरुआत अमित शाह ने बंगाल से कर दी

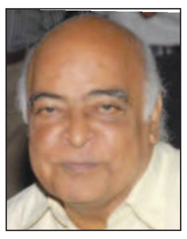

अशोक भाटिया

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का परिणाम अभी आना बाकी है लेकिन भाजपा ने 2024 की चुनावी जंग का बिगुल अभी से फूंक दिया है क्योंकि भाजपा हमेशा चुनावी मोड़ में रहती है । इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को कोलकाता पहुंचे। शाह ने कोलकाता के धर्मतला में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ राज्य की राजधानी में हुंकार भरी। भाजपा ने अमित शाह की रैली को 'प्रतिवाद सभा' का नाम दिया है और 'कोलकाता चलो' के नारे के साथ रैली का आयोजन किया । रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि, 'हम 2024 में न केवल मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे बल्कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएंगे'। बता दें कि बुधवार को अमित शाह ने कोलकाता रैली उसी मैदान में की, जहां सोहरावर्दी ने प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस कहा था। शाह ने कहा कि, यह मैदान मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है।' बंगाल में अगली सरकार भाजपा की होगी। आपने 77 सीटें दी हैं और अभी-अभी दीदी ने सुवेंदु अधिकारी को विधानसभा से निष्कासित किया है। सुनो दीदी, आप सुवेंदु को विधानसभा से तो निकाल सकती हैं लेकिन जनता के दिल से नहीं। शाह ने रैली में सवाल किया कि, बताओ क्या यहां भ्रष्टाचार रुक गया? मोदी जी बंगाल को करोड़ों का फंड भेजते हैं लेकिन टीएमसी वह पैसा ले लेती है। टीएमसी ने बंगाल को बर्बाद कर दिया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा सबसे ज्यादा है। घुसपैठ ही मुख्य मुद्दा है। ममता जी इसे रोक नहीं सकतीं। जो बंगाल कभी रवीन्द्र संगीत सुनता था, अब बम की आवाजें सुनता है। मैं गुजरात से हूं लेकिन मेरे राज्य में किसी ने भी किसी नेता के पास भी किसी नेता के पास से नोटों के बंडल नहीं देखे। ममता बनर्जी अपने अन्य गठबंधन दल के साथ अयोध्या में राम मंदिर पर आपत्ति जताती रहीं। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि सीएए देश लागू करेगी। शाह ने आरोप लगाया कि ममता दीदी वोट के चक्कर में बांग्लादेश और म्यांमार से आ रहे घुसपैठियों के आधार कार्ड बनवा रही है और ये घुसपैठिए बंगाल के हिन्दुओं का हक मार रहे हैं, भाजपा ये नहीं चलने देगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता को चुनौती देते हुए कहा कि, 'मैं ममता बनर्जी को चुनौती देता हूं कि वह अपने गिरफ्तार टीएमसी नेताओं और मंत्रियों को निलंबित करें। वह बेतहाशा दुर्गा नाम का जाप कर रही हैं ताकि उनके गिरफ्तार मंत्री/नेता उनके भतीजे के बारे में गलत बातें न फैला सकें। ममता बनर्जी आप पूरी कोशिश कर लें, पिछला चुनाव आपने अवैध तरीके अपनाकर जीता था लेकिन 2026 में हम राज्य में सरकार बनाएंगे। हम बंगाल को सोनार बांग्ला बनाएंगे और केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है। दरअसल, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का ज्यादा फोकस पश्चिम बंगाल, उडीसा, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब और तमिलनाडु जैसे उन राज्यों में होगा, जहां भाजपा की स्थिति कमजोर हैं और जहां लोकसभा सीटें बढ़ने की संभावना है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बंगाल में कुल 42 में से 18 सीटें जीती थी जबकि 2014 में भाजपा के पास सिर्फ दो सीटें थी। इसके बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 77 सीटें मिलीं जबकि उससे 5 साल पहले बंगाल विधानसभा में भाजपा का एक भी विधायक नहीं था। अब भाजपा बंगाल में मुख्य विपक्षी दल है। बंगाल में लैफ्ट फ्रंट तकरीबन पूरी तरह खत्म हो गया है। कांग्रेस का अस्तित्व न के बराबर है। अब मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच है। इसीलिए भाजपा बंगाल में पूरी ताकत लगा रही है। बंगाल की तरह भाजपा की नजर तेलंगाना पर भी है। तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कुल 119 में से सिर्फ एक सीट मिली थी लेकिन उसके बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 17 में 4 सीटें जीतीं। भाजपा को तेलंगाना से भी उम्मीदें हैं। इसीलिए इस बार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने तेलंगाना में काफी ताकत लगाई। अमित शाह की जब रैली हो रही थी उसके जवाब में ममता ने भी अपनी पार्टी के नेताओं के साथ केन्द्र सरकार के खिलाफ विधानसभा परिसर में धरना दिया। मोदी सरकार पर बंगाल के साथ भेदभाव का इल्जाम लगाया। कुल मिलाकर बुधवार को कोलकाता में अगले लोकसभा चुनाव के कैंपेन का टोन दिखाई दिया। कोलकाता में अमित शाह की रैली के लिए भाजपा ने काफी तैयारी की थी। ममता की सरकार इस रैली को रोकना चाहती थी। पहले प्रशासन ने रैली की अनुमति नहीं दी। भाजपा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने ममता सरकार की दलीलों को खारिज करके अमित शाह की रैली को हरी झंडी दी। इससे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ गया। इसलिए अमित शाह की रैली में जबरदस्त भीड़ जुटी। पश्चिम बंगाल में, ममता के राज में, विरोधियों की रैली में इस तरह की भीड़ कम दिखती है। भीड़ को देखकर अमित शाह ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी धांधली करके जीत गई लेकिन अब ममता के जाने का वक्त आ गया है। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में तुष्टिकरण की राजनीति अब खत्म होगी, हिन्दुओं का हक मारने वालों की विदाई होगी । अमित शाह ने ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार, अपराध, चुनावी हिंसा, तुष्टिकरण और घुसपैठ के मुद्दों पर घेरा और इसके बाद सिटिज़नशिप अमेंडमेंट एक्ट का मसला उठाया। अमित शाह ने कहा कि अब सीएए को लागू करने से कोई नहीं रोक सकता। शाह ने कहा कि घुसपैठ को रोकने के लिए सीएए जरूरी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में ममता ने घुसपैठियों को वोटर बनाने के अवैध सेंटर खोल दिए हैं। अमित शाह ने याद दिलाया कि ममता जब सत्ता में नहीं थीं तो घुसपैठियों के मुद्दे पर संसद नहीं चलने देती थीं लेकिन कुर्सी पर बैठने के बाद अब सियासी फायदे के लिए, बंगाली हिन्दुओं का हक मारने वाले घुसपैठियों की सगी बन गई हैं। शाह ने तृणमूल कांग्रेस पर बदले की राजनीति का इल्जाम लगाया। कोलकाता में जिस वक्त अमित शाह पब्लिक मीटिंग कर रहे थे, उसी वक्त कुछ ही दूरी पर ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों के साथ विधानसभा परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना दे रही थी। तृणमूल कांग्रेस का इल्जाम है कि केंद्र सरकार बदले की राजनीति कर रही है और बंगाल को उसके हक का पैसा नहीं दिया जा रहा है, मोदी सरकार ने मनरेगा का पैसा रोक दिया है जिसका असर तकरीबन 3,000 गरीब मजदूरों पर पड़ रहा है। चूंकि बुधवार को अमित शाह की रैली थी, इसलिए ममता ने एक बार फिर इस मुद्दे को हवा दी। अमित शाह को मालूम था कि यह मुद्दा उठेगा इसलिए वो पूरा ब्यौरा लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने पिछले नौ साल में पश्चिम बंगाल की सरकार को 54 हजार करोड़ रु दिये, जबकि यूपीए शासन में 10 साल के दौरान बंगाल को केंद्र से सिर्फ 14 हजार करोड़ रुपये मिले थे। अमित शाह की रैली खत्म हुई तो भाजपा के नेता सीधे विधानसभा परिसर में पहुंच गए। एक तरफ काले कपड़ों में तृणमूल कांग्रेस के नेता ममता बनर्जी अपने विधायकों के साथ धरने पर बैठी थीं तो दूसरी तरफ शुभेन्दु अधिकारी भाजपा के विधायकों के साथ धरने पर बैठ गए। भाजपा ने ममता बनर्जी पर तानाशाही का इल्जाम लगाया, दोनों तरफ से नारेबाजी शुरू हो गई। बाद में ममता बनर्जी ने कहा कि कोलकाता में अमित शाह की रैली फ्लॉप हो गई, इसलिए भाजपा के लोग विधानसभा परिसर में आकर प्रदर्शन करने लगे। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सुबह-सुबह ममता की पार्टी के लोगों ने पूरे कोलकाता में अमित शाह के खिलाफ पोस्टर लगा दिए। जहां-जहां से अमित शाह को गुजरना था, उस पूरे पूरे रूट पर जो पोस्टर बैनर लगाए गए, उनमें लिखा था, 'मोटा भाय, वोट नाय'।

सिल्कयारा सुरंग के सबक

विजय सहगल

12 नवम्बर 2023 को जब देश भर मे कार्तिक मास की आमवस्या की रात के अंधेरों पर दीपावली का प्रकाश हावी हो, अपना प्रकाश चारों ओर फैला रहा था, तभी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले मे स्थित यमुनोत्री राष्ट्रीय राज मार्ग पर सिल्कयारा सुरंग मे कार्यरत 41 श्रमिक मौत के भयावह अंधेरे से जूझ रहे थे। अचानक आयी इस विपदा की खबर ने न केवल इन श्रमिकों अपितु इनके परिवारों जनों के जीवन को भी संकट के स्याह बादलों ने घेर लिया और देश के सामान्य जनों मे एक चिंता एवं दुःख की लहर फ़ेल गयी। एक साथ इतने लोगो के जीवन का संकट होने से शासन प्रशासन सहित दिल्ली की केंद्रीय सरकार को सकते मे ला दिया। आनन फानन मे इन मजदूरों को बचाने के प्रयास शुरू तो हुए लेकिन प्राकृतिक आपदा की तीव्रता गहन थी, शुरू किये गए प्रयासों मे एक के बाद एक बधाएं आने लगी, इसके बावजूद प्रधानमंत्री कार्यालय के नेतृत्व मे सुरंग मे फंसे मजदूरों को बचाने हेतु देश और दुनियाँ से हर मुमकिन तकनीकि, और उपकरणों की निर्वाध उपलब्धि सुनिश्चित की गयी। देश और विदेश के कोने कोने से भूगर्भ वैज्ञानिकों और आपदा विशेषज्ञों को घटना स्थल ला कर उनको भी संकट के समाधान हेतु हर संभव साधन उपलब्ध कराये गए। इस अभियान मे प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा अभियान मे लगी एजेंसियों के बीच आपसी सूझ-बूझ और समन्वय काबिले तारीफ था। बचाव और राहत कार्य मे इस तरह के कार्यों मे निपुण भारतीय थल सेना, वायु सेना सहित एनडीआरएफ़, एसडीआरएफ़, बीआरओ, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, आ ई टी बी पी , एनएचएआईडीसीएल, टीएचडीसी सहित राज्य सरकार के अनेकों अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्ती भूमिका रही। जिस संकट का समाधान हल करने के प्रयास हेतु 900 मिमी॰ (2 फुट 11.43 इंच) पाइपों के माध्यम से सिल्कयारा सुरंग की 41 पीड़ितों तक पहुँचने के प्रयास मशीनों के माध्यम से जहां असफल हो गए, वहाँ भारतीय सेना की इंजीन्यरिंग रेजीमेंट और मद्रास इंजीन्यरिंग ग्रुप के जवानों का सराहनीय सहयोग भी प्रशंसनीय रहा। इस विचार को धरातल पर देखने के लिए, जब आप जमीन पर 2 फुट 7.5 इंच के गोल घेरे मे बैठ कर देखें और कल्पना करें कैसे समाज के साधारण स्तर के चंद व्यक्तियों ने अपनी जान जोखिम मे डाल, 800 मिमी चौड़े गोल पाइप मे घुटनों के बल रेंगते हुए 70-80 मीटर अंदर जाकर पुनः 14-15 मीटर, आगे और खुदाई करते हुए 17 दिनों से सुरंग मे फंसे 41 श्रमिकों तक पहुँचे होंगे? कल्पना मात्र से ही एक अदृश्य भय और मौत के डर से रोंगटे खड़े हो जाते हैं, तब इन बहादुर ₹रैट माइनर₹ अर्थात जो चूहों की तरह पहाड़ को खोद कर सुरंग बनाने मे माहिर जवानों ने कितने धैर्य और साहस से, कैसे इस कठिन, दुरूह और श्रमसाध्य कार्य को अंजाम दिया होगा जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी। सिल्कयारा सुरंग खोदने के दौरान हिमालय श्रंखला के पहाड़ दरकने के कारण इन 41 मजदूरों के जीवन मे आये मौत के संकट से न केवल केंद्रीय सरकार के अनेकों विभागों और कार्यालयों के बीच समन्वय की भी प्रशंसा की जानी चाहिए कि इस बचाव कार्य मे लाल फीताशाही आड़े नहीं आयी जिसके परिणामस्वरूप इन पीड़ित मजदूरों उनके परिवार जनों के साथ सारे देश के लिए एक सुखद संदेश ले कर आये। जहां एक ओर विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष सहयोग, बधाई और सम्मान का पात्र हैं, वहीं सुरंग मे फंसे उन 41 श्रमिकों के धैर्य, साहस और बहदुरी की भी सराहना करनी पड़ेगी जिन्होने 17 दिनों के 24सों घंटे मौत के तांडव को अपनी आँखों के सामने घटते देखा होगा। शुरू के दिनों मे जब इन मजदूरों का संपर्क शेष दुनियाँ से कटा रहा, खाने के भोजन और पीने के पानी का अभाव, अपनों की यादों के बीच वेबस और असहाय!! अपने दुर्भाग्य पर अफसोस और उदासी ने इन्हे एक पल के भी लिए चैन से सोने नहीं दिया होगा? एक झपट्टे से यम के दूतों द्वारा जीवन का हरण और तिल तिल कर मरने का अहसास, दोनों ही मृत्यु के एक रूप अवश्य हैं पर दोनों के खौफ, रौद्र रूप और भयावहता, मे जमीन आसमान का अंतर हैं, जिसे इन 41 श्रमिकों ने जीते जी सिकल्यारा सुरंग के अंदर 17 दिन तक जिया, महसूस किया और साक्षात देखा भी!! नमन है इन श्रमवीरों की बहादुरी और साहस को। सुरंग मे फंसे इन श्रमिकों ने बाद मे बताया कि कैसे वे अपने को स्वस्थ रखने के लिए, सुरंग के अंदर पैदल चल कर चहल-कदमी करते थे और योगा की मदद से अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ को मजबूत करते हुए एक दूसरे की मदद कर हौसला अफजाई करते थे। संकट के इन 17 दिनों मे एक सीमित अंधेरे स्थान मे इन श्रमवीरों के हौसले, हिम्मत और पराक्रम की महज कल्पना ही की जा सकती है। नये और विकसित भारत के इतिहास मे 28 नवम्बर 2023 का दिन स्वर्ण अक्षरों लिखा जायेगा जब राष्ट्रीय आपदा राहत अभिकरण के नेतृत्व मे उत्तराखंड के सिल्कयारा सुरंग मे 17 दिन से फंसे 41 श्रमिकों को तमाम बाधाओं, अबरोधों और चुनौती पूर्ण विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता पूर्वक निकाल लिया गया। हमे इस बात की प्रसंशा करनी ही पड़ेगी कि मोदी सरकार ने एक बार पुनः सिद्ध कर दिया कि देश या विदेश मे आपदा या संकट के समय मे देशवासियों को बचाने या राहत पहुँचाने मे सरकार कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। देश की उन्नति, विकास और उत्थान के लिए जहां पहाड़ों को चीर कर सड़क राजमार्ग और रेल पथ का निर्माण लगातार किया जाता रहेगा और इन निर्माण कार्यों के फलस्वरूप रास्ते मे आपदाएँ और विपदाएं भी साथ साथ आएंगी और इन चुनौतियों का सामना करने के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल जैसे संगठन देश के लिए सदा तत्पर खड़े रहेंगे पर एक बात निश्चित है कि उत्तराखंड की सिल्कयारा सुरंग के निर्माण मे सुरक्षा मापदंडों की अनदेखी की गयी। इतनी बड़ी और विशाल सुरंग मे राजमार्ग बनाने का कार्य निश्चित ही खतरनाक और जोखिम भरा हैं। एक आम आदमी की सोच के तरह मेरा मानना हैं कि सुरंग निर्माण मे कार्यरत श्रमिकों, इंजीनियरों और अन्य कार्यरत व्यक्तियों की सुरक्षा का मुद्दा सर्वोपरि होना ही चाहिये था और किसी भी प्रकृतिक आपदा के समय मुख्य रास्ते के साथ आकस्मिक वैकल्पिक मार्ग को होना इस सुरंग मे सुनिश्चित नहीं किया गया जो एक बड़ी भारी चूक थी।

क्या इस बार बरकरार रहेगी एग्जिट पोल्स की इज्जत?

मिलन

एग्जिट पोल की पोल कई बार खुल चुकी है, विगत चुनावों की उनकी भविष्यवाणियां भी औंधे मुंह गिरी हैं। स्क्रीन के जरिए दर्शाए उनके अनुमान धरातल पर फेक साबित हुए? कई दफे तो रिजल्ट के आसपास भी नहीं टिके। ऐसा होने पर लोगों ने एग्जिट पोलों पर विश्वास करना तकरीबन-तकरीबन छोड़ दिया था पर चैनल इतने ठीठ हैं कि पुरानी बातों पर जरा भी गौर नहीं करते, पिछली बातें भुलाकर आगे बढ़ते हैं। मौजूदा पांच राज्यों के विधानसभाओं चुनाव जैसे ही निपटे, अनगिनत न्यूज चैनलों ने अपने 'एग्जिट पोल' के पिटारे खोल दिए। 30 नवंबर यानी गुरूवार शाम छह बजे के बाद बताए गए अनुमान तीन दिसंबर के रूझानों में तब्दील होंगे या फिर दिल्ली विधानसभा चुनावों की तरह एक बार फिर झूठे ही साबित होंगे। मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, मिजोरम व छत्तीगढ़ को लेकर इस बार ज्यादातर न्यूज चैनलों का एक मत नहीं है। सबके अपने-अपने अनुमान हैं लेकिन, एग्जिट पोलों ने फिलहाल दोनों प्रमुख पार्टियों में खलबली जरूर मचा दी है। चैनल भी इस बात को मानते हैं कि उनकी भी विश्वसनीसता खतरे में पड़ी हुई है। जनता की अदालत में इस बार उनकी कड़ी परीक्षाएं हैं क्योंकि हर बार अपने बताए रुझानों के लिए वो गच्चा खाते आए हैं। अगर इस बार भी बताएं आकलन सही साबित नहीं होते, तो उन पर भविष्य में कोई विश्वास आसानी से नहीं कर पाएगा। कमोबेश, एग्जिट पोल्स की स्थिति कुछ कांग्रेस की ही तरह हो गई थी। जनता न कांग्रेस को तवज्जो दे रही है और न ही एग्जिट पोल को? कांग्रेस इन पांच राज्यों को जीतकर आगामी लोकसभा चुनाव भी जीतने का मन बनाया हुआ है। बहरहाल, 30 नवंबर को संपन्न हुए पांच विधानसभाओं के चुनाव के तुरंत बाद अपनी आदत से मजबूर खबरिया चैनलों ने एग्जिट पोलों की एक साथ बौछार कर दी। इस बार ज्यादातर चैनलों के आकलन विपक्षी पार्टी यानी कांग्रेस की तरफ दर्शाया हैं। जबकि, कुछ जगहों पर सत्ताधारी पार्टी को आगे बताया है। फिलहाल, परिणाम के दो दिन पहले इन एग्जिट पोल ने प्रमुख दलों की धड़कने बढ़ा दी हैं। हालांकि, कांग्रेस एग्जिट पोल के मुताबिक उनके रुझानों पर ही जश्न मनाने में लग गई है। तो वहीं भाजपा नेताओं के माथे पर चिंता की कुछ लकीरें भी खिंच गईं हैं। मध्य प्रदेश का चुनाव मामा और राजा के भविष्य तय करेगा। एग्जिट पोल्स को देखकर भाजपा में खलबली मच गई और वरिष्ठ नेताओं के बीच मनन-मंथन भी शुरू हो गया। क्योंकि, भाजपा इन चुनाव को ही आगामी लोकसभा-2024 चुनाव का सेमीफाइनल मानकर चल रही है क्योंकि उनकी तैयारियां लोकसभा को ध्यान में रखकर की गई हैं। भाजपा कम से कम हिंदी के तीनों राज्यों छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान को जीतना चाहती है। वहीं, तेलंगाना और मिजोरम में मात्र अच्छे प्रदर्शन से संतुष्ठ होना चाहती है। यानी 'तीन बटे दो' का अनुमान लगाए बैठी है। वहीं, कांग्रेस पांचों राज्यों में विजय पताका फहराना चाहती है। दो राज्यों में उनकी सरकार है भी। बहरहाल, बुद्धिजीवी वर्ग एग्जिट पोल को गंभीरता से अब नहीं लेता? यही वजह है कि एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पूरी तरह से दांव पर लग चुकी है। क्योंकि अगर इस बार भी बेअसर साबित हुए तो इनसे आमजन का विश्वास लगभग खत्म हो जाता। दरअसल पूर्व के कई एग्जिट पोल हवा-हवाई साबित हुए हैं। तीन साल पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम में सभी चैनल मुंह की खा चुके हैं। उस वक्त सभी चैनलों ने भाजपा को जिता दिया था, लेकिन रिजल्ट आम आदमी पार्टी के पक्ष में गया। यही कारण है कि विगत कुछ वर्षों से एग्जिट पोलों की साख पर लोग सवाल खड़े करने लगे हैं। क्योंकि चैनलों का अतित्साह होना और जल्दबाजी के चलते पिछले कुछ सालों से इन एग्जिट पोलों की ही पोल खुल गई। मालूम हो जब दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हुए, तो अधिकतर चैनलों ने भाजपा को जीता हुआ दर्शाया था। लेकिन रिजल्ट आने के बाद पता चला की जिसकी सरकार बना रहे थे वह सिर्फ तीन ही सीटों पर सिमट गई। खैर, अतीत को ध्यान में न रखकर खबरिया चैनलों ने इस बार अपनी इज्जत बचाते हैं या नहीं? ये बड़ा सवाल चैनलों के लिए खड़ा हो गया है। न्यूज चैनल मध्यप्रदेश में भाजपा को जिताने का दावा कर रहे हैं। लेकिन चुनावी पंड़ितों का मत कुछ और ही कहता है। लोकसभा चुनाव में कुछ महीने ही बचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी केंद्र में अपना तीसरा टर्म चाहते हैं। इस लिहाज से मौजूदा पांच विधानसभाओं के इलेक्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए हैं। इन्हें जीतने के लिए सत्ताधारी पार्टी ने अपनी पूरी मशीनरी लगाई। पूरी ताकत झोंकी। सभी में जीतने का अनुमान था, लेकिन परिणाम से पूर्व ही एग्जिट पोल्स कुछ और ही बता रहे हैं।

तुम किस मिट्टी के बने हो

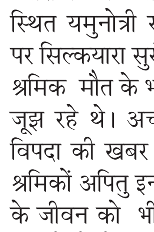

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक पत्रकार ने नौकरी छोड़कर यूट्यूब चैनल शुरु कर दिया। तब एक यूजर ने पूछा, यदि पहले की तरह किसी ने इसे भी खरीद लिया तो कहाँ जाओगे? पहले दिन उस पत्रकार ने पूरा मन लगाकर काम किया। तब एक यूजर ने फिर से पूछा, आज तुमने कितनी खबरें दिखाईं? पत्रकार ने कहा कि मैंने तो सिर्फ एक खबर ही दिखाई। यूजर चौंककर बोला, क्या सिर्फ एक ही खबर। आम तौर पर भौंकू चैनलों पर काम करने वाले हर भौंकने वाले पत्रकार दस से पंद्रह खबर तो छींक मारकर दिखा देते हैं। अच्छा ये बताओं तुमने कौनसी खबर दिखाई? एक खबर में सबकी क़बर । पत्रकार बोला। क्या! लेकिन तुमने यह कैसे किया? आश्चर्यजनक रूप से यूजर ने पूछा। पत्रकार ने कहा, एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिख डाला कि दम है तो अपनी खबर से मुझे कबर तक पहुँचाओ। मैंने सबसे पहले दो हजार रुपए की नोट ली।

उसे ऊपर से नीचे की ओर फेंक दिया। मैंने कहा इसे कहते हैं रुपए का गिरना। वह काफी प्रभावित हुआ। फिर मैंने कहा कि इसे मैं कहीं से भी ढूँढ़ सकता हूँ। मैंने अपने फोन में वाईफाई ऑन कर दो हजार के नोट में छिपे चिप से लिंक किया। गूगल मैप की तर्ज पर मुझे दो हजार रुपए का पता मिल गया। यूजर का होश उड़ता जा रहा था। मैं यहीं तक नहीं रुका। फिर मैंने कहा कि यह नोट गुलाबी है। गुलाबी रंग से प्यार बढ़ता है। इसलिए इस नोट को अपने जेब में संभाले रखना। प्रेम खर्च करने से जीवन में शांति के साथ-साथ बची-खुची खुशी भी चली जाएगी। इतना कहते ही यूजर ने अपना पर्स टटोला। उसमें रखी दो हजार की नोट गायब थी। मैंने उसे ढांढस बंधाते हुए कहा कि इसमें रोने जैसी कोई बात नहीं है। एक बार अपने फोन का मैसेज इनबॉक्स देख लो। उसमें संदेश आया होगा कि फलां केर फंड में दो हजार जमा करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपकी देशभक्ति वेरिफाइड हो चुकी है। यह पढ़कर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने साथ-साथ एक लाख फॉलोवर्स को मेरे यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइब करवाकर मेरा गुणगान कर रहा है। पहले यूजर ने कहा, वाह यह तो बड़े कमाल की बात है। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि बीस-पच्चीस ऐसे भी यूजर हैं जो बार-बार तुम्हारी हर प्रेजेंटेशन पर तारीफों के पुल बाँधते नजर आते हैं। वैसे ये हैं कौन? तब पत्रकार ने कहा, ये बड़े-बड़े न्यूज चैनलों के एंकर हैं, जो मेरा मसाला चुराकर अपने चैनलों पर लड़ने-झगड़ने की तड़कदार-भड़कदार रेसिपी बनाते हैं। अंदर की बात यह है कि बेवकूफ बनने वाले भी बेवकूफ बनाने का मसाला यहीं से ले जाते हैं। कुछ लोग मुझसे सवाल-जवबा तलब करते हुए इसी का प्रदर्शन करते हैं।

अगहन मास की 10 खास बातें

इस महीने में श्रीकृष्ण के साथ ही शंख की भी करनी चाहिए पूजा, गुस्से और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें

अभी हिन्दी पंचांग का नवां महीना अगहन चल रहा है। इसे मार्गशीर्ष भी कहा जाता है, ये महीना 26 दिसंबर तक रहेगा। ये महीना धर्म और सेहत के लिहाज से बहुत खास है। धर्म के लिए खास है, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण ने इस महीने को अपना स्वरूप बताया है। सेहत के लिए खास है, क्योंकि इस महीने से ठंड का असर शुरू हो जाता है। योग, ध्यान और कसरत के लिए ठंड के दिन बहुत अच्छे माने जाते हैं।

अगहन मास श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित है, क्योंकि श्रीकृष्ण ने खुद मार्गशीर्ष मास को खुद का स्वरूप बताया है। जानिए अगहन मास की 10 खास बातें...

इस महीने में रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करनी चाहिए। घर के मंदिर कृष्ण पूजा करें और कृं कृष्णाय नमः का जप करें।

इस महीने से शीत ऋतु का असर बढ़ने लगता है। वातावरण ठंडा होता होता है, ठंडी हवाएं चलती हैं। आसमान साफ रहता है। सुबह-सुबह सूर्य की धूप अच्छी लगने लगती है। बारिश के बाद की नमी खत्म होने लगती है। ऐसे में सेहत को लेकर सावधानी रखनी चाहिए। खान-पान या जीवन शैली में गलतियां करेंगे तो मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

इन दिनों में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और सुबह-सुबह कुछ देर सैर जरूर करनी चाहिए। सुबह का वातावरण स्वास्थ्य के लिए लिहाज से बहुत लाभदायक होता है। सुबह की हवा एकदम फ्रेश होती है, क्योंकि प्रदूषण बहुत कम रहता है। अगहन में शुरू की गई सैर को आगे भी जारी रखेंगे तो कई बीमारियों की रोकथाम हो सकती है।

ठंड के दिनों में सुबह सूर्योदय के ठीक बाद धूप में बैठने से शरीर को विटामिन डी मिलता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए हमारा शरीर तैयार होता है।

अगहन में श्रीकृष्ण की पूजा के साथ ही शंख की भी पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। श्रीकृष्ण अपने साथ पाञ्चजन्य नाम का शंख रखते हैं। श्रीकृष्ण के साथ बांसुरी, गोमाता, मोर पंख, पीले वस्त्रों के साथ ही एक शंख भी जरूर रखें और उसकी भी पूजा करें।

शंख को भगवान का स्वरूप मानकर अभिषेक करें। कुमकुम, चंदन से तिलक करें। हार-फूल चढ़ाएं। भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

शंख को देवी लक्ष्मी का भाई माना जाता है। इस कारण लक्ष्मी पूजा में शंख विशेष रूप से रखते हैं। लक्ष्मी जी के साथ ही शंख की पूजा करने पर घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। मान्यता है कि समुद्र मंथन से शंख भी प्रकट हुआ था।

इस महीने में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए, देर तक सोने से बचना चाहिए। इन दिनों में नदी स्नान की भी परंपरा है।

अगर नदी स्नान नहीं कर सकते हैं तो अपने घर में ही नदियों का ध्यान करते हुए स्नान करना चाहिए। पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं।

इस महीने में की गई पूजा-पाठ का पूरा फल तभी मिल पाता है, जब हम अधार्मिक कामों से दूर रहकर पूजन करते हैं। अगहन माह में घर में क्लेश न करें। शांति और प्रेम बनाए रखें। किसी भी तरह का नशा न करें। गुस्सा न करें, धैर्य के साथ अपने काम करते रहें।

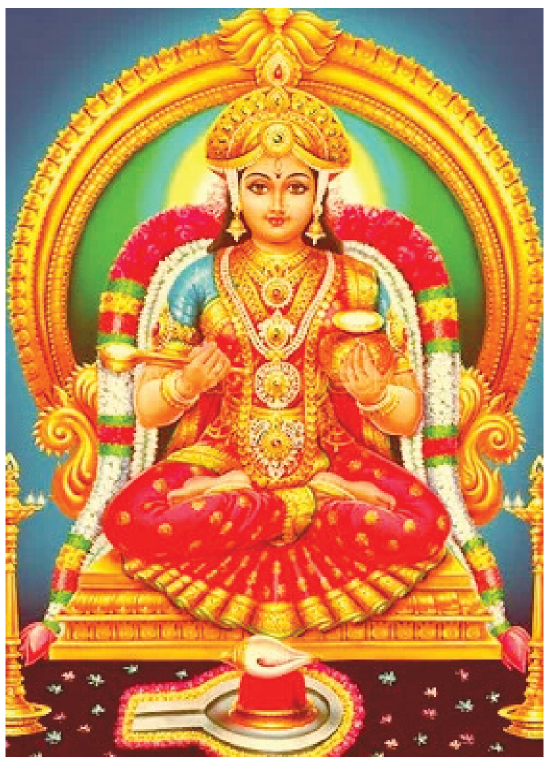

अन्नपूर्णा मां का महाव्रत आज से शुरू महत्व मात्र 17 दिन में भर जाती है झोली!

अन्न की देवी माता अन्नपूर्णा भक्तों की सभी मुरादें पूरी करेंगी। माता अन्नपूर्णा को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने का खास दिन आने वाला है। मार्गशीष माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि यानी 2 दिसम्बर से मां अन्नपूर्णा के महाव्रत अनुष्ठान की शुरुआत होगी। यह व्रत अनुष्ठान 17 दिनों तक चलेगा। ऐसी मान्यता है कि इस महाव्रत के प्रभाव से भक्तों को अन्न धन की कभी कमी नहीं होती है। इस व्रत के पहले दिन काशी में स्थित माता अन्नपूर्णा देवी के दरबार में भक्तों का तांता लगा होता है। पहले दिन श्रद्धालु दर्शन के बाद 17 गांठ के धागे को हाथ के बाजू पर धारण करते हैं। मंदिर के महंत शंकर गिरी ने बताया कि महिलाएं इस धागे को बाएं और पुरुष इसे दाहिने हाथ में धारण करते हैं। यह व्रत 17 साल,17 महीने 17 दिनों का होता है।

माता अन्नपूर्णा के इस महाव्रत में भक्तों को पूरे 17 दिनों तक अन्न का त्याग करना होता है। दिन में सिर्फ एक बार फलहाल का सेवन कर भक्त इस कठिन व्रत को रखते हैं। इस व्रत में बिना नमक के फलहाल ग्रहण किया जाता है। बताते चलें कि यह 17 दिवसीय महाव्रत 2 दिसम्बर से शूरू होकर 17 दिसम्बर तक चलेगा।

महाकाल के करने हैं दर्शन, तो बिलासपुर से सीधे पहुंचे उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर है, जहां देश और दुनियाभर से लोग यहां महाकाल के दर्शन करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां आकर महाकाल के दर्शन मात्र से जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। कहा जाता है कि महाकाल मंदिर जब तक नहीं चाहेंगे, तब तक आपको उनके दर्शन नहीं होंगे। तो अगर आपको महाकाल का बुलावा आ रहा है, तो उज्जैन जाकर महाकाल के दर्शन करने में बिल्कुल भी देरी ना करें।

बिलासपुर से उज्जैन के लिए बहुत सी ट्रेनें चलती हैं, लेकिन एक डायरेक्ट ट्रेन है, जो बिलासपुर से ही शुरू होती है। बिलासपुर से कोठी एक्सप्रेस ट्रेन ले सकते हैं। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले से

टिकट बुक करते हैं, तो आपको आसानी से टिकट मिल जाएगी। बिलासपुर से यह ट्रेन शाम 06:25 को निकलती है, अगले दिन सुबह 11:50 बजे उज्जैन पहुंचा देती है। इसके टिकट का किराया सिर्फ 500 रुपए स्लीपर का, 1400 रुपए AC का है। उज्जैन पहुंचकर आप स्टेशन से ही पब्लिक ऑटो, प्राइवेट कैब या रैपिडो बुक कर सकते हैं।

महाकाल के ऐसे करें दर्शन

महाकाल के दर्शन से पहले आप रामघाट जा सकते हैं, जहां शिप्रा नदी में स्नान कर सकते हैं। स्नान के बाद कुछ ही दूर पर महाकाल का धाम है, जहां आप कतारबद्ध होकर महाकाल के दर्शन कर सकते हैं। वीआईपी दर्शन के लिए 250 रुपए का शुल्क लगता है। महाकाल के दर्शन से सुख की जो अनुभूति होती है, वह दुर्लभ है। महाकाल के दर्शन के बाद उज्जैन में कालभैरव के दर्शन करना भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कालभैराव मंदिर महाकाल मंदिर से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर है। जहां आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट से आसानी से पहुंच सकते हैं।

कहीं आप रसोईघर में उल्टे तो नहीं रखते ये 2 बर्तन? मां अन्नपूर्णा होंगी नाराज

घर में किचन बेहद जरूरी और महत्वपूर्ण स्थान होता है। वास्तु के अनुसार भी रसोई घर सही तरीके से बना होना चाहिए, ताकि कोई परेशानी ना आए। कुछ लोगों का रसोई घर बहुत ही सलीके से सजा होता है। हर चीज वहां सही ढंग से रखी होती है। मसालों के डिब्बों से लेकर बर्तन तक व्यवस्थित तरीके से रखे होते हैं। वहीं, कुछ लोगों का किचन बहुत ही गंदा, अव्यवस्थित होता है। सारे सामान इधर-उधर फैले होते हैं। खासकर, बर्तन जूठे और उल्टे रखे होते हैं। किचन में कभी भी बर्तनों को जूठा नहीं छोड़ना चाहिए खासकर रात के समय। वहीं, कुछ बर्तनों को कभी भी उल्टा और गलत दिशा में रखने की भी भूल नहीं करनी चाहिए। अक्सर लोग कुछ बर्तनों को साफ करने या इस्तेमाल के बाद उल्टा रख देते हैं। ऐसा करना अशुभ फल दे सकता है। तो चलिए जानते हैं कौन-कौन से बर्तनों को भूलकर भी उल्टा रखने की गलती नहीं करनी चाहिए।

कौन-कौन से बर्तन उल्टे ना रखें

तवा- रसोई घर में रात में बर्तन जिस तरह से जूठे नहीं छोड़ने चाहिए, ठीक उसी तरह से कुछ बर्तनों को उल्टा भी नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, रोटी बनाने के बाद यदि आप तवे को उल्टा रखते हैं तो यह अशुभ होता है। ऐसा भूलकर भी ना करें। काफी लोगों की ये आदत होती है कि रोटी बनाकर तवे को चूल्हे से उतारकर उल्टा रख देते हैं। ऐसा करने से घर में धन की कमी हो सकती है, आप आर्थिक तंगी से जूझ सकते हैं। ऐसी स्थिति में आपके ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है।

कड़ाही- तवे की तरह ही कड़ाही को भी कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, जब आप कड़ाही को लगातार किचन में साफ करने के बाद उल्टा रखते हैं तो इससे नकारात्मक एनर्जी की बोढ़तरी होती है। हमेशा तवा और कड़ाही को इस्तेमाल करने के बाद साफ करके ही रखें वरना दरिद्रता आ सकती है। इन दोनों ही बर्तनों को उल्टा रखने से राहु दोष लगता है। इन्हें इस्तेमाल करने के बाद रात में ही धोकर जरूर रख दें। इससे घर के सदस्यों की तरक्की भी रुक सकती है। घर में कलह, अशांति आ सकती है।

बर्तनों को किस दिशा में रखना है सही?

बर्तनों को हमेशा पश्चिम दिशा में ही रखना बेहतर होता है। खासकर पीतल, तांबे, स्टील, कांसे के बर्तनों को पश्चिम दिशा में ही रखें किसी अन्य दिशा में नहीं। इस बात का भी ध्यान रखें कि गर्म तवे और कड़ाही में पानी ना डालें। ऐसा करने से जो भाप निकलता है, वह घर में नेगेटिव एनर्जी ला सकता है। कई तरह की परेशानियां जीवन में आ सकती हैं। बर्तनों को उल्टा या फिर गलत दिशा में रखने से मां अन्नापूर्णा नाराज हो सकती हैं।

मराठा की बड़ी शैली में बना है रामलला का यह मंदिर

होलकर राजघराने से जुड़ा है खास नाता

लगभग 28 वर्षों तक शासन करने वाली होलकर स्टेट की महारानी देवी श्री अहिल्या बाई होलकर ने कई मंदिरों का निर्माण और जीर्णोद्धार करवाया है। उन्हीं में भगवान श्रीराम का भी एक प्राचीन मंदिर शामिल है। रामलला का यह मंदिर कहां है, कितना पुराना है और क्या इसकी खासियत है? चलिए आपको बताते है। दरअसल, श्रीरामजी का यह प्राचीन मंदिर मध्य प्रदेश के खरगोन जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर दूर महेश्वर तहसील के गांव मलेक्षाखेड़ी में मौजूद है। वर्तमान में यह स्थान को बारहद्वारी कहा जाता है। मराठा की बड़ी शैली में बना श्रीराम मंदिर का मंदिर हर तरफ से एक समान नजर आता है। चारों दिशाओं में कुल 12 द्वार बने हुए है। नीचे की ओर तल में श्रीरामजी, पत्नी सीता, भाई लक्ष्मण और भक्त हनुमान के साथ विराजमान है। होलकर राजघराने से इसका खास नाता रहा है।

भक्तों ने संरक्षण की लगाई गुहार

मंदिर की बनावट के साथ एक खासियत यह भी है की गर्भगृह में प्रवेश करने पर ठंड में गर्मी और गर्मी में ठंडक महसूस होती है। वर्तमान में खासगी ट्रस्ट के अधीन है और जिला कलेक्टर इसके प्रबंधक है। बावजूद इसके ना तो खासगी ट्रस्ट इसकी सुध लेता है और ना ही जिला प्रशासन। ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और सौदर्यीकरण को लेकर श्रद्धालुओं ने सरकार से गुहार भी लगाई है। फिलहाल आस पास के ग्रामीणों ने मंदिर के संरक्षण का बीड़ा उठाया है।

छह पीढ़ियों से दे रहे सेवा

यहां पूजा अर्चना के लिए खासगी ट्रस्ट ने ग्राम ठनगांव निवासी जोशी परिवार को नियुक्त किया है। वर्तमान में मंदिर के पुजारी छटी पीढ़ी के पंडित प्रफुल जोशी ने कहा कि यह मंदिर 18वीं शताब्दी का बना हुआ है। जिसका निर्माण संभवतः अहिल्या बाई द्वारा ही हुआ है। यहां उनके द्वारा स्थापित छह शिवलिंग भी मौजूद है, जो मनकामनेश्वर महादेव के नाम से प्रख्यात है।

खंडहर हो गया घुड़साल

ग्रामीण भक्त रमेश पाटीदार उनका का कहना है कि लगभग 300 साल पहले अहिल्या बाई जब अपनी सेना के साथ इंदौर से महेश्वर आवागमन करती थी, तब वें यहीं पर विश्राम लिए रुकते थे। यहां घुड़साल भी बना है, जिसे गौशाला भी कहते है। हालांकि अब यह घुड़साल खंडहर में तब्दील हो चुका है। यहां एक तालाब भी बना हुआ है, जिसके पानी का उपयोग विश्राम के दौरान किया जाता था। आज भी इसमें वर्षभर बारिश का पानी मौजूद रहता है।

कैटरीना कैफ ने पति विक्की की तारीफों के बांधे पुल, बोलीं- याद किया जाएगा

विक्की कौशल स्टारर सैम बहादुर आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है. इन सबके बीच विक्की कौशल की पत्नी और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने सैफ बहादुर का पहला रिव्यू शेयर किया है. एक्ट्रेस ने सैम बहादुर और अपने पति विक्की कौशल की एक्टिंग की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट लिखा है.

कैटरीना कैफ ने सैम बहादुर की पहली समीक्षा साझा की

कैटरीना कैफ हाल ही में अपने पति के साथ सैम बहादुर की स्क्रीनिंग में शामिल हुईं. गुरुवार को कैटरीना ने अपने अभिनेता पति विक्की कौशल की नवीनतम रिलीज सैम बहादुर की प्रशंसा करते हुए एक लंबा नोट पोस्ट किया. कैटरीना ने जीवनी और युद्ध पर आधारित नाटक को एक "काव्यात्मक" कहा, जो फिल्म आज 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. कैटरीना कैफ ने अपने नोट में लिखा कि सैम बहादुर के रूप में विक्की कौशल ने ऐसा प्रदर्शन किया है जिसे याद किया जाएगा और याद किया जाएगा. इसमें बताया जाएगा कि एक्टर ने खुद को इस किरदार में किस तरह से डुबोया होगा.

कैटरीना कैफ ने विक्की कौशल की परफॉर्मेंस को यादगार बताया

कैटरीना ने लिखा, "@मेघनागुलज़ार एक काव्यात्मक रूप से सुंदर क्लासिक फिल्म है जो एक अलग युग में ले जाती है..आप कहानी कहने के प्रति उनके जुनून और हर शॉट में विस्तार पर ध्यान देख सकते हैं। और सैम!!!...ग्रेस." , वीरता और अभिवादन, क्या प्रदर्शन है, मैं हैरान हूं. आप बहुत प्रेरणादायक हैं, इतने शानदार ढंग से अपनी कला के प्रति सच्चे हैं, आपको स्क्रीन पर चमकते हुए देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ. पिछले साल मैंने तुम्हें खुद को इस फिल्म में खुद को ढालते हुए देखा है. याद रखने लायक प्रदर्शन.

चचेरी बहनें हैं रानी मुखर्जी और काजोल फिर भी आज तक नहीं बन पाईं एक अच्छी दोस्त

बॉलीवुड के पॉपुलर डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' को ओटीटी पर खूब पसंद किया जा रहा है. लेटेस्ट सीजन में अब तक कई बॉलीवुड जोड़ियां शो का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन अब 'कॉफी विद करण' में कजिन सिस्टर्स रानी मुखर्जी और काजोल की एंट्री हुई है. 90s की दोनों ग्लैमरस एक्ट्रेसेस ने अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशन लाइफ से जुड़े कई खुलासे किए. इसके अलावा एक्ट्रेसेस ने ये भी बताया कि आखिर चचेरी बहनें होने के बावजूद आज तक दोनों स्टार्स के बीच दोस्ती क्यों नहीं हो सकी है. बॉलीवुड एक्ट्रेसेस काजोल और रानी मुखर्जी ने शो के होस्ट करण जौहर के साथ बातचीत करते हुए खूब मस्ती की. सोशल मीडिया पर शो का एक प्रोमो वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है.

काजोल और रानी ने करण जौहर के डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में स्क्रीन शेयर किया था, लेकिन कहा जाता है कि वे दोस्त नहीं थे और उन्होंने एक-दूसरे के साथ तब तक ज्यादा समय नहीं बिताया, जब तक चीजें अच्छी नहीं हुईं क्योंकि दोनों सितारों की जिंदगी आगे बढ़ गई. एपिसोड के दौरान करण ने पूछा, 'आप दोनों अब काफी करीब लगते हैं, लेकिन तब आपके बीच बिल्कुल भी दोस्ती या रिश्ता नहीं था, है ना?' इसका जवाब देते हुए काजोल ने कहा, 'वास्तव में नहीं.' करण जौहर ने काजोल और रानी के समीकरण को याद करते हुए कहा, 'मुझे आश्चर्य होता था कि परिवार एक-दूसरे से बात नहीं करते, वे चचेरे भाई-बहन हैं. क्या कोई दूरी थी?'

उनसे सहमति जताते हुए काजोल ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह एक दूरी थी. जहां तक काम का सवाल है, हम दोनों को जहां हम थे, वह पसंद आया.' करण जौहर ने रानी से पूछा, 'क्या आपको लगा कि जब आपने उनके साथ काम किया था तो कोई दूरी थी?'

उन्होंने जवाब दिया, 'बेशक, मैं उन्हें बचपन से जानती हूं, वह हमेशा मेरे लिए काजोल दीदी थीं. यह थोड़ा अजीब था. आप बड़े होते हैं और आप अलग हो जाते हैं, आप वास्तव में इसका कारण नहीं जानते.

हमने ऐसा किया. काजोल दीदी टाउन में रहती थीं और हम जुहू में थे. मैं और तनीषा बहुत करीब थे और हम अब भी हैं. काजोल दीदी हमेशा परिवार के लड़कों, मेरे भाई और सम्राट दा के करीब थीं. हां, यह थोड़ा अजीब था.' 'कॉफी विद करण' सीजन 8 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है.

सैम बहादुर के लिए विक्की कौशल ने वसूले 10 करोड़ रुपये , फातिमा सना शेख व सान्या मल्होत्रा को भी 1 -1 करोड़ रुपये मिली फीस!

विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित फिल्म सैम बहादुर 1 दिसंबर को रिलीज हो रही है. इस फिल्म में विक्की कौशल भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभा रहे हैं. इस किरदार में खुद को ढालने के लिए विक्की ने काफी मेहनत की है. बता दें, 75 करोड़ रुपये के बजट से बनी मेघना गुलजार की इस फिल्म के लिए विक्की कौशल ने भारी भरकम फीस ली है. जी हां, इस बेहतरीन किरदार को बड़े पर्दे पर निभाने के लिए विक्की कौशल ने अच्छी-खासी फीस ली है. बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, विक्की कौशल ने इस फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं. फिल्म में विक्की कौशल के अलावा फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा भी मुख्य भूमिका में हैं. ऐसे में फातिमा सना शेख को 1 करोड़ रुपये मिले हैं. तो वहीं सान्या मल्होत्रा को भी 1 करोड़ रुपये की फीस मिली है.

फिल्म की एडवांस बुकिंग

आपको बता दें कि इस शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर सैम बहादुर का मुकाबला रणबीर कपूर की एनिमल से होने वाला है. वहीं रणबीर कपूर की एनिमल के सामने 'सैम बहादुर' भी अपना दबदबा बनाए हुए है. रिपोर्ट के मुताबिक, 'सैम बहादुर' के पहले दिन 3356 शो के लिए 57 हजार 88 टिकट बेचे गए हैं. इसके साथ ही 'सैम बहादुर' ने रिलीज से पहले एडवांस टिकट बुकिंग से 1.82 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है.

नाक की वजह से मिला रोल

बहुत कम लोग जानते होंगे कि विक्की की नाक की वजह से उन्हें ये रोल मिला था. सैम मानेकशॉ की नाक भी लंबी थी. इसी खास वजह से ये फिल्म विक्की कौशल की झोली में आई. फिल्म में विक्की कौशल पर प्रोस्थेटिक मेकअप का भी इस्तेमाल नहीं किया गया. सैम मानेकशॉ के किरदार को और भी बेहतर बनाने के लिए विक्की ने उनके बोलने के अंदाज, चलने और खड़े होने के अंदाज को बखूबी कॉपी किया है.

आयशा शर्मा के 'दीवाने' वरुण धवन और अनिल कपूर

मासूम चेहरा, अदाएं कातिलाना... आयशा शर्मा ने बॉलीवुड में भले ही अभी तक बहुत ज्यादा काम नहीं किया है, लेकिन उसे लेकर दीवानगी कम नहीं है। सोशल मीडिया पर आयशा को तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उसे लाखों यूजर्स फॉलो करते हैं। उसके दीवानों में वरुण धवन से लेकर अनिल कपूर जैसे सितारे तक शामिल हैं जो उसके लिए अपनी दीवानगी की ओर इशारा कर चुके हैं। हाल ही में वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा को 'कॉफी विद करण सीजन 8' के एक एपिसोड में देखा गया। एपिसोड के दौरान, वरुण ने सोशल मीडिया पर आयशा शर्मा को 'स्टॉक' करने (उसकी गतिविधियों पर नजर रखने) को बात स्वीकार की। दरअसल, वरुण से उस सैलीब्रिटी के बारे में पूछा गया जिसे वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा 'स्टॉक' 'करता है। रैपिड फायर राऊंड के दौरान, उसने मजाक-मजाक में आयशा के सोशल मीडिया पर नजर रखने की बात कबूल कर ली। उसने कहा, मुझे लगता है कि वह अच्छे कैप्शन लिखती हैं, बहुत वर्कआऊट करती हैं और वह सुंदर भी हैं। दिलचस्प बात है कि यह पहली बार नहीं है जब वरुण ने आयशा की तारीफ की है।

पिछले सीजन में उसने कहा था कि उसका मानना है कि शर्मा बहनें, नेहा और आयशा, सबसे हॉट जिम तस्वीरें पोस्ट करती हैं। तब उसके साथ अनिल कपूर ने भी आयशा की तस्वीरों को देखने की बात मानते हुए कहा था, आयशा खुद को फिट रखने के लिए मेहनत करती हैं और उनको देखकर मोटिवेशन भी तो मिलता है।

रणबीर कपूर की एनिमल ने रचा इतिहास, उत्तरी अमेरिका में फिल्म ने एक मिलियन डॉलर का आंकड़ा किया पार

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म एनिमल को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म आज एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की ओर से सकारात्मक समीक्षा मिल रही है।

यह फिल्म सिर्फ भारत में ही नहीं ब्लकि दुनिया भर में राज कर रही है। आज शुक्रवार को एनिमल के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया गया कि उत्तरी अमेरिका में एनिमल ने एक मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है।

एक मिलियन डॉलर आंकड़े के साथ संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित यह फिल्म इस उपलब्धि को हासिल करने वाली उत्तरी अमेरिका में पहली हिंदी फिल्म बन गई है। एक्स पर लिखा, 'इतिहास बन गया। एनिमल ने उत्तरी अमेरिका में 1 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया। इसका प्रीमियर शाम 5:30 बजे पीएसटी पर होगा। यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली हिंदी फिल्म।

अभी कई और रिकॉर्ड टूटेंगे।' बता दें कि इससे पहले यह भी खबर आई थी कि आने वाले दिनों में रणबीर कपूर स्टारर एनिमल भारत में भी बॉक्स ऑफिस पर राज करेगी। फिल्म के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एनिमल ने अब तक 12,539 शो के लिए 7,45,992 टिकट बेचे हैं। वहीं, 12,539 शो के लिए 7,45,992 टिकट बेचे जा चुके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक एनिमल ने एडवांस बुकिंग में करीब 20 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। एनिमल ने एडवांस बुकिंग में करीब 20 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। एनिमल के हिंदी शो के लिए 5,75,197 टिकट बेचे गए हैं। तो वहीं तेलुगु शो के लिए 1,63,361 टिकट खरीदे जा गए हैं।

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी अहम भूमिका में हैं।

यह फिल्म आज एक दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का विक्की कौशल की फिल्म 'सैम बहादुर' के साथ टकराव हुआ है।

पहली 'इंटरनैशनल फिल्म' को लेकर उत्साहित कीर्ति कुल्हारी

कीर्ति कुल्हारी को इंडस्ट्री में एक दशक से अधिक समय हो गया है। अपने करियर में उसने कई फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा ओ.टी.टी. पर भी वह कई अच्छे प्रोजैक्ट्स का हिस्सा रही है। कीर्ति का कहना है कि अपनी बॉलीवुड यात्रा के लिए वह बेहद शुक्रगुजार है और अब इसके विस्तार की तरफ देख रही है। वह फिल्म 'सच इज लाइफ' से इंटरनैशनल डेब्यू की तैयारी में है।

उसका कहना है कि 'पिंक', 'फोर मोर शॉट्स प्लीज', 'क्रिमिनल जस्टिस' और 'ह्यूमन' जैसे प्रोजैक्ट्स के बाद उसे लगता है कि अब करियर को आगे बढ़ाने का यह सही वक्त है। कीर्ति ने कहा, ₹यह मुझे अपनी तरक्की जैसी लग रही है। मेरे लिए यह ग्रोथ है।₹ उसका कहना है कि वह 'सच इज लाइफ' को केवल एक ऐसे प्रोजैक्ट के रूप में नहीं देखती है जो उसे इंटरनैशनल स्तर पर मौका दे रहा है, बल्कि यह उसे करियर के इस मुकाम पर आत्मविश्वास देने वाला है। कीर्ति ने कहा, बतौर एक्टर मैं क्या सोचती हूं और क्या करती हूं, 'सच इज लाइफ' इस बात का भी एक सबूत है। मैं अब व्यापक स्तर पर काम करने के लिए तैयार हूं। मुझे इस बात की बिल्कुल घबराहट नहीं है कि इतने सारे लोग मुझे जज करेंगे। मुझे लगता है कि मैं यह फिल्म कर सकती हूं और इस तरह का प्रोजैक्ट करने का यह सही समय है।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में करेंगी वापसी!

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में बैन से पहले तक पाकिस्तान के कई सितारों ने बॉलीवुड से जमकर नाम और पैसा कमाया. शाहरुख खान के साथ फिल्म 'रईस' में स्क्रीन शेयर कर चुकीं एक्ट्रेस माहिरा खान ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से इंडियन फैंस के दिलों में भी खास जगह बनाई. हालांकि रईस उनकी भारत में आखिरी फिल्म थी, लेकिन अब वो साउथ सुपरस्टार मोहनलाल के साथ स्क्रीन शेयर कर सकती हैं. अब जब बॉम्बे हाई कोर्ट ने पाकिस्तानी कलाकारों पर से प्रतिबंध हटा दिया है तो माहिरा खान कथित तौर पर मलयालम फिल्म में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं. रिपोर्ट्स से पता चलता है कि एक्ट्रेस, मोहनलाल की फिल्म में काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं.

इस फिल्म के लिए चल रही है बात

मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक माहिरा खान फिल्म 'L2: एमपुरान' से मलयालम सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं. ऐसी अटकलें हैं कि माहिरा, एक्टर- डायरेक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन के डायरेक्शन में बन रही एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मोहनलाल के साथ लीड रोल निभाएंगी. हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इस खबर को लेकर कोई पुष्टि सामने नहीं आई है. माहिरा खान और उनके पति सलीम करीम निर्देशक पृथ्वीराज सुकुमारन और उनकी पत्नी, पत्रकार-निर्माता सुप्रिया मेनन के अच्छे दोस्त हैं. कुछ महीने पहले मालदीव में छुट्टियां मनाते समय दोनों पति-पत्नी और एक दोस्त की एक ग्रुप फोटो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हो गई थी.

मलयालम फिल्में देखती हैं माहिरा

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया है कि माहिरा खान 'लूसिफर' के सीक्वल से अपनी मलयालम फिल्म की शुरुआत करेंगी. माहिरा खान ने एक इंटरव्यू में मलयालम फिल्मों के लिए अपना इंट्रेस्ट दिखाया था. एक्ट्रेस माहिरा, जिन्होंने अपने दोस्तों और फैंस को मलयालम फिल्में देखना शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्होंने कहा कि व्यवसाय ने स्टोरी, एक्टिंग और प्रोडक्शन के मामले में सबसे शानदार फिल्में बनाई हैं, और वो फ्यूचर में इसमें काम करने की इच्छा रखती हैं. एक इंटरव्यू में जब उनसे सवाल किया गया कि क्या KGF एक मलयालम फिल्म है, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से जवाब दिया कि वह तमिल या तेलुगु फिल्मों का जिक्र नहीं कर रही थीं, बल्कि केवल मलयालम फिल्मों का जिक्र कर रही थीं.

'हॉलीवुड' जाने का इरादा नहीं : करीना

वैब सीरीज 'जाने जां' से ओ.टी.टी. की दुनिया में कदम रखने के बाद करीना कपूर अब अपने आगामी प्रोजैक्ट्स को लेकर चर्चा में है। जल्द ही वह रोहित शैट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' और फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' में नजर आएगी। 'द बकिंघम मर्डर्स' की 80 प्रतिशत शूटिंग अंग्रेजी में और 20 प्रतिशत शूटिंग हिन्दी में हुई है। इस बीच यह खबर फैलने लगी है कि करीना हॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी में है। अब इसकी सच्चाई से खुद करीना ने पर्दा उठाया है।

हाल ही में करीना ने अपनी आगामी फिल्मों और करियर पर बात की। इस दौरान उसने बताया कि वह हॉलीवुड का रुख करना चाहती है या नहीं। करीना से पूछा गया कि क्या 'द बकिंघम मर्डर्स' हॉलीवुड की दिशा में उसका अगला कदम है तो उसने कहा, जब हंसल मेहता ने मुझसे इसके लिए सम्पर्क किया तो मैं तुरंत इसका हिस्सा बन गई क्योंकि यह कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले नहीं किया था। इस फिल्म को लेकर मैं बेहद उत्साहित और घबराई हुई थी। मैंने हॉलीवुड जाने के इरादे से यह फिल्म नहीं की।

निर्माता के रूप में भी जुड़ी फिल्म' द बकिंघम मर्डर्स' इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए करीना ने बतौर निर्माता भी अपनी शुरुआत की है।

'द बकिंघम मर्डर्स' की कहानी असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखी है। शोभा कपूर, एकता कपूर और करीना के साथ मिल कर बालाजी टैलीफिल्म्स और टी.बी.एम. फिल्म्स ने इस फिल्म का निर्माण किया है।

इसे लेकर करीना ने कहा, मैं एक कलाकार के रूप में कुछ अलग करना चाहती थी, इसलिए मैंने इस फिल्म के लिए हां की। बड़ी वजह थी कि मैं सीरीज 'मारे ऑफ ईस्ट टाऊन' से बेहद प्रभावित थी जिस पर यह आधारित है।

करीना का किरदार फिल्म 'मारे ऑफ ईस्ट टाऊन' में केट विंसलेट की भूमिका से प्रेरित है। इसमें करीना एक जासूस पुलिसवाली की भूमिका में दिखेगी।

साउथ अफ्रीका टूर पर विराट कोहली के वनडे और टी20 नहीं खेलने को लेकर एबी डीविलियर्स ने दी बड़ी प्रतिक्रिया

साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डीविलियर्स ने विराट कोहली के आगामी सीरीज में वनडे और टी20 नहीं खेलने को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि विराट कोहली ने शायद थकान की वजह से ब्रेक लिया होगा। डीविलियर्स ने विराट कोहली के टेस्ट और वनडे में खेलने की उम्मीद जताई है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने तीनों फॉर्मेट के टीमों की घोषणा कर दी है। टी20 में सूर्यकुमार यादव और वनडे में केएल राहुल को कप्तान चुना गया है, तो वहीं टेस्ट टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली को सफेद गेंद की सीरीज के लिए आराम दिया गया है। इन दोनों सीरीज में दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल नहीं किया गया है।

थकान की वजह से विराट कोहली ने लिया होगा ब्रेक - एबी डीविलियर्स

एबी डीविलियर्स ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत के दौरान विराट कोहली के फ्यूचर को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि वो टेस्ट और वनडे में खेलते रहें। मुझे पूरा भरोसा है कि उनके पास कोई ना कोई प्लान जरूर होगा। वो थके हुए हो सकते हैं और इसकी वजह भी है। मुझे नहीं पता कि वो कब तक खेलेंगे लेकिन मैं चाहता हूं कि वो जितना हो सके लंबा खेलें। उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी शानदार होता है और हम लोग चाहते हैं कि वो और खेलें। साउथ अफ्रीका सीरीज उनके लिए अहम है। अपने आपको मैनेज करने के लिए वो कुछ मैचों से रेस्ट ले सकते हैं और कुछ में खेल सकते हैं।

आपको बता दें कि वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली रेस्ट पर हैं। अब ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में हिस्सा लेंगे। इन दोनों ही खिलाड़ियो ने अपना आखिरी टी20 मुकाबला पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

युवा तेज गेंदबाज मलिक को टीम में नहीं शामिल करने पर भड़के इरफान पठान, सोशल मीडिया पर कही ये बड़ी बात

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारत की वनडे, टेस्ट और टी20 टीम का ऐलान हो गया है। कई सारे युवा खिलाड़ियों को इस टूर के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है लेकिन जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक को शामिल नहीं किया गया है। उमरान मलिक को यहां तक कि ए टीम में भी जगह नहीं मिली है और इससे पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान खुश नहीं हैं और उन्होंने कहा है कि उमरान को कम से कम ए टीम में जरूर शामिल किया जाना चाहिए था।

उमरान मलिक की अगर बात करें तो वो अपने पेस के दम पर इंडियन टीम में आए थे। उन्होंने आईपीएल में काफी तेज गति से गेंदबाजी की थी और आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का भी रिकॉर्ड बनाया था। आईपीएल 2022 के सीजन में उमरान मालिक ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 मुकाबलों में 22 विकेट अपने नाम किये थे। हालांकि आईपीएल 2023 का सीजन उनके लिए अच्छा नहीं रहा था और पिछले काफी समय से वो इंडियन टीम से भी बाहर चल रहे हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए जब टीम का ऐलान हुआ तो किसी भी टीम में उमरान मलिक का नाम नहीं था। इरफान पठान के मुताबिक उमरान को कम से कम ए टीम में तो जरूर शामिल किया जा सकता था। उन्होंने एक्स पर कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जो खिलाड़ी कुछ महीने पहले तक भारतीय टीम के प्लेइंग इलेवन का हिस्सा था, उसे कम से कम ए टीम में जगह जरूर मिलनी चाहिए थी।

साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईस्वरन*, देवदत्त पडीक्कल, प्रदोष रंजन पॉल, सरफराज खान, केएस भरत (कप्तान), ध्रुव जुरेल, शार्दुल ठाकुर, पुलकित नारंग, सौरभ कुमार, मानव सुथार, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, विधवथ कविराप्पा और तुषार देशपांडे।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर आंद्रे रसेल ने दी ये बड़ी प्रतिक्रिया

वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली के खेलने को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि अगर इन दोनों प्लेयर्स का चयन टीम में नहीं होता है तो फिर ये पागलपन ही होगा।

हाल ही में खबरें आई थीं कि रोहित शर्मा शायद टी20 क्रिकेट में ना खेलें और केवल टेस्ट क्रिकेट पर ही अपना फोकस रखें। वहीं विराट कोहली साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे, बल्कि टेस्ट सीरीज में केवल खेलेंगे। हालांकि रोहित शर्मा और विराट कोहली आईपीएल में जरूर खेलते हुए दिखेंगे।

आंद्रे रसेल के मुताबिक रोहित और कोहली के बिना टी20 वर्ल्ड कप खेलना काफी बड़ी गलती होगी। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत के दौरान कहा, मुझे नहीं पता कि इसको इतना बड़ा मसला क्यों बना दिया गया है। सोशल मीडिया पर कई सारी बातें होती हैं और प्लेयर्स के पोटेंशियल पर सवाल उठाए जाते हैं। रोहित शर्मा के पास जिस तरह का एक्सपीरियंस है और विराट कोहली जिस लेवल के खिलाड़ी हैं, ये पागलपन ही होगा अगर भारतीय सेलेक्टर टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का चयन करें और ये दोनों टीम में ना हों। वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में एक्सपीरियंस की काफी जरूरत होती है।

आपको बता दें कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी रोहित शर्मा और विराट कोहली के आगामी टी20 वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी थी। केविन पीटरसन के मुताबिक रोहित शर्मा और विराट कोहली के ऊपर आगामी आईपीएल में काफी ज्यादा निगाहें होंगी, कि ये दोनों ही प्लेयर किस तरह का प्रदर्शन करते हैं और उसके हिसाब से टी20 वर्ल्ड कप को लेकर कोई फैसला किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल के फॉर्म की काफी अहमियत रहने वाली है।

एबी डीविलियर्स ने दिल्ली डेयरडेविल्स से रिलीज किए जाने को लेकर 13 साल बाद किया चौंकाने वाला खुलासा

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डीविलियर्स ने जब अपने आईपीएल करियर का आगाज किया था तो उस वक्त वो दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) की टीम में थे। हालांकि 2010 के सीजन के बाद उन्हें रिलीज कर दिया गया था और इसको लेकर अब उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एबी डीविलियर्स के मुताबिक उस वक्त उनसे कहा गया था कि आपको टीम में रिटेन किया जाएगा लेकिन बाद में अचानक बिना बताए रिलीज कर दिया गया।

एबी डीविलियर्स ने आईपीएल के आगाज के बाद पहले तीन सीजन तक दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) के लिए खेला था और उसके बाद वो आरसीबी का हिस्सा बने थे। 2011 में आरसीबी ज्वॉइन करने के बाद डीविलियर्स किसी और टीम के लिए नहीं खेले और इसी टीम से खेलते हुए उन्होंने संन्यास लिया।

मुझे बिना बताए रिलीज कर दिया गया था - एबी डीविलियर्स

एबी डीविलियर्स ने दिल्ली टीम से खुद को रिलीज किए जाने को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने यू-ट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान कहा,जब मैंने 2010 के आईपीएल सीजन में हिस्सा लिया था तो मुझे ऑफिस से फोन आया कि आपको रिटेन किया जा रहा है यंग एबी डीविलियर्स। मैं उस मीटिंग में डेविड वॉर्नर के साथ बैठा था।

हालांकि एक या दो हफ्ते के बाद जब मुझे पता चला कि मुझे रिलीज कर दिया गया है तो मैं हैरान रह गया था। तो उन दिनों आपसी संवाद की कमी थी। इन दिनों शायद ये बेहतर हो गई हो लेकिन ये अच्छी फीलिंग नहीं थी। उस वक्त मुझे अपने करियर को लेकर कुछ पता नहीं था। साल 2010 में शायद मैंने पांच मैच खेले थे और मेरे दिमाग में काफी चीजें चल रही थीं। हालांकि रिलीज किए जाने के बाद मैंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अच्छा किया और फिर ऑक्शन के दौरान आरसीबी ने मेरा चयन कर लिया। इसके बाद मेरी पूरी जिंदगी ही बदल गई।

वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले 2 दिग्गज भारतीय तेज गेंदबाज

क्रिकेट में हर एक गेंदबाजी हैट्रिक लेने का सपना देखता है। दुनिया का कोई भी गेंदबाज हो अपने करियर में एक बार हैट्रिक जरुर लेना चाहता है, ताकि उसके नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो जाए। हालांकि हैट्रिक लेना कतई आसान काम नहीं होता है। 3 गेंद पर लगातार 3 विकेट चटकाना काफी मुश्किल होता है।

कई ऐसे गेंदबाज हुए हैं जिन्होंने हैट्रिक विकेट लिया है। वर्ल्ड क्रिकेट की अगर बात करें तो लसिथ मलिंगा, सकलैन मुश्ताक, चामिंडा वास, ब्रेट ली, केमार रोच, जेपी डुमिनी और ट्रेंट बोल्ट जैसे दिग्गज गेंदबाज हैट्रिक ले चुके हैं। इन गेंदबाजों की खास बात ये है कि इन्होंने ये हैट्रिक विकेट वर्ल्ड कप में ली थी। अगर कोई गेंदबाज वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेता है तो उसकी अहमियत और बढ़ जाती है।

वर्ल्ड कप में हर एक मुकाबला काफी बड़ा होता है और वहां पर हैट्रिक लेकर अपनी टीम को मैच जिताना वाकई शानदार होता है। वर्ल्ड कप की शुरुआत 1975 में हुई थी और तब से लेकर अब तक 12 वर्ल्ड कप खेले जा चुके हैं, जिसमें अब तक 10 गेंदबाजों ने 11 हैट्रिक विकेट ली हैं। लसिथ मलिंगा के नाम दो हैट्रिक विकेट दर्ज हैं।

वहीं दो भारतीय खिलाड़ियों ने भी वर्ल्ड कप में हैट्रिक विकेट ली है। यहां तक कि वर्ल्ड कप में सबसे पहले हैट्रिक विकेट एक भारतीय गेंदबाज ने ही लिया था। इस आर्टिकल में हम आपको वर्ल्ड कप में हैट्रिक विकेट लेने वाले 2 भारतीय गेंदबाजों के बारे में बताएंगे।

चेतन शर्मा

भारत के चेतन शर्मा ने वर्ल्ड कप 1987 में 31 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक विकेट लिया था। उन्होंने केन रदरफोर्ड, इयान स्मिथ और इवेन चैटफील्ड को बोल्ड किया था। इस मैच में न्यूजीलैंड 222 रनों पर सिमट गई थी। भारतीय बल्लेबाजों ने 32.1 ओवरों में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया था। मोहम्मद शमी - 2019 वर्ल्ड कपमोहम्मद शमी ने अफगानिस्तान के खिलाफ ये कारनामा किया था।

मोहम्मद शमी ने अफगानिस्तान के खिलाफ ये कारनामा किया था

मोहम्मद शमी ने ये कारनामा 2019 के वर्ल्ड कप में किया था। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान शमी ने हैट्रिक विकेट लेकर इतिहास रच दिया। मैच के नाजुक मौके पर उन्होंने मोहम्मद नबी, आफताब आलम और मुजीब उर रहमान को आउट कर अपनी हैट्रिक विकेट पूरी की थी। उनके इसी शानदार प्रदर्शन की वजह से भारतीय टीम को रोमांचक मुकाबले में जीत मिली थी।

बीसीसीआई ने बड़ी वजह से रोहित शर्मा और विराट कोहली को नहीं दी वनडे और टी20 सीरीज में जगह, जसप्रीत बुमराह हुए ड्रॉप?

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने तीनों फॉरमेट की टीमों की घोषणा कर दी है। टी20 में सूर्यकुमार और वनडे टीम में केएल राहुल को कप्तान चुना गया है तो टेस्ट टीम में रोहित शर्मा जिम्मा संभालेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली को वाइट बॉल सीरीज के लिए आराम दिया गया है। इन दोनों सीरीज में दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल नहीं किया गया है। साथ ही मोहम्मद शमी को भी सब्जेक्ट टू फिटनेस बताया गया है। यानी वह अभी मेडिकल ट्रीटमेंट से गुजर रहे हैं और फिट होकर टेस्ट सीरीज में हिस्सा ले सकेंगे।

बीसीसीआई ने ट्वीट जारी करते हुए लिखा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने बोर्ड से दक्षिण अफ्रीका दौरे के सफेद गेंद चरण से ब्रेक के लिए अनुरोध किया था। मोहम्मद शमी फिलहाल चिकित्सा उपचार से गुजर रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। बता दें कि जसप्रीत बुमराह को वनडे और टी20 टीम में क्यों जगह नहीं मिली इसको लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

कयास लगाए जा रहे थे कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मद्देनजर इस दौरे के लिए टी20 टीम में शामिल किया जा सकता था लेकिन बोर्ड ने युवा खिलाड़ियों पर ही भरोसा कायम रखा। बीसीसीआई ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को टी20 और वनडे में आराम देने का निर्णय लिया है।

वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल के बाद रोहित और विराट रेस्ट पर है। अब ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में हिस्सा लेंगे। दोनों खिलाड़ियो ने अपना आखिरी टी20 मुकाबला पिछले साल हुए टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुटे इन दोनों बल्लेबाजों को टी20 टीम में नहीं चुना गया। हालांकि अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में इन खिलाड़ियों का चयन आईपीएल के प्रदर्शन के तर्ज पर हो सकता है।

तीन डब्लूडब्लूई दिग्गज सुपरस्टार और उनके सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले किरदार

डब्लूडब्लूई एक प्रो रेसलिंग प्रमोशन है और प्रो रेसलिंग रिंग में होने वाली चीज़ें स्क्रिप्ट के अनुसार की जाती हैं। सुपरस्टार्स के किरदार को अधिक से अधिक दिलचस्प बनाने की कोशिश की जाती है और इन्हीं दिलचस्प कैरेक्टर्स की मदद से किसी स्टोरीलाइन को अधिक रोचक बनाने का काम किया जाता है।

डब्लूडब्लूई में समय-समय पर सुपरस्टार्स के किरदार बदलते रहते हैं, कभी उन्हें हील तो कभी बेबीफेस के रूप में ऑन-स्क्रीन देखा जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस आर्टिकल में हम डब्लूडब्लूई के 3 मौजूदा सुपरस्टार्स और उनके सबसे चर्चित कैरेक्टर्स से आपको अवगत कराने वाले हैं।

रोमन रेंस ने साल 2012 में द शील्ड के मेंबर के तौर पर अपना डब्लूडब्लूई मेन रोस्टर डेब्यू किया था। उस समय उन्हें द शील्ड के पावरहाउस के रूप में जाना जाता था, उसके बाद उन्होंने द बिग डॉग किरदार में भी काम किया, लेकिन पिछले 3 सालों में वो एक नए और निखरे हुए किरदार में काम करते आए हैं।इस समय उनका ट्राइबल चीफ कैरेक्टर पूरे प्रो रेसलिंग यूनिवर्स के लिए बड़े आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस हील कैरेक्टर में उन्होंने यूनिवर्सल चैंपियन रहते कई बड़े रिकॉर्ड्स को ध्वस्त किया है। उनका टाइटल रन पिछले 1000 दिनों से भी ज्यादा समय से चला आ रहा है और साथ ही कंपनी के दोनों सबसे बड़े टाइटल्स अभी उनके पास हैं। वहीं सबसे खास बात ये है कि फैंस ने भी उनके हील किरदार को काफी अच्छा रिस्पॉन्स दिया है।

कोडी रोड्स ने पिछले साल WrestleMania 38 में सैथ रॉलिंस के मिस्ट्री अपोनेंट के तौर पर वापसी की थी। उससे पहले उन्हें AEW में अपने रेसलिंग स्टाइल के कारण 'द अमेरिकन नाईटमेयर' कहा जाता था, जिसका उन्होंने डब्लूडब्लूई में भी इस्तेमाल करना जारी रखा है। फैंस भी उनके इस किरदार को काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच वो सैथ रॉलिंस, ब्रॉक लैसनर समेत कई बड़े स्टार्स को शिकस्त दे चुके हैं।

साल 2018 के अंतिम सत्र में बैकी लिंच एक बार फिर बेबीफेस बन गई थीं और उस समय उन्हें फैंस से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा था।

आपको याद दिला दें कि Survivor Series 2018 के 5-ऑन-5 सर्वाइवर सीरीज एलिमिनेशन मैच के बिल्ड-अप में नाया जैक्स के एक पंच से बैकी की नाक से खून बहने लगा था। उस सैगमेंट ने बैकी के 'द मैन' कैरेक्टर को फैंस के बीच ज्यादा फेमस बना दिया था।

चुनावी रिजल्ट से दो दिन पहले महंगा हुआ कामर्शियल गैस सिलेंडर, घरेलू में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। 3 दिसंबर को पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने से पहले देश में महीने की पहली तारीख को गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिला है। जी हां 15 दिन के अंदर गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा हो गया है। यहां पर बात कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम की हो रही है। 16 नवंबर के दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में गिरावट देखने को मिली थी। उससे पहले एक नवंबर के दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम देश की राजधानी दिल्ली में 2000 रुपए के काफी करीब पहुंच गए थे।

वैसे इस बार ये इजाफा मामूली देखने को मिला है। वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम की बात करें तो कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। आखिरी बार इस में अगस्त के आखिरी दिन में देखने को मिले थे। जब सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 200 रुपए फ्लैट कम कर दिए थे। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश में घरेलू गैस सिलेंडर और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम कितने हो गए हैं?

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में मामूली इजाफा

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में देश के चारों महानगरों में मामूली इजाफा देखने को मिला है। देश की राजधानी दिल्ली और मुंबई में 21 रुपए की बढ़त देखने को मिली है। दिल्ली में गैस सिलेंडर के दाम 1775.50 21 रुपए बढ़कर 1796.50 रुपए पर आ गए हैं। जबकि मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1728 रुपए से बढ़कर 1749 रुपए पर आ गई है। वहीं कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 22.5 रुपए इजाफा देखने को मिला है और दाम 1885.50 रुपए से बढ़कर 1908 रुपए पर आ गए हैं। चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में सबसे ज्यादा 26.5 रुपए का इजाफा हुआ है और दाम 1942 रुपए से बढ़कर 1968.50 रुपए पर आ गए हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम कितने पर

वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई इजाफा देखने को नहीं मिला है। आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 903 रुपए है। जबकि कोलकामा में 929 रुपए, मुंबई 902.50 रुपए और चेन्नई में दाम 918.50 रुपए है। 30 अगस्त को सरकार ने देशभर में सभी घरेलू गैस सिलेंडर के दाम मे फ्लैट 209 रुपए कम कर दिए थे।

29 अगस्त को सरकार ने इसका ऐलान कर दिया था। उसके बाद से कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

अभी भी लीगल टेंडर है 2000 के नोट

बदलवा सकते हैं आप, कितनी रकम बैंकों में आ गई वापस

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। आरबीआई द्वारा 2 हजार रुपये के नोट वापस लेने की घोषणा के बाद अब तक सर्कुलेशन के 97 फीसदी से ज्यादा नोट वापस आ चुके हैं। इस तरह अब मार्केट में 2000 रुपये के काफी कम नोट बचे हैं। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरबीआई ने बताया कि 19 मई 2023 को 2000 रुपये के जितने नोट सर्कुलेशन में थे, उनमें से 97.26 फीसदी नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। साथ ही केंद्रीय बैंक ने बताया कि 2000 रुपये के नोट अभी भी लीगल टेंडर बने हुए हैं। ये आगे भी लीगल टेंडर बने रहेंगे।

अब कितने नोट आना बाकी

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा 19 मई 2023 को की थी। 19 मई 2023 को 3.56 लाख करोड़ मूल्य के 2000 रुपये के नोट सर्कुलेशन में थे। 30 नवंबर 2023 को दिन समाप्त होने के बाद 9,760 करोड़ रुपये मूल्य के 2000 के नोट ही सर्कुलेशन में बचे हैं।

नोटबंदी के बाद लाए गए थे 2000 के नोट

आरबीआई नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद 2000 रुपये के नोट लेकर आई थी। आरबीआई ने पहले ही इन नोटों को वापस लेने का मन बना लिया था। आरबीआई ने 2019 में ही 2000 रुपये के नोटों की छपाई बंद कर दी थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2018 के समय 2000 रुपये के सर्कुलेटेड नोट की कुल वैल्यू 6.73 लाख करोड़ रुपये थी। यह 2000 रुपये के नोटों के सर्कुलेशन का सबसे हाई लेवल था।

अभी भी बदलवा सकते हैं नोट

अगर आपने अभी तक भी 2000 रुपये के नोट नहीं बदलवाए हैं, तो आपके पास अभी भी समय है। आप 2000 रुपये के नोट आरबीआई के 19 ऑफिसों में भेज सकते हैं। देश के प्रमुख शहरों में आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय हैं। आप इंडिया पोस्ट के माध्यम से भी ये नोट आरबीआई के ऑफिस भिजवा सकते हैं। ये नोट जमा करने के बाद उतनी ही वैल्यू आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाएगी।

रेमंड के इंडिपेंडेंट-डायरेक्टर्स ने सीनियर लीगल काउंसिल को नियुक्त किया

यह गौतम सिंघानिया और नवाज मोदी के विवाद के बीच कंपनी को सलाह देगी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। रेमंड के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स ने ग्रुप के चेयरमैन और एमडी गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी के विवाद के बीच कंपनी को सलाह देने के लिए एक इंडिपेंडेंट सीनियर लीगल काउंसिल को नियुक्त किया है। कंपनी ने शुक्रवार (1 दिसंबर) को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा, 'इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स (आईडी) यह सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट हैं कि दो प्रमोटर डायरेक्टरों के बीच मैरिटल डिस्प्यूट किसी भी तरह से कंपनी के मामलों और बिजनेस को मैनेज करने के लिए चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर की क्षमता को प्रभावित न करे।'इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स ने कंपनी को सलाह देने के लिए इंडिपेंडेंट सीनियर लीगल काउंसिल बर्जिस देसाई को

रिटेन करने का फैसला किया है। इनका प्रमोटर्स या कंपनी से कोई लिंक नहीं है। आईडी स्टेकहोल्डर्स को आश्वस्त करना चाहते हैं कि वो निष्पक्ष रूप से काम करेंगे। इससे पहले प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) ने रेमंड ग्रुप के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स को एक इंटरिम सीईओ नियुक्त करने के लिए कहा था। आईआईएएस ने गौतम सिंघानिया पर लगे उनकी पत्नी और बेटी से मारपीट करने और पर्सनल बेनेफिट्स के लिए कंपनी के फंड्स का यूज करने के आरोपों की जांच करने के लिए भी कहा था। कंपनी के पांच इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स को आईआईएएस ने यह भी सुझाव दिया कि वे गौतम सिंघानिया और नवाज से बोर्ड मेंबर्स के रूप में अपनी जिम्मेदारियों से कुछ समय के लिए हटने को कहें। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने अपने स्टॉफ और बोर्ड को बिजनेस स्टेबिलिटी का भरोसा दिलाया है। 13 नवंबर को उन्होंने अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने की जानकारी दी थी। इसके बाद से बिजनेस स्टेबिलिटी को लेकर अनिश्चितता जताई जा रही थी।

रतन टाटा के भाई का जलवा, खड़ी की एक लाख करोड़ की कंपनी, बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। जहां एक ओर देश के सबसे बड़े कारोबारी ग्रुप में रतन टाटा का जलवा कायम है। वहीं दूसरी ओर उनके छोटे भाई नोएल टाटा भी कम नहीं है। वो टाटा ग्रुप की रिटेल आर्म ट्रेंट लिमिटेड के चेयरमैन भी है। जिसे उन्होंने ग्रुप की एक लाख करोड़ रुपए की कंपनी बना दिया है। खास बात तो ये है कि कंपनी के शेयर में इस साल 110 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। टाटा ग्रुप में भले ही इतनी बड़ी तेजी देखने को मिली हो। साथ ही कंपनी के मार्केट कैप में इसी साल में 52 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। इसका मतलब है कि ट्रेंट के मार्केट कैप में इस साल ही 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर टाटा ट्रेंट के शेयर कितने रुपए पर कारोबार कर रहे हैं और मौजूदा समय में कंपनी का मार्केट कैप कितने रुपए पर पहुंच गया है।

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा कंपनी का शेयर

टाटा ग्रुप की रिटेल आर्म ट्रेंट के शेयर शुक्रवार के कारोबार में 2,830 रुपए के साथ नए लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गए। इस ऐतिहासिक ऊंचाई ने कंपनी के मार्केट कैप को 1,00,000 करोड़ के आंकड़े को पार पहुंचा दिया। स्टॉक की हाईएस्ट कीमत 2,830 रुपए पहुंचते ही कंपनी का 52 फीसदी का इजाफा इसी साल 2023 में ही देखने को मिला है। वर्ष की शुरुआत कंपनी के शेयर की कीमत 1,358 प्रति शेयर थी, जो मौजूदा समय में 2,830 रुपए तक पहुंच गई। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयर में 110 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। बीएसई के फ्रेश आंकड़ों के अनुसार मौजूदा समय में 62 ऐसे शेयर हैं जिनका मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

तोड़ा 6 साल पुराना रिकॉर्ड

पिछले 11 महीनों में से 09 महीनों में इस शेयर में मजबूती देखने को मिली है। सबसे बेहतरीन महीना नवंबर का रहा। इस महीने में कंपनी के शेयर में 29.35 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। अगस्त और मई में क्रमशः 16.60 फीसदी और 14.09 फीसदी का रिटर्न देखने को मिला। अगर पूरे साल के प्रदर्शन की बात करें तो बीते 9 सालों में से 8 सालों में कंपनी ने निवेशकों को पॉजिटिव रिटर्न दिया। जिसमें सबसे बेहतरीन प्रदर्शन 2023 में आया है। कंपनी ने एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने के मामले में 6 पुराने साल साल 2017 में 68.24 फीसदी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

टाइटन भी मचा रहा धमाल

इस बीच, 23 नवंबर को, टाटा ग्रुप का ज्वेलरी-टू-आईवियर ब्रांड टाइटन भी धमाल मचा रहा है। नवंबर के महीने में कंपनी का मार्केट कैप 3,00,000 लाख करोड़ एम-कैप को पार कर गया। इसके अलावा, ग्लोबल ऑटोमोबाइल मेकर टाटा मोटर्स के शेयरों ने इस साल अब तक 82.14 फीसदी के साथ जबरदस्त रिटर्न दिया है। पिछले कारोबारी सत्र में स्टॉक ने 717.25 की नई रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ था। मौजूदा समय में कंपनी का शेयर 706.20 रुपए पर कारोबार कर रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 2,34,675.12 करोड़ रुपए पर है।

करोड़ों लोगों के भूखे मरने की नौबत! 15 साल के टॉप पर चावल की कीमत, क्या है वजह

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। एशिया, लेटिन अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों में चावल मुख्य आहार है लेकिन हाल के दिनों में इसकी कीमत में भारी तेजी आई है। चावल की कीमत 15 साल के टॉप के करीब पहुंच गई है। इससे एशिया और अफ्रीका में करोड़ों लोगों के भूखे मरने की नौबत आ गई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक एशियाई बेंचमार्क थाई वाइट राइस 5% ब्रोकन में पिछले दो हफ्ते में 57 डॉलर की तेजी आई है और यह 640 डॉलर प्रति टन पहुंच गई है। यह अक्टूबर 2008 के बाद अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गई है। अगस्त में जब भारत ने चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाया था तो चावल की कीमत अक्टूबर 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। लेकिन भारत के चावल के निर्यात पर बैन लगाने से अन्य देशों खासकर थाईलैंड के चावल की मांग बढ़ गई है। जानकारों के मुताबिक ब्राजील और फिलीपींस जैसे देशों से थाई चावल की काफी डिमांड आ रही है। थाई राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट चुकियात ओफास्वोंगसे के मुताबिक देश में बढ़ती कीमत और स्थानीय करेंसी के मजबूत होने से चावल की कीमत में तेजी आई है।

क्यों चढ़ रही है कीमत

वियतनाम में चावल के स्टॉक में गिरावट से भी थाईलैंड को फायदा हो रहा है। भारत ने जुलाई के अंत में चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाया था और इस प्रतिबंध के अगले साल तक जारी रहने की संभावना है। अल नीनो प्रभाव के कारण उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। इस कारण थाईलैंड में चावल की पैदावार में इस साल छह फीसदी गिरावट की संभावना है जबकि वियतनाम ने सूखे की आशंका को देखते हुए किसानों को नई फसल लगाने को कहा है।

एफएमसीजी और बैंकिंग स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी के चलते निफ्टी लाइफटाइम हाई पर क्लोज, सेंसेक्स 67000 अंकों के पार हुआ बंद

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर महीने और सीरीज का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी पुराने हाई को पार करने में सफल रहा जबकि सेंसेक्स फिर से 67,000 के पार जाने में सफल रहा है। एफएमसीजी - बैंकिंग स्टॉक में निवेशकों की खरीदारी और मिड कैप स्मॉल कैप स्टॉक्स में रौनक बरकरार रहने के चलते बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 493 अंकों के उछाल के साथ 67,481 और निफ्टी 135 अंकों के उछाल के साथ 20,267 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक्स में बड़ी खरीदारी देखी गई जिसके चलते निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 837 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ है। बैंक निफ्टी भी 332 अंकों की तेजी रही। इसके अलावा फार्मा, एनर्जी, मीडिया, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स भी तेजी के साथ बंद हुए। केवल ऑटो सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी जारी है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 शेयर तेजी के साथ और 13 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 31 शेयर तेजी के साथ और 19 गिरकर बंद हुए।

रिकॉर्ड हाई पर मार्केट कैप

शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाईजेशन ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा है। आज के ट्रेड में मार्केट कैप 337.53 लाख करोड़ रुपये रहा है जो कि पिछले सत्र में 335.58 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये के करीब इजाफा देखने को मिला है।

चढ़ने - गिरने वाले स्टॉक्स

आज के ट्रेड में आईटीसी 3.28 फीसदी, एनटीपीसी 2.97 फीसदी, एक्सिस बैंक 2.71 फीसदी, लार्सन 2.52 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि विप्रो 1.34 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.37 फीसदी, कोटक महिंद्रा 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स फिर घटाया, 6300 रुपये प्रति टन से 5000 रुपये प्रति टन किया

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने गुरुवार को कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। हर पखवाड़े बीते दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा की जाती है। केंद्र ने 16 नवंबर को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 9800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6300 रुपये प्रति टन कर दिया था।

क्या है विंडफॉल टैक्स?

सरकार की ओर से अप्रत्याशित और औसत से ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए गए टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। जब सरकार किसी उद्योग के राजस्व में अचानक वृद्धि देखती है, तो वह विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लेती है। यह टैक्स लगाकर सरकार प्रॉफिट का कुछ हिस्सा अपने पास रखती है। विंडफॉल टैक्स अस्थाई होता है। विंडफॉल टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से की जाती है।

सोने की कीमतों में फिर आई तेजी

चांदी भी उछली, जानिए कितने बढ़ गए हैं भाव

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को तेजी देखने को मिली है। इसी हफ्ते सोने की घरेलू कीमतों ने ऑल टाइम हाई लेवल बनाया था। शुक्रवार सुबह सोने के घरेलू वायदा भाव मामूली तेजी के साथ ट्रेड करते दिखाई दिए। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 फरवरी 2024 की डिलीवरी वाला सोना 0.05 फीसदी या 33 रुपये की बढ़त के साथ 62,673 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

चांदी वायदा में भी तेजी

सोने के साथ ही चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार सुबह 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 0.16 फीसदी या 127 रुपये की बढ़त के साथ 77,642 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखाई दी।

सोने की वैश्विक कीमतें

शुक्रवार सुबह सोने की वैश्विक कीमतों में बढ़त देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.10 फीसदी या 2.10 डॉलर की बढ़त के साथ 2059.30 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 0.18 फीसदी या 3.73 डॉलर की बढ़त के साथ 2040.14 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव

सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में भी शुक्रवार सुबह बढ़त देखने को मिली। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.21 फीसदी या 0.06 डॉलर की बढ़त के साथ 25.72 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 0.13 फीसदी या 0.03 डॉलर की बढ़त के साथ 25.30 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 06-34, सूर्यअस्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - 17 -14 - तक उपरान्त षष्ठी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , शनिवार 02 December
नक्षत्र - पुष्य - 18- 53 - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - ब्रह्म - 20 - 18- तक उपरान्त ऐन्द्र
करण- तैतिल - 17 -14 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार -श्री ॐ मायानंद चैतन्य ज .

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	05-25 बजे
चंद्र-	कर्क में	धनु.....	07-38 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	09-44 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	11-36 बजे
गुरु-	मेष में	मीन ..	13-12 बजे
शुक्र-	कन्या में	मेष--	14-49 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	16-34 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	18-34 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	20-46 बजे
		सिंह...	22-59 बजे
		कन्या..	01-05 बजे
		तुला.....	03-14 बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:18 से 10:42 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:34 - 07:55	अशुभ	लाभ	17:36 - 19:16	शुभ
शुभ.	07:55 - 09:18	शुभ	उत्पात	19:16 - 20:52	अशुभ
रोग	09:18 - 10:42	अशुभ	शुभ	20:52 - 22:29	शुभ
उत्पात	10:42 - 12:05	अशुभ	अमृत	22:29 - 24:06	शुभ
चंचल	12:05 - 13:29	शुभ	चंचल	24:06 - 01:42	शुभ
लाभ	13:29 - 14:52	शुभ	रोग	01:42 - 03:19	अशुभ
अमृत	14:52 - 16:16	शुभ	काल	03:19 - 04:56	अशुभ
काल	16:16 - 17:36	अशुभ	लाभ	04:56 - 06:34	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज फैसला लेने का दिन है । आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे । लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए । ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

टोने-टोटके लिए दी जाती थी नरबलि

कभी मायोंग में औरतों का था राज, पुरुषों को जादू से कबूतर-बंदर बनाने का दावा

मायोंग, असम, 1 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। माया और खौफ की दुनिया का दावा करता है- असम का मायोंग गांव। असम के गुवाहाटी से अंदाजन 55 किलोमीटर दूर मायोंग गांव के रास्ते हरे भरे खेत-खलिहान, बांस से बने परंपरागत घर और मिट्टी से लिपे आंगन दिखाई देते हैं। इस रास्ते पर पसरा सन्नाटा बताता है कि आप किसी जादुई दुनिया में दाखिल हो रहे हैं। सुना था कि इस गांव का बच्चा-बच्चा टोना-टोटका जानता है। पूरी दुनिया से यहां लोग टोटका सीखने के लिए आते हैं, लेकिन मायोंग के लोग बाहरी व्यक्ति को न तो प्रवेश देते हैं और न ही टोटका सिखाते हैं।

असम के स्थानीय लोगों को बताया कि मुझे मायोंग जाना है, तो सबने यही कहा कि गांव पहुंचने पर किसी से बातचीत नहीं करना, सीधे गांव के मुखिया के घर पर चले जाना है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ध्यान रखना, जरा सी भूल हुई तो तुम काला जादू की चपेट में आ सकती हो। मायोंग को जादुई नगरी और मायानगरी कहते हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर यह छोटा सा गांव बसा है। इस जगह से जुड़ी कई हजार जादुई कहानियां हैं, जिस पर विश्वास करना सबके लिए मुमकिन नहीं।

मुखिया का नाम है नाबा कुमार। 80 साल उम्र है उनकी। बढ़ती उम्र की वजह से वो बीमार रहते हैं इसलिए नाबा कुमार ज्यादा बातचीत नहीं कर पाते हैं। नाबा कुमार कहते हैं, 'आज ऐसा नहीं है। एक जमाना था जब मायोंग काला जादू के लिए मशहूर था। यहां का बच्चा-बच्चा काला जादू जानता था। बच्चे को अपने पूर्वजों से विरासत में काला जादू मिला था। हमारे गांव का जादू इतना ताकतवर हुआ करता था कि हम इंसान को पलभर में लोमड़ी, कुत्ता, कबूतर, तोता कुछ भी बना देते थे। मिनटों में घातक बीमारी दूर कर देते थे, लेकिन अब वो बात नहीं रही है। ऐसे सधे और मंझे हुए काला जादू करने वाले ज्यादातर लोग अब मर चुके हैं। बहुत कम लोग जिंदा हैं, जो इस तरह का जादू करते हैं। खास बात यह कि इस काम का प्रचार-प्रसार हम लोग बाहरी दुनिया में करना पसंद नहीं करते हैं।'

नाबा कुमार के मुताबिक गांव के बच्चे अब पढ़-लिख गए हैं। उनके हाथ में मोबाइल है, सब दूसरे धंधों में जा रहे हैं। वैसे भी काला जादू सीखने के लिए कठिन साधना और तप करना आजकल के बच्चों के बस की बात नहीं। मिट्टी की सौंधी खुशबू से लिपे साफ-सुथरे से आंगन में नाबा कुमार ने बताया कि आपको एक मंदिर में जरूर जाना चाहिए। इस मंदिर में काला जादू सीखने के लिए प्रेमी जोड़े की नरबलि दी जाती थी।

नाबा कुमार के कहने पर उनकी बेटी चुचिला देवी मुझे गांव के बाहर बने उस मंदिर में दर्शन के लिए ले जाती हैं। चुचिला देवी भी काला जादू और तंत्र विद्या जानती हैं। हम दोनों पैदल चलते जा रहे हैं। पगडंडियों पर, कच्चे रास्तों पर। एकाध बार मुझे डर भी लगा, इसके बावजूद अपने डर को जाहिर किए बिना मैं चुचिला देवी के साथ चलती गई। एक घंटे से ज्यादा पैदल चलने के बाद एक पहाड़ की तलहटी पर एक मंदिर दिखता है। सन्नाटा, दूर-दूर तक कोई नहीं। खुले मंदिर के पास चारदीवारी में भी एक मंदिर है। इस मंदिर के अंदर कोई मूर्ति नहीं है। सिर्फ पत्थर के कुछ सीढ़ियां हैं और वह हथियार-औजार हैं, जिससे नरबलि दी जाती थी। मैं अंदर से इस मंदिर का वीडियो-फोटो लेना चाहती थी, लेकिन चुचिला देवी ने मुझे रोक दिया। उन्होंने कहा कि बाहरी होने की वजह से मैं इस मंदिर के अंदर नहीं जा सकती हूं। वो बताती हैं कि कई बरस पहले टोना-टोटका करने वाले तांत्रिक यहां ताकत हासिल करने के लिए नरबलि दिया करते थे। यह मंदिर साल में एक दफा नरबलि स्थान की पूजा करने के लिए खुलता है। इसके अलावा मंदिर तब खुलता जब मायोंग गांव के ही किसी व्यक्ति ने मन्नत मांगी हो और वो पूरी हो गई हो। यहां बाहर के लोग जा नहीं सकते।

चुचिला देवी से इजाजत लेकर मैं यहां के एक ऐसे म्यूजियम में गई, जो मायोंग की तंत्र विद्या और तांत्रिकों के बारे में बताता है। मैंने पहली बार कोई ऐसा म्यूजियम देखा, जहां काला जादू और टोने-टोटके को साबित करने के लिए सबूत मौजूद है। चुचिला देवी ने बताया कि मायोंग के जिन तांत्रिकों की वजह से दुनिया में जाना जाता है उनमें से

शशिंद्रनाथ, सुचिंद्रानाथ, सजुरामनाथ, प्रबीन साइकिया, फणींद्रनाथ जैसे साधक अभी भी जिंदा हैं।

म्यूजियम में मौजूद एक दृश्य में कुछ लोगों को रस्सी के जाल में बाघ को पकड़े दिखाया गया है। मुझे बताया गया कि ये शिकारी नहीं हैं, बल्कि इनमें से एक सुरा नाम के तांत्रिक हैं। सुरा ऐसी तंत्रविद्या जानते थे कि बाघ भी इनके कब्जे में आ जाता था। कहते हैं कि एक बाघ ने मायोंग के लोगों का जीना दूभर कर रखा था। सुरा ने अपने बाघ बंधन तंत्र से उसको कब्जे में किया। उन्होंने पहले उस जगह को तंत्रविद्या से बांधा, जहां बाघ को देखा गया था।

फिर वो जंगल की तरफ चले गए। वहां सात दफे चूहे के बिल की मिट्टी को बांधा। वह लगातार 'बिषाबन' मंत्र का उच्चारण कर रहे थे। कहते हैं कि जैसे- जैसे सुरा यह करते जा रहे थे वैसे-वैसे बाघ को दर्द हो रहा था। दर्द इतना बढ़ गया कि बाघ बेहोश होता चला गया। अगले दिन गांववासियों ने बेहोश बाघ को जाल में फंसा लिया।

चुचिला देवी के मुताबिक मायोंग गांव के तांत्रिक तिलक हजारिका मंत्रों से ही पीठ का दर्द ठीक कर देते थे। अकान बिशाया आंख की समस्या दूर करते थे। तांत्रिक अभिरमान, फणमिंद्रनाथ और बाटीचोलन मंत्रों से खोया सामान ढूंढ लेते थे।

इस म्यूजियम में हजारों साल पहले लिखे उन मंत्रों के नाम भी हैं, जो तांत्रिक क्रिया में प्रयोग हुआ करते थे। जैसे बाटीचोलन मंत्र दर्द और आंख की समस्या दूर करने के लिए, चलन मंत्र चोरी की चीज बरामद करने के लिए, बिक्स जोरा मंत्र चोर का पता लगाने के लिए, जोरा मंत्र शरीर के दर्द के लिए, बन कोटा और वायु मंत्र किसी के अंदर भूत या हवा दूर करने के लिए, कलम मंत्र बीमारी ठीक करने के लिए, गुकरात्री मंत्र किसी को जान से मारने के लिए, धुया सरबधक बीमारी काटने के लिए, नरसिंह मंत्र नरसिंह भगवान की पूजा के लिए, ज्वर-जारा मंत्र बुखार ठीक करने के लिए।

ये सब मंत्र कैथिली लिपि में लिखे हुए हैं।

मायोंग के तंत्र की खास बात यह है कि यह लोग किसी भी बाहरी को अपने यहां घुसने नहीं देते हैं, तंत्र सिखाना तो दूर की बात है।

करुणा नाथ बताते हैं कि उनके पूर्वजों के पास ऐसे-ऐसे मंत्र थे कि वह पल में किसी भी इंसान को तोता, मैना, लोमड़ी, बाघ, बकरी बना देते थे। आज कुछ लोगों को यह बात कहानी लगती होगी, लेकिन हमारे यहां के लोगों के लिए यह सच है।

करुणा नाथ बताते हैं कि चाहे यह विद्या हम लोगों के साथ खत्म हो जाए लेकिन कभी किसी बाहरी को नहीं सिखाएंगे। एक नहीं हजारों की संख्या में लोग यहां आते हैं और हर प्रकार से लालच देने की कोशिश करते हैं। वो चाहते हैं कि किसी तरह से वो हम लोगों के शिष्य बन जाएं, लेकिन आज तक ऐसा नहीं हुआ।

जहां मायोंग से बाहर किसी भी राज्य में हम देखें कि पांच से दस साल में तंत्र क्रिया लोग सीखते हैं, वहीं मायोंग में इसे सीखने के लिए 20 से 25 साल लगते हैं। आज भी तांत्रिक सचिंद्रानाथ भविष्यवाणी के लिए जाने जाते हैं। फणिंद्रनाथ, प्रबीन साकिया भी तंत्र क्रियाएं करते हैं और जिंदा हैं। वो कहां रहते हैं यह वो बता नहीं सकते। यहां पुरुष ही नहीं बल्कि महिलाएं भी तंत्र करती हैं। तोपेमाई देवी, मोहिनीगिरी देवी, बोकुली देवी, धर्मेश्वरी देवी, तिलेमाई देवी, चुचिला देवी बहुत मशहूर तांत्रिक हैं।

मैंने यहां तंत्रविद्या में इस्तेमाल होने वाले कई सामान देखा- जैसे बाघ का दांत, नाखून, खाल, हाथी के पांव की हड्डी, सांप की केंचुल, हाथी दांत।

करुणा नाथ के अनुसार आज इंसानों को पक्षी या जानवर तो हम लोग नहीं बनाते हैं, लेकिन उनकी बीमारी का इलाज करते हैं, भूत प्रेत, हवा का भी इलाज करते हैं। वे कहते हैं, 'आप मुझसे पूछेंगी कि क्या आप तंत्र क्रिया करते हैं तो मैं साफ मना कर दूंगा, लेकिन अगर अपना मर्ज बताएंगे तो सौ फीसदी उसका इलाज हो जाएगा, चाहे वह मर्ज कैसा भी हो। शरीर का हो, घर का हो, किसी को हासिल करने का हो या फिर कोई और।'

उनका जवाब सुनने के बाद मैं सोचती हुई वहां से निकल जाती हूं कि क्या वाकई मायोंग का जंगल दुनिया का मायावी और तिलिस्म से भरा जंगल है? पता नहीं, लेकिन यह बात सच है कि यहां पग-पग पर एक नई कहानी है।

मायोंग के बारे में कहानी यह है कि एक युग में यहां केवल औरतों का राज हुआ करता था। जिसे त्रिया राज कहते हैं। यहां की औरतें, मर्दों को मोहित करके उन्हें पक्षी, बंदर, लोमड़ी, तोता, कबूतर कुछ भी बना दिया करती थीं। हर रात में वह उन्हें पुरुष बनातीं और दिन में फिर से पक्षी या जानवर बनाकर अपनी कैद में रखती थीं। यही वजह थी कि आसपास के इलाके के मर्द इस गांव की तरफ भूल से भी नहीं जाते थे।

घटोत्कच ने सीखा यहां से जादू

मायोंग का जिक्र पौराणिक महाकाव्य महाभारत में भी है। कहा जाता है कि भीम और हिडिंबा के पुत्र घटोत्कच मायोंग से कई जादुई शक्तियां प्राप्त करने के बाद महाभारत की लड़ाई में शामिल हुए थे। घटोत्कच को मायोंग का राजा कहा जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि काले जादू का अभ्यास करने वाले कई पुराने संत और चुड़ैल अभी भी मायोंग के जंगलों में आते हैं।

नाथ संप्रदाय को मानते हैं इस गांव के लोग

एक दावा यह भी यहां किया जाता है कि तंत्र साधना करने वाले मायोंग के निवासी नाथ संप्रदाय को फॉलो करते हैं। नाथ संप्रदाय के गुरु गोरखनाथ भी यहां आए थे और उनके गुरु मछेन्द्रनाथ भी आए थे। यह भी कहा जाता है कि गुरु मछेन्द्रनाथ मायोंग गांव के काला जादू के शिकार हो गए थे और उन्हें छुड़ाने गुरु गोरखनाथ यहां आए थे और उन लोगों को अपने संप्रदाय में शामिल कर लिया था। गोरखपुर के नाथ संप्रदाय के लोग शादी-ब्याह नहीं करते हैं, लेकिन मायोंग के लोग करते हैं।

नक्सलियों ने जनअदालत लगाकर की उपसरपंच की हत्या

पीएलजीए सप्ताह से एक दिन पहले मोबाइल टावर जलाया, सड़क को भी जगह-जगह से काटा

कांकेर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांकेर जिले के अति नक्सल प्रभावित छोटे बेठिया थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने कांदाड़ी गांव के उपसरपंच की हत्या कर दी है। पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर नक्सलियों ने उपसरपंच को जन अदालत लगाकर मौत के घाट उतारा। एसपी दिव्यांग पटेल ने घटना की पुष्टि की है।

पीएलजीए सप्ताह से ठीक एक दिन पहले नक्सलियों ने पीवी-62 में स्थित मोबाइल टावर को भी आग के हवाले कर दिया। उन्होंने पीवी-62 से संगम जाने वाले मार्ग पर पक्की सड़क को जगह जगह से काट दिया है।

जानकारी के मुताबिक, 29 नवंबर को कांदाड़ी गांव के उपसरपंच रामसू कचलामी को नक्सली घर से उठाकर ले गए थे। नक्सलियों ने उपसरपंच पर पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर जन अदालत में मौत की सजा सुनाई। इसके बाद जन अदालत में ही उसकी धारदार

हथियार से हत्या कर दी गई।

एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि घटना को नक्सलियों ने अंजाम दिया है, लेकिन परिजन ने डर की वजह से अब तक थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। हालांकि पुलिस को जांच के लिए भेजा जा रहा है।

एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि नक्सलियों ने पीवी-62 में मोबाइल टावर में आगजनी की है और संगम जाने वाली सड़क को जगह-जगह से काट दिया है। इसकी वजह से आवागमन बाधित हो गया है। लगातार हो रही नक्सली वारदातों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण अपने खेत जाने से भी डर रहे हैं।

एसपी ने इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन तेज करने की बात कही है। बता दें कि 2 दिसंबर से नक्सली पीएलजीए सप्ताह मनाते हैं। इस बीच नक्सली गतिविधियां काफी तेज रहती हैं और वो बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं। इसे देखते हुए पुलिस लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है।

एग्जिट पोल पर सीएम बघेल ने कही बड़ी बात

टीएस सिंहदेव बोले- कांग्रेस को काम का फल मिलेगा

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल आ गए हैं। अधिकांश सर्वे में कांग्रेस को बढ़त का अनुमान है, पार्टी की भाजपा से कांटे की टक्कर है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में 7 नवंबर और 17 नवंबर को मतदान कराए जा चुके हैं। तीन दिसंबर को परिणाम आएंगे।

एग्जिट पोल कर लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि साथ एग्जिट पोल हुए हैं किसी के आंकड़े समान नहीं है लेकिन दो दिन बाद सभी एग्जिट पोल के आंकड़े समान हो जाएंगे।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि एग्जिट पोल चलने दीजिए, लेकिन सरकार तो कांग्रेस की ही बनेगी और भारी बहुमत से बनेगी। न्यूज 24 और चाणक्य के 57 के आसपास सीट बनने पर उन्होंने कहा कि उससे भी पार होगा। जो 57 है वह 75 होगा, इधर-उधर होगा। उन्होंने कहा कि हमें पूरा बहुमत है, हमें अपने काम पर विश्वास है और छत्तीसगढ़ की जनता के ऊपर भरोसा है।

वहीं, एग्जिट पोल पर डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि कम से कम यह संतोष का विषय है कि जो एग्जिट पोल में कांग्रेस को आगे दिखा रहे हैं और मेरा अभी भी यह मानना है कि 60 के आसपास तक कांग्रेस जाएगी। उन्होंने कहा कि जब आप सरकार में रहते हैं तो कई बार ऐसा होता है कि आप उम्मीद पर पूरा खरे नहीं उतर पाते हैं।

सरकार में आप जब रहेंगे तो आपने जितना काम किया, जो काम नहीं हुआ, वह ज्यादा सामने दिखता है, तो ऐसे परिस्थिति हमेशा किसी भी सरकार के सामने बनती है और अभी भी मेरा मानना है कि काम जो कांग्रेस ने किया है वह आपको दो तिहाई के आसपास देखने को मिलेगा।

संक्रमण की चपेट में जंगल सफारी के जानवर

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। नवा रायपुर अटल नगर में स्थित एशिया के सबसे बड़े जंगल सफारी में दुर्लभ वन्य प्राणी जानलेवा संक्रमण की चपेट में हैं। बीते एक हफ्ते में 24 चौसिंगा, तीन काले हिरण और एक नीलगाय की मौत हो गई। जंगल सफारी के सूत्र चार चौसिंगा, एक नीलगाय और एक काले हिरण की हालत चिंताजनक बता रहे हैं।

जंगल सफारी प्रबंधन के अधिकारी इसके बाद भी पूरे मामले में जानकारी देने से बच रहे है। सफारी के डायरेक्टर से लेकर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बना ली है। दूसरे अधिकारी से बात करने का हवाला देकर अधिकारी अपनी गर्दन बचा रहे हैं। और तो और पर्यटकों की जान भी खतरे में डाली जा रही है।

गृहमंत्री ने हजारीबाग में मनाया बीएसएफ स्थापना दिवस

अमित शाह बोले सीमा से हलचल की खबर आती है तब भी मैं आपकी वजह से चैन की नींद सोता हूं

रांची, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीमा सुरक्षा बल के जवानों को श्रद्धांजलि दी। झारखंड के हजारीबाग में अमित शाह बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल रहे बीएसएफ लगभग 2.5 लाख कर्मियों की ताकत के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है जो, हर साल 1 दिसंबर को स्थापना दिवस मनाता है। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं यहां उपस्थित हूं। 1900 से ज्यादा सीमा प्रहरियों ने अपनी जान का बलिदान देकर देश की रक्षा की है। लाखों सैनिक माइनस तापमान में, जंगल में और दुर्गम सीमाओं की चौकसी और सुरक्षा करता है उस पर पूरा देश गर्व करता है। जब - जब किसी सीमा पर दुश्मन ने जरा सी भी हलचल की तो मैं आपके भरोसे आराम की नींद सोता हूं। अगर एक बार प्रहरी मौका पर मौजूद हों तो चिंता करने की जरूरत नहीं है, मैं आप पर गर्व करता हूं। गृहमंत्री ने नक्सलवाद पर कहा यह सिमट रहा है। कल नक्सलवाद पर समीक्षा बैठक हुई थी। वो दिन दूर नहीं है जब देश वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जायेगा। पिछले दस सालों में जो प्रयास किया है उसका असर है कि हिंसा की घटनाओं में 52 प्रतिशत की कमी आयी है, मृत्यू की घटना में 70 प्रतिशत की कमी आयी है। नक्सल प्रभावित जिले 96 से घटकर 45 रह गये हैं और पुलिस स्टेशन भी 495 से घटकर 176 रह गये हैं। अब हमें हौसले और जोश के साथ अंतिम प्रहार के लिए तैयार हैं। नये कैंप की स्थापना और गश्त बढ़ने से इनकी संख्या में कमी आई है। बूढ़ा पहाड़ पूरी तरह मुक्त हो गया है। कुछ क्षेत्र में अंतिम लड़ाई जारी है, हम जीतेंगे। अमित शाह ने इस मौके पर कश्मीर, नार्थ ईस्ट का भी जिक्र करते हुए कहा इन सभी जगहों पर सुधार हुआ है। मैं इसका श्रेय भी बीएसएफ के जवानों को देता हूं।

दुनिया की सबसे बड़ी और बहादुर बार्डर गार्डनिंग फोर्स इसी बीएसएफ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। सिक्योरिटी फोर्स' की स्थापना 1 दिसंबर, 1965 को हुई थी। 1965 में, बीएसएफ की स्थापना 25 बटालियनों के साथ की गई थी और समय बीतने के साथ, पंजाब, जम्मू और कश्मीर और पूर्वोत्तर में आतंकवाद से लड़ने के लिए इनका इस्तेमाल हुआ। धीरे- धीरे इसका विस्तार भी हुआ बीएसएफ के पास 192 बटालियन और सात बीएसएफ आर्टिलरी रेजिमेंट हैं, जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करते हैं। बीएसएफ कश्मीर घाटी में घुसपैठ विरोधी, उत्तर पूर्व क्षेत्र में उग्रवाद विरोधी, राज्यों में नक्सल विरोधी अभियान में भी अहम भूमिका निभाता है।

सिंचाई विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर की संदिग्ध हालत में मौत

कोरबा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरबा जिले के सिंचाई विभाग में पदस्थ कार्यपालन अभियंता (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) राजेश धवनकर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। लाश घर में ही मिली है। शव पर चोट के निशान पाए गए हैं, साथ ही दाहिने साइड की पसली भी टूटी हुई हैं। ऐसे में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, घंटाघर के पास पावर हाइट्स के मून ब्लॉक के आवास क्रमांक- 304 में सिंचाई विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजेश धवनकर अपनी पत्नी के साथ रहते थे। दो बच्चे शहर से बाहर रहकर पढ़ाई करते हैं। गुरुवार को वो और उनकी पत्नी घर पर थे। शाम को पत्नी ने देखा कि वो बरामदे पर बेहोशी की हालत में गिरे पड़े हैं। उन्होंने फौरन पड़ोसियों को आवाज देकर बुलाया।

पड़ोसी की मदद से राजेश धवनकर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की जांच के बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। शव पर चोट के निशान पाए गए हैं। दाहिनी तरफ की पसली टूटी हुई है। सिर और सीने पर भी चोट के निशान हैं, ऐसे में हत्या की आशंका जताई गई है। सूचना के बाद मौके पर सीएसपी भूषण एक्का, सिटी कोतवाली प्रभारी रूपक शर्मा, सिविल लाइन थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय, मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेम साहू मौके पर पहुंचे। मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेम साहू ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह का खुलासा हो सकेगा, लेकिन मामला संदिग्ध है। मृतक की पत्नी और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि हफ्ते भर पहले पड़ोसी के साथ कार्यपालन अभियंता राजेश धवनकर का शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था। राजेश को शराब पीने की बुरी लत थी। पड़ोसी का कहना था कि शराब पीकर वो आए दिन हंगामा करते हैं। इसे लेकर पड़ोसी ने इंजीनियर के खिलाफ मानिकपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए भी बुलाया गया था। वहीं अगर ये हत्या है, तो घर में मौजूद पत्नी को इस बात का पता कैसे नहीं चला, इन सभी बिंदुओं पर फिलहाल जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने चार्टर्ड प्लेन बुक कराया

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव का परिणाम आने से पहले हॉर्स ट्रेडिंग से बचने की तैयारी कर ली है। पार्टी सूत्रों ने बताया- परिणाम आते ही जीते प्रत्याशियों को बेंगलुरु भेजने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए कांग्रेस ने 72 सीटर चार्टर्ड प्लेन भी बुक करा लिया है। इसमें जीते विधायकों के साथ ही पार्टी के नेता भी होंगे। कांग्रेस के लिए कर्नाटक सबसे सुरक्षित जगह है। वहां भी कांग्रेस की सरकार है। सूत्रों की मानें तो पार्टी ने सभी प्रत्याशियों से कहा है- जीत का सर्टिफिकेट मिलते ही उसे लेकर सीधे रायपुर चले आएं। वीआईपी रोड पर एक होटल में नवनिर्वाचित विधायकों के रुकने की व्यवस्था की जा रही है।

लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 में से 13 सीटें जीतने का इंडिया गठबंधन का लक्ष्य

सीएम सोरेन का बयान

मेदिनीनगर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को कहा कि इंडिया गठबंधन को 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 14 में से 13 सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारत गठबंधन के पीछे मजबूती से खड़ी है।

सोरेन ने यहां चतरा, पलामू, लातेहार और गढ़वा जिलों के झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने (भारत गठबंधन) लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। हमें राज्य

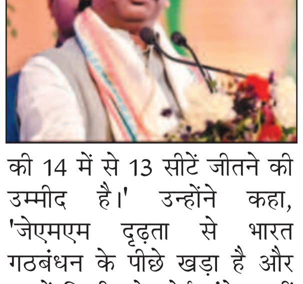

की 14 में से 13 सीटें जीतने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा, 'जेएमएम दृढ़ता से भारत गठबंधन के पीछे खड़ा है और इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।'

तीन दिसंबर के नतीजे करेंगे साबित

सोरेन ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बाहर निकलने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और पांच राज्यों, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के 3 दिसंबर के नतीजे इसे साबित करेंगे।

सीएम ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा झूठे वादों के कारण जनता के सामने बेनकाब हो गई है और लोग अगले लोकसभा चुनाव में उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने के लिए बाध्य हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने उनकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने के लिए ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय एजेंसियों सहित सभी ताकतों को तैनात कर दिया है। 2019 में, भाजपा-आजसू पार्टी गठबंधन ने झारखंड में 14 लोकसभा सीटों में से 12 सीटें जीतकर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस और झामुमो को एक-एक सीट मिली थी।

गुरपतवंत पन्नू केस को अमेरिका ने बताया गंभीर

ब्लिंकन बोले- भारत की जांच के नतीजों पर हमारी नजर

वाशिंगटन, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की ओर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की जांच का अमेरिका ने स्वागत किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पन्नू मामले पर भारत के रुख की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने बिल्कुल सही फैसला लिया है। साथ ही उन्होंने इसे गंभीर बताते हुए भारत से ऐक्शन लेने की भी उम्मीद की है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी घटना है, जिसे हमने बहुत गंभीरता से लिया है। इस मामले को हमने इसे सीधे भारत सरकार के सामने उठाया। भारत सरकार की ओर से अब इसकी जांच की घोषणा की गई है। यह एक अच्छा और उचित कदम है। मैं अब ये देखने को उत्सुक हूं कि इस जांच के नतीजे क्या निकलते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस मामले पर ज्यादा कुछ बोलने से इनकार करते हुए कहा, अदालत में फिलहाल ये केस चल रहा है।

कोर्ट में जिस केस की सुनवाई चल रही हो, उस पर मैं बहुत विस्तार से टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। मैंने पहले भी कहा है और फिर ये कह सकता हूं कि हम इस मामले में बहुत गंभीर हैं। हमने कई माध्यमों से बीते हफ्तों इस मामले को सीधे-सीधे भारत सरकार के समक्ष उठाया और जांच की मांग की। जिसे भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया है। भारत की ओर से अमेरिका के उन आरोपों की जांच की घोषणा की गई है, जिनमें कहा गया है एक भारतीय अधिकारी ने अमेरिका में खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू की हत्या की साजिश रची थी।

उच्च स्तरीय समिति करेगी जांच

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका की ओर से कुछ अपराधियों और गिरोह से जुड़ी सूचनाएं साझा की गई हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। रिपोर्ट के बाद भारत सरकार इस समिति की सिफारिशों के आधार पर फैसला करेगी। हालांकि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मामले को सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बताते हुए ज्यादा विस्तार से बात करने से इनकार कर दिया। ये मामला भारत की ओर से घोषित आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश से जुड़ा है। अमेरिका ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। बता दें कि हाल ही में अमेरिका ने एक रिपोर्ट के आधार पर भारत पर आरोप लगाया है कि इस साल जून में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रची गई थी, जिसे नाकाम कर दिया गया। इस साजिश में भारत सरकार के शामिल होने की बात अमेरिका ने कही है। आरोप में कहा गया है कि भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने पन्नू की हत्या के लिए सुपारी दी थी। ये काम उसने भारत में बैठे एक शख्स के इशारे पर किया था। अमेरिका और कनाडा का नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू स्वतंत्र सिख देश खालिस्तान बनाने के अभियान में शामिल है और 'सिख्स फॉर जस्टिस' नाम का संगठन चलाता है। गुरपतवंत पन्नू को भारत ने साल 2020 में आतंकवादी घोषित किया था।

लंबे समय से चल रहा तिब्बत-चीन विवाद का अब होगा समाधान!

संसदीय समिति ने बातचीत को लेकर विधेयक को दी मंजूरी

वॉशिंगटन, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। एक शक्तिशाली संसदीय समिति ने लंबे समय से चले आ रहे तिब्बत-चीन विवाद को सुलझाने का फैसला लिया है। दरअसल, समिति ने दलाई लामा के दूतों के साथ बातचीत के लिए चीन पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रयासों को मजबूत करने वाले विधेयक को मंजूरी दी है।

तिब्बत प्राचीन काल से चीन का नहीं है हिस्सा

सदन की विदेश मामलों की समिति ने विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया है। इसमें चीन के इस दावे को भी गलत बताया गया है कि तिब्बत प्राचीन काल से चीन का हिस्सा रहा है। सदन की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि यह विधेयक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) और तिब्बत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेताओं के बीच बातचीत की आवश्यकता पर जोर देता है। किसी भी मामले में जब बात हो तो उसमें तिब्बती लोगों को भी सुनना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'तिब्बत के लोग लोकतंत्र को पसंद करते हैं। वो अपने धर्म के अनुसार जीना चाहते हैं। अमेरिका की तरह ही उनकी भी इच्छाओं को तवज्जो देना चाहिए। हम जिन स्वतंत्रताओं का आनंद लेते हैं, हम चाहते हैं कि तिब्बत के लोग भी उसका आनंद लें।'

यह विधेयक पिछले साल संसदीय समिति के सदस्य जिम मैकगवर्न, माइकल मैककॉल के साथ-साथ सीनेटर जेफ मर्कले और टॉड यंग द्वारा पेश किए गए कानून का संशोधित संस्करण है। साल 2010 से रुकी हुई वार्ता एक बार फिर शुरू होने की उम्मीद है। यह विधेयक चीनी सरकार पर दलाई लामा के दूतों या तिब्बती लोगों के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेताओं के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए दबाव डालेगा। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने सदन की विदेश मामलों की शक्तिशाली समिति के अध्यक्ष माइक रोजर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र समेत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की।

रोजर्स के साथ संधू की गुरुवार को बैठक पिछले महीने नई दिल्ली में 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद हुई है। इस साल भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग में जहाज मरम्मत, जेट इंजन निर्माण, रक्षा औद्योगिक रोडमैप और राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण विधेयक में सकारात्मक प्रगति देखी गई।

संधू ने कहा, 'सदन की सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष माइक रोजर्स के साथ फिर से मिलना और रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी), आईसीईटी (महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पर पहल) और ज्ञान क्षेत्र समेत भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा को आगे बढ़ाना शानदार रहा।'

रूस ने एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर लगाया प्रतिबंध

मॉस्को, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के सुप्रीम कोर्ट ने देश में एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के कानून मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, अब रूस में एलजीबीटीक्यू संबंधित गतिविधियां कट्टरपंथी गतिविधि मानी जाएगी। रूस के कानून मंत्रालय का कहना है कि एलजीबीटीक्यू मूवमेंट सामाजिक और धार्मिक टकराव को बढ़ावा देता है। इस प्रतिबंध के बाद रूस में कई एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है, जिसके चलते कई लोग देश छोड़कर भागने की भी तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि अगले साल मार्च में रूस में राष्ट्रपति चुनाव होना है। ऐसे में माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की विदेशी एजेंडा के खिलाफ कार्रवाई के तहत एलजीबीटीक्यू मूवमेंट को प्रतिबंधित किया गया है।

'पश्चिम का प्रोपेगेंडा'

बता दें कि रूस एलजीबीटीक्यू मूवमेंट को पश्चिमी प्रोपेगेंडा मानता है। वहीं रूसी राष्ट्रपति पुतिन पारंपरिक मूल्यों के समर्थक हैं। बीते साल अपने एक भाषण में भी पुतिन ने कहा था कि पश्चिमी देश नए ट्रेंड्स जैसे गे परेड आदि का स्वागत करते हैं लेकिन उन्हें इसे अन्य देशों पर नहीं थोपना चाहिए। तीन साल पहले रूसी संविधान में बदलाव किया गया था, जिसमें साफ किया गया था कि एक पुरुष और महिला के यूनियन को ही शादी माना जाएगा। समलैंगिक संबंधों को मान्यता नहीं दी जाएगी। एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर प्रतिबंध लगाने के मामले की सुनवाई रूसी सुप्रीम कोर्ट में बंद दरवाजे में हुई और सिर्फ पत्रकारों को ही कोर्ट की सुनवाई में शामिल किया गया।

इजराइल-हमास में फिर शुरू हुई जंग

गाजा में आईडीएफ की बमबारी, सीजफायर के आखिरी दिन रिहा हुए 8 इजराइली बंधक

यरुशलम, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास के बीच हफ्तेभर के सीजफायर के बाद फिर जंग शुरू हो गई है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक गाजा में आईडीएफ ने बमबारी शुरू कर दी है। वहीं इजराइल के होलित इलाके में रॉकेट अलर्ट जारी किया गया है। आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर का उल्लंघन करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वो गाजा में हमास को मिटाने का ऑपरेशन फिर से शुरू कर रहे हैं।

हमास ने कहा है कि इजराइल ने सुबह राफा के पास बमबारी की इसमें 6 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वो हमास और बंधकों को नहीं छोड़ना चाहता था। इस वजह से सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। हमास ने महिलाओं को रिहा नहीं किया और इजराइल पर रॉकेट दागना शुरू कर दिए।

7 दिन की सीजफायर में हमास ने 110 इजराइलियों को रिहा किया है। सीजफायर के आखिरी दिन 8 इजराइली बंधकों को आजाद किया गया। इनमें से 2 महिलाएं गुरुवार दोपहर में ही रिहा कर दी गई थीं। 6 बंधकों को शाम को रिहा किया गया। बदले में इजराइल ने 30 फिलिस्तीनियों को रिहा किया। इनमें 22 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं।

हमास की कैद से रिहा किए गए बच्चों ने दावा किया है कि आतंकियों ने उनकी पहचान करने के लिए उनके पैर जलाए। इसके लिए मोटरसाइकिल के एग्जॉस्ट का इस्तेमाल किया गया। सभी बच्चों को मोटरसाइकिल पर बैठाया और उनके पैर जलते हुए एग्जॉस्ट पर रखे गए। इजराइली मीडिया हाउस यरुशलम पोस्ट के मुताबिक 12 साल के यागिल और 16 साल के याकोव ने रिहाई के बाद ये बातें अपने परिवार वालों को बताईं। उनके अंकल यानिव ने ये भी बताया की हमास ने ड्रग्स का इस्तेमाल कर उन्हें बार-बार एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट किया। इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री ने दोनों बच्चों की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की हैं। उन्होंने लिखा की हमास के लड़ाके राक्षस हैं उन्हें खत्म करना ही होगा।

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हमास ने 7वें बैच में 40 साल की अमित सौसना को आजाद किया। सौसना किबुत्ज कफार अज्जा में रहती हैं। 7 अक्टूबर को हमास हमले के दौरान सौसना ने अपने परिवार से बात की थी। उन्होंने बताया था कि घर के बाहर आतंकी हैं। ये बोलने के बाद घर में गोलीबारी होने लगी। घरवाले नहीं जानते थे कि सौसना को क्या हुआ है। 29 अक्टूबर को सेना ने जानकारी दी कि हमास ने उन्हें बंधक बना लिया है।

चीन के बाद अब अमेरिका में निमोनिया की रहस्यमयी लहर

ओहियो में 145 बच्चे बीमार

वाशिंगटन, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में कहर बना निमोनिया अब अमेरिका तक पहुंच चुका है। अमेरिका के ओहियो के वरिन काउंटी में निमोनिया से 145 बच्चे बीमार बताए जा रहे हैं। वरिन काउंटी जिला स्वास्थ्य संस्थान की रिपोर्ट है कि पेडियेट्रिक निमोनिया के मामलों की बढ़ती संख्या राज्य में प्रकोप की परिभाषा को पूरा करती हैं। अगर बच्चों में निमोनिया के मामले ऐसे ही बढ़ते रहे तो जल्द ही ओहियो में निमोनिया को लेकर स्वास्थ्य आपातकाल भी लगाया जा सकता है। कोविड महामारी के बाद से ही अमेरिकी स्वास्थ्य व्यवस्था लचर हालत से जूझ रही है। ऐसे में निमोनिया के बढ़ते मामले संकट को और ज्यादा बढ़ा सकते हैं।

वरिन काउंटी के स्वास्थ्य विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि हमें नहीं लगता कि यह कोई नई/नई श्वसन बीमारी है, बल्कि आम तौर पर एक समय में देखे जाने वाले निमोनिया के मामलों की संख्या में बड़ी वृद्धि हुई है। वर्तमान में, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि उन्हें सभी बीमारियों से जुड़ा कोई सामान्य खतरा नजर नहीं आ रहा है, हालांकि यह अब भी पहले से जारी जांच का हिस्सा है। उनका कहना है कि उन्होंने जिन मरीजों को देखा है उनकी औसत उम्र 8 साल है। उनका कहना है कि ये मामले कई स्कूलों से संबंधित हैं।

भारत आकर झूठ बोल रही अंजू

नसरुल्ला ने खोली पोल, बच्चे नहीं यह है पाकिस्तान से भागने की असल वजह

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में करीब 5 महीने तक रहने के बाद अंजू एक बार फिर से भारत लौट आई है। वाघा बॉर्डर के रास्ते अंजू ने एक बार फिर से भारत में प्रवेश किया। अंजू और नसरुल्ला ने दोनों इस वापसी से पहले दावा किया था कि वह अपने बच्चों से मिलने के लिए भारत जा रही है। अंजू ने भी भारत आकर यही दोहराया है कि वह अपने बच्चों से मिलने के लिए आई है। हालांकि अब नसरुल्ला ने अंजू के इस दावे की पोल खोल दी है और पाकिस्तानी मीडिया से बातचीत में भारतीय महिला के पाकिस्तान छोड़ने की असल वजह बता दी है। नसरुल्ला ने बताया कि अंजू का एक महीने का वीजा पहले खत्म हो गया था और पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बार-बार गुहार लगाने के बाद भी उसे नहीं बढ़ाया।

इसके बाद अंजू को भारत वापस जाना पड़ा। नसरुल्ला ने उम्मीद जताई है कि दो से तीन महीने में एक बार फिर से अंजू वापस पाकिस्तान आ जाएगी। नसरुल्ला ने पाकिस्तानी मीडिया से बातचीत में खुलासा किया कि अंजू का एक महीने का पाकिस्तानी वीजा पहले ही खत्म हो गया था। ऊपरी दीर इलाके में रहने वाले नसरुल्ला ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सामने कई बार वीजा बढ़ाने की गुहार लगाई लेकिन कुछ दिक्कतों की वजह से इसे अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। नसरुल्ला ने बताया कि अंजू को वीजा मिलने की औपचारिक प्रक्रिया पूरा होने में अभी 4 महीने से लेकर 1 साल तक लग सकता है। नसरुल्ला ने कहा कि जब अंजू या फातिमा का वीजा नहीं बढ़ाया गया तो उसने भारत वापस जाने का फैसला किया। यही नहीं अंजू ने पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय को दी गई वीजा बढ़ाने की अपनी याचिका को भी वापस ले लिया। नसरुल्ला ने बताया कि भारत लौटने से पहले उसने अंजू के लाहौर में फेयरवेल पार्टी दी। नसरुल्ला ने कहा कि अगर अंजू का वीजा एक साल के लिए बढ़ाया गया होता तो अच्छा रहता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नसरुल्ला ने यह भी उम्मीद जताई कि अंजू 3 महीने बाद फिर से पाकिस्तान वापस आ सकेगी। नसरुल्ला ने यह भी कहा कि अगर उसे भारत का वीजा मिलता है तो मैं भी अंजू को फिर से पाकिस्तान वापस ले आऊंगा। इस बीच भारत पहुंची अंजू से उसके बच्चों ने मिलने से इंकार कर दिया है। वहीं भारत आने के बाद अब अंजू कहां है, यह कोई नहीं बता रहा है। अंजू न तो भिवाड़ी गई है और न ही अब तक बच्चों से मिली है।

फ्लाइट में सीट बदलने के लिए यात्री को किया मजबूर

इस्तांबुल, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल ही में इस्तांबुल से किलिमंजारो जा रही टर्किश एयरलाइंस की उड़ान में एक यात्री अपनी एक्स्ट्रा लेगरूम सीट के साथ सफर कर रहा था। लेकिन, उसे एक जोड़े के साथ अपनी सीट की अदला-बदली करने के लिए मजबूर किया गया। कोंडे नास्ट ट्रैवलर ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना सितंबर के महीने में हुई। टॉड प्लमर ने एक टिकट बुक किया था और उन्हें 11डी की पेशकश की गई थी। उनकी लंबाई 6 फुट 2 इंच है, इसलिए उन्होंने एक्स्ट्रा लेगरूम के साथ सीट बुक की थी। यह सीट मिलने से वह खुश थे, लेकिन उनकी यह खुशी कुछ क्षणों तक के लिए ही रही। दरअसल, क्रू मेंबर्स ने डबल बुकिंग के कारण उनसे अपनी सीट एक जोड़े के साथ बदलने को कहा। प्लमर के मुताबिक, गेट एजेंट ने उनसे कहा कि उन्हें 9डी सीट के साथ एडजस्ट होना पड़ेगा।

पाकिस्तान सरकार ने बढ़ाई इमरान खान की टेंशन

सिफर मामले में जेल में मुकदमा चलाने को दी मंजूरी

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के मंत्रिमंडल ने सुरक्षा कारणों से जेल में सुनवाई करने संबंधी विशेष अदालत के फैसले के बाद बृहस्पतिवार को 'सिफर' मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ मुकदमा जेल में ही चलाये जाने को मंजूरी दे दी। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खान के खिलाफ मुकदमा जेल में ही चलाने रखने का फैसला किया था। 'जियो न्यूज' ने अधिकारियों के हवाले से अपनी खबर में कहा कि अदालत के आदेश के बाद, जेल में ही सुनवाई किये जाने की रिपोर्ट कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा पेश की गई और इसे मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दे दी गई।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान गत 26 सितंबर से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं जहां पिछले सप्ताह तक उनके खिलाफ उच्च सुरक्षा वाली

जेल में ही सुनवाई चल रही थी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह कार्यवाही को अनुचित करार देते हुए इसके खिलाफ व्यवस्था दी थी। विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुअल हसनत जुल्करनैन ने मंगलवार को इस्लामाबाद स्थित 'फेडरल ज्यूडीशियल कॉम्प्लेक्स' में सिफर मामले में सुनवाई की थी। सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने खान को सुनवाई के लिए पेश नहीं किया था।

अधिकारियों द्वारा अदालत में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, ''यह सूचना दी गई है कि पीटीआई अध्यक्ष को एक गंभीर स्तर का सुरक्षा जोखिम है।'' मामले में सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने अगली सुनवाई में दोनों के खिलाफ मुकदमा जेल में खुली अदालत में चलाने की मंजूरी दी थी। मामले की अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी।

सिफर मामले में पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी एक आरोपी हैं। इस मामले की सुनवाई 15 अगस्त को शुरू हुई थी और खान और कुरैशी को 23 अक्टूबर को दोषी ठहराया गया था।

म्यांमार में बंद करो लड़ाई, नहीं तो.. चीनी सेना ने भेजा युद्धपोत

विद्रोहियों और सैन्य जुंता को दी चेतावनी

बीजिंग, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। म्यांमार में चल रही लड़ाई पर चीन की सेना ने अब बहुत सख्त चेतावनी दी है। चीनी सेना ने एक बयान जारी करके कहा है कि वह म्यांमार की सीमा पर किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए पूरी तैयार से है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध को लेकर बहुत ही ज्यादा चिंतित है। पीएलए ने कहा कि म्यांमार में युद्धरत सभी पक्ष जल्द से जल्द लड़ाई को बंद कर दें और अपने विवाद को बातचीत के जरिए सुलझा लें। चीनी रक्षा मंत्रालय का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पीएलए ने म्यांमार की सीमा पर सैन्य अभ्यास किया है और घातक तोपें तैनात की हैं। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू किआन ने यह टिप्पणी गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में की। वू ने कहा कि चीन उत्तरी म्यांमार के हालात पर करीबी नजर रखे हुए है। साथ ही शांति बहाली के लिए काम कर रहा है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले शनिवार को शुरू हुए चीनी सेना के दक्षिणी थिएटर कमांड के तीन दिवसीय युद्धक अभ्यास में सैनिकों ने हिस्सा लिया। यह अभ्यास म्यांमार की सीमा के पास चीनी इलाके में हुआ है। वू ने कहा कि चीनी सेना के इस अभ्यास का उद्देश्य सैनिकों की सीमा को बंद करने और तेजी से एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाने की क्षमता की जांच की गई। ताकि सीमा क्षेत्र में सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके और स्थिरता बनाए रखा जाए। वहीं चीनी सेना के एक विशेषज्ञ ने ग्लोबल टाइम्स से कहा कि इस सैन्य अभ्यास का मकसद चीन के राष्ट्रीय संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा करना था। चीनी सेना ने जहां जमीन पर सीमा के पास जोरदार सैन्य अभ्यास किया है, वहीं चीनी नौसेना के दो घातक युद्धपोत भी अब म्यांमार पहुंच गए हैं।

मिसौरी यूनिवर्सिटी में पढ़ने आया भारतीय छात्र को सात महीने तक बंधक बनाकर रखा

जबरन घरों में काम भी कराया

मिसौरी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मिसौरी में एक 20 वर्षीय भारतीय छात्र को कई महीनों से बंधक बनाकर रखा गया, जिसे अमेरिकी अधिकारियों ने आखिरकार बचा लिया। दरअसल, छात्र के चचेरे भाई और दो अन्य व्यक्ति ने उसे तीन घरों में काम करने के लिए मजबूर किया था।

अमेरिका के मिसौरी में पीड़ित को तीन अलग-अलग घरों में महीनों तक बंधक बनाकर रखा गया। बुधवार को पुलिस सेंट चार्ल्स काउंटी में ग्रामीण हाईवे के एक घर पर पहुंची। बाद में उन्होंने वेंकटेश आर सत्तारु, श्रवण वर्मा पेनुमेच्छा और निखिल वर्मा पेनमत्सा को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ मानव तस्करी, अपहरण और हमला करने का आरोप लगाया गया है।

स्थानीय नागरिक ने दी पुलिस को सूचना

छात्र की परिस्थिति के बारे में मालूम चलने पर एक स्थानीय नागरिक ने 911 नंबर पर फोन करके पुलिस को इसकी जानकारी दी। फिलहाल पीड़ित सुरक्षित है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। आरोप में बताया गया कि आरोपियों ने पीड़ित को सात महीने तक बेसमेंट में बंधक बनाकर रखा था। उसे जमीन पर सोने के लिए मजबूर किया गया। इस दौरान पीड़ित को बाथरूम भी नहीं जाने दिया गया था।

अभियोजक जो मैक्कुलोच ने कहा, 'एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के साथ ऐसा कर सकता है। यह अमानवीय है।' जांचकर्ताओं ने सत्तारु की पहचान रिंगलीडर के

तौर पर की है। वह ओ फेलोन में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। मुख्य आरोपी सत्तारु पर गुलामी के मकसद और दस्तावेजों के दुरुपयोग से मानव तस्करी करने के मामले में अतिरिक्त आरोप लगाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि भारतीय छात्र पिछले साल भारत से अमेरिका मिसौरी यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लक्ष्य से आया था। उसे अप्रैल के शुरू में सत्तारु के घर पर ले जाया गया, जहां उससे सुबह के साढ़े चार बजे तक जबरन काम कराया गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह रोजाना केवल तीन घंटे सोता था। उसने बताया कि ठीक से काम पूरा नहीं होने पर उसे पीटा भी जाता था और नग्न होने के लिए भी मजबूर किया जाता था।

बुधवार की सुबह पुलिस सत्तारु के घर पर पहुंचीं, लेकिन वहां मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि वे अंदर नहीं आ सकते हैं। इसी दौरान पीड़ित भागता हुआ बेसमेंट से बाहर आया। उसके शरीर पर मारपीट के निशान थे और वह डर से कांप रहा था। अभियोजक मैक्कुलोच ने बताया कि पीड़ित को मुक्कों से पीटा जाता था और इलेक्ट्रिक झटके भी दिए जाते थे। उसे भूखा भी रखा जाता था और बाथरूम जाने के लिए बहुत कम अनुमति दी जाती थी।

3 महीने से कोचिंग नहीं जा रही थी निशा

पिता बोले– पढ़ाई में अव्वल थी, खुद जिद करके कोटा आई थी; हॉस्टल में स्प्रिंग डिवाइस ही नहीं था

कोटा,1 दिसंबर (एजेंसियां)। पिता से बात करने के बाद हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर लटकी निशा (21) पिछले 3 महीने से कोचिंग नहीं जा रही थी। जिस हॉस्टल में रह रही थी, वहां पंखे पर स्प्रिंग डिवाइस ही नहीं लगा था। कोटा कलेक्टर महावीर प्रसाद मीणा ने इस संबंध में इंस्टीट्यूट और हॉस्टल से 3 दिन में जवाब मांगा है। इधर, निशा के पिता ने बताया है कि पहले तो वह ऑनलाइन पढ़ाई कर रही थी लेकिन, जब उसके अच्छे नंबर आए तो उसने कोटा आकर कोचिंग में पढ़ाई करने की जिद की थी। तब वे उसे लेकर यहां आए थे। उन्होंने कहा- निशा को सिरदर्द की समस्या थी। उसके दिमाग में कुछ प्रॉब्लम थी।

नीट की तैयारी कर रही उत्तर प्रदेश के औरैया जिले की रहनी वाली निशा यादव (21) बुधवार रात को सुसाइड कर लिया।

नीट की तैयारी कर रही उत्तर प्रदेश के औरैया जिले की रहनी वाली निशा यादव (21) बुधवार रात को सुसाइड कर लिया।

गुरुवार को अपनी बेटी निशा का शव लेने आए पिता ओसान सिंह कुछ समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो निशा ने सुसाइड कर लिया। पिता ओसन सिंह ने बताया- निशा को पढ़ाई को लेकर कोई परेशानी नहीं थी। ना ही उसे कोई प्रेशर था। सालभर पहले वो ओरैया में ही रहकर ऑनलाइन पढाई कर रही थी। इस दौरान टेस्ट में उसके अच्छे नंबर आए थे। उसके 412 नंबर आने से उसका कॉन्फिडेंस भी बढ़ा था। पिता ओसान सिंह ने बताया कि इसके बाद उसने जिद की और कहा- उसे कोटा जाकर पढ़ना है। उसने कहा था कि वह ऑनलाइन स्टडी से अच्छा परफॉर्म कर पाएगी। इसलिए 6 महीने पहले मैं उसे कोटा लेकर आया था। निशा तो रो-रो कर जिद करके खुद अपनी मर्जी से कोटा आई थी। मई के महीने में ही उसका एडमिशन करवाया था। हर महीने टेस्ट हो रहे थे और कोचिंग से उसकी डिटेल भी मेरे पास पहुंच रही थी। पढ़ाई की कोई समस्या नहीं थी। होती तो हमें वह पहले बताती।

पिता ने कहा- स्पष्ट तौर पर तो हमें भी नहीं मालूम कि उसके साथ क्या हुआ उसके दिमाग में क्या चल रहा था। कारण तो उसके साथ ही चला गया। हां, उसके दिमाग में थोड़ी प्रॉब्लम थी। उसके सिर दर्द की शिकायत रहती थी। इसके लिए मैं उसका हालचाल जानने कोटा हर महीने एक चक्कर लगा लेता था। मई में एडमिशन कराने के बाद 4-5 बार गांव लेकर भी गया हूं।

तीन की हत्या से पहले डरावने कैरेक्टर की फोटो लगाई

मर्डर के बाद जयपुर पुलिस को चुनौती देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा– हम बदला लेना जानते हैं

जयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में मालवीय नगर के झालाना में तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले शिव प्रताप सिंह पर हत्या का इतना भूत सवार था कि उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हॉरर मूवी के एक कैरेक्टर की फोटो की खंजर के साथ बनाकर डीपी लगा रखी थी। साथ ही जयपुर पुलिस को चुनौती देते हुए आरोपी ने हत्याकांड के बाद गुरुवार देर शाम करीब 7 बजे अपने अकाउंट से एक स्टोरी अपलोड की, जिसमें लिखा था कि हम बदला लेना जानते हैं। साथ ही बैकग्रांउड में चुनौती भरा हरियाणवी सॉन्ग भी लगा रखा है।

आरोपी शिव प्रताप तोमर ने वर्ष 1993 में रिलीज हुई खिलौना बना खलनायक मूवी के खलनायक बने बाबला की फोटो को एक खंजर (चाकू) के साथ लगा रखी है। मूवी में बावला जैसे-जैसे लोगों को मार रहा था। आरोपी उसी तरह बिना रहम किए मां के साथ-साथ दो मासूम का भी गला रेत दिया।

शिवप्रताप का सोशल मीडिया अकाउंट एक्टिव है

इसके अलावा आरोपी ने पुलिस को चुनौती देते हुए खुद के नाम से संचालित सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो के साथ स्टोरी अपलोड की हैं। इस पर लिखा हुआ था कि हम बदला लेना जानते हैं। ये फोटो किसी हेयर सैलून के बाहर खिंची गई है। अकाउंट अपडेट की सूचना मिलते ही पुलिस भी सक्रिय हो गई और अकाउंट की डिटेल खंगालने में जुटी है। पुलिस पता लगा रही है कि आरोपी का अकाउंट कहां पर एक्सिस हुआ है और किसने किया है।

क्या है मामला

जयपुर में 29 नवंबर को आरोपी शिव प्रताप सिंह ने घर में घुसकर 2 बच्चों और उनकी मां की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद शरीर पर जगह-जगह चाकू से वार किए। तीनों की बॉडी पर दर्जनों घाव के निशान मिले। घटना मालवीय नगर थाना इलाके में झालाना स्थित खटीकों के मोहल्ले की है। आरोपी शिव प्रताप सिंह ने उत्तराखंड के लक्ष्मण सिंह बिष्ट की पत्नी सुमन (23), बेटे जिव्यांश (5) और हव्यांश (2) की निर्मम हत्या कर दी।

इधर लक्ष्मण की मां गीता बार-बार रोते हुए अपने पोतों के शव की तरफ लिपटने के लिए दौड़ रही थी। मौजूद परिजनों ने उन्हें संभाला और कमरे में ले गए। गीता रोते हुई बोली आरोपी की मां से मेरा झगड़ा हुआ तो मेरे से बदला ले लेता मेरे परिवार को क्यों उजाड़ा। इन मासूमों का क्या कसूर था। अगर आरोपी को मेरे से तकलीफ थी तो मेरे को बता देता मैं पैर पकड़कर माफी मांग लेती।आरोपी ने जिस तरह तिहरे हत्याकांड की वारदात को अंजाम दिया हैं, कॉलोनी के लोगों की जुबां पर एक ही नाम था कि ये दरिंदा साइको किलर है। क्योंकि पड़ोसियों के बीच छोटी-मोटी बातों को लेकर कहासुनी होती रहती है। पुलिस को अंदेशा है कि सुमन जब बच्चों को लेने के लिए जब बाहर निकली तो उसी दौरान आरोपी उनके मकान में जाकर छिप गया।

बुधवार को हुए हत्याकांड के बाद कॉलोनी की कई महिलाएं और बच्चों को तीनों की मौत के बारे में पता नहीं चला। क्योंकि घरवालों को हॉस्पिटल में भर्ती होने की बात बताई थी, लेकिन गुरुवार दोपहर में जैसे ही तीनों के शव घर पहुंचे तो हजारों लोग एकत्र हो गए, जिनमें कॉलोनी की महिलाएं और बच्चे शामिल थे। दो मासूम बच्चों के साथ जैसे तीनों की अर्थी उठी तो वहां मौजूद सभी की आंखों से आंसू छलक पड़े। कुछ महिलाओं ने कहा कोई दरिंदा बच्चों को कैसे मार सकता है।

मुनेश गुर्जर का निलंबन रद्द, हेरिटेज निगम मेयर बनी रहेंगी

हाईकोर्ट ने दूसरी बार रद्द किया निलंबन, जांच को दुर्भावनापूर्ण बताया

जयपुर, राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर जयपुर हेरिटेज नगर निगम की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर का निलंबन रद्द कर दिया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने निलंबन आदेश को रद्द करते हुए स्वायत्त शासन विभाग की जांच को दुर्भावनापूर्ण बताया। वहीं, एक महीने में फिर से जांच करने के निर्देश भी दिए।

मुनेश के वकील विज्ञान शाह ने बताया- कोर्ट ने अपने आदेश में मेयर के खिलाफ की गई प्रारंभिक जांच को दुर्भावनापूर्ण माना है। हमने कोर्ट को बताया था कि जिस अधिकारी को सरकार ने पिछले निलंबन के दौरान कोर्ट में ओआईसी नियुक्त किया था। उसी को जांच अधिकारी नियुक्त कर दिया गया। उसने मेयर को ऐसे आरोपों को लेकर नोटिस थमा दिया, जो उन पर लगे ही नहीं थे। वहीं, मेयर ने दस्तावेज प्राप्त करने के लिए जो अर्जी दी थी। उसे ही उनका जवाब मान लिया। ऐसे में मेयर को अपना पक्ष रखने का मौका ही नहीं दिया गया। दुर्भावनापूर्ण तरीके से उन्हें निलंबित कर दिया गया।

एक ही मामले में दो समानांतर जांच नहीं हो सकती

उन्होंने कहा- मुनेश गुर्जर को 11 सितंबर को डीएलबी डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर ने नोटिस जारी किए, क्योंकि डायरेक्टर उच्चाधिकारी है। ऐसे में मेयर डायरेक्टर के सामने उपस्थित हो गईं। वहीं, मामले से जुड़े दस्तावेज दिलाने की मांग की। दूसरी ओर सरकार ने डिप्टी डायरेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर 22 सितंबर को मेयर को निलंबित कर दिया, जो कि नि य म विरूद्ध है।

एक मामले में दो समानांतर जांच नहीं चलाई जा सकती है।

दरअसल, मुनेश गुर्जर को 22 सितम्बर को सरकार ने दूसरी बार निलंबित कर दिया था, जिसे आज हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इससे पहले भी मेयर को 5 अगस्त को निलंबित किया गया था। जिसे भी हाईकोर्ट रद्द कर दिया था।

हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को 22 सितंबर के आदेश से दोबारा निलंबित करने के मामले में हाईकोर्ट में मंगलवार को बहस पूरी हो गई थी। कोर्ट ने मामले में फैसला बाद में देना तय किया था। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह निर्देश मुनेश गुर्जर की याचिका पर दिया था। मुनेश की ओर से दलील देते हुए कहा गया था कि राज्य सरकार ने प्रार्थिया का निलंबन नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत किया है। उसके खिलाफ जिन तथ्यों पर जांच हुई हैं, वे एफआईआर से ही साबित नहीं हो पाए थे। वहीं, मामले में जांच अधिकारी नियुक्त करने का आदेश डीएलबी निदेशक ने निकाला, जबकि ऐसा आदेश राज्यपाल के निर्देशों के तहत ही जारी हो सकता है। इसके अलावा रूल्स ऑफ बिजनेस के तहत मेयर से संबंधित किसी भी कार्रवाई के लिए सीएम से भी अनुमोदन जरूरी है, लेकिन उनका निलंबन व जांच की कार्रवाई स्वायत्त शासन मंत्री के आदेश पर की गई है।

जयपुर में बिजनेसमैन को सम्मोहित कर 6 लाख लूटे

साइटिका बीमारी के इलाज के बहाने आए थे घर, मौत का दिखाया डर

जयपुर,1 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक बिजनेसमैन को सम्मोहित कर 6 लाख रुपए की लूट का मामला सामने आया है। इलाज के बहाने डॉक्टर बनकर दो बदमाश उनके घर आए थे। सम्मोहित होने पर बुजुर्ग बिजनेसमैन को बेसुध कर 210 शीशी पस निकालना बताकर रुपए ऐंठ ले गए। पीड़ित बिजनेसमैन ने मालपुरा गेट थाने में FIR दर्ज करवाई है।

हेड कॉन्स्टेबल गोपाल ने बताया- सांगानेर के रहने वाले 60 साल के बिजनेसमैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह पिछले काफी समय से साइटिका नामक बीमारी से ग्रस्त है। उनको चलते-फिरने और उठने-बैठने में प्रॉब्लम आती है। 16 नवंबर को दुकान खोलते समय राहुल नाम का एक लड़का आया। उसने कहा- आपको देखकर लगता है कि आप साइटिका बीमारी से ग्रस्त है। मेरी माताजी भी पहले इस बीमारी से परेशान थी। अब वह बिल्कुल ठीक हो गई है और आम आदमी की तरफ दौड़ती-चलती है। विश्वास में लेने के लिए अपनी मां का नाम आशा बताया और बात भी करवाई।

युवक ने इलाज के लिए डॉक्टर आर. मर्चेंट का मोबाइल नंबर दिया और कहा कि डॉक्टर आर. मर्चेंट एक विख्यात डॉक्टर है, जो पूरे इंडिया में आम लोगों की भलाई के लिए घूम-घूम कर शर्तिया इलाज करते हैं। आपका भी इलाज कर 100 प्रतिशत ठीक कर देंगे। इलाज के लिए उनका काफी लंबे समय का इंतजार करना पड़ता है। वह एक महीने में सिर्फ एक बार ही जयपुर आते हैं। 2 दिन के लिए मानसरोवर में इलाज के लिए आ रहे हैं। घर आकर इलाज करने के लिए 1 हजार रुपए फीस लेते हैं।

पीड़ित ने बताया कि विश्वास में आकर उसने डॉक्टर आर. मर्चेंट से बात की। इसके बाद 18 नवंबर को दोपहर करीब 11:30 बजे डॉक्टर मर्चेंट अपने साथी को लेकर घर आया। बातचीत के दौरान बताया कि वह साइटिका बीमारी का ही इलाज करते हैं। उसके पास देव्य शक्तियां हैं, जिसकी मदद से दो दिन में बिना दवाइयों के बीमारी ठीक कर देते हैं। तुम खुश किस्मत हो जो तुमने इलाज के लिए मुझसे समय ले लिया। शातिर ने दिखाया मौत का डर पीड़ित ने बताया कि बातचीत के बाद उसने इलाज के लिए सहमति दे दी।

डॉक्टर ने उन्हें कमरे में पलंग पर उल्टा लेटा दिया और पत्नी को यह कहकर बाहर निकाल दिया कि वह इलाज करते हुए देख नहीं सकेगी। 10-15 मिनट चेक करने के बाद बताया कि शरीर के अंदर इन्फेक्शन हो गया है। पीठ के निचले हिस्से में काफी पस भर गया है। पस को जल्दी नहीं निकाला तो पैरालिसिस या गैंगरीन हो सकता है, जिससे मौत भी हो सकती है। ये सुनते ही पत्नी काफी डर गई। इलाज के दौरान एक शीशी पस निकालने के बदले 3500 रुपए चार्ज लेने की बात कही। उन्होंने सहमति दी तो शातिर ने उनको एक टेबलेट खिलाई, जिससे उनकी सोचने-समझने के शक्ति खत्म हो गई। करीब आधे घंटे बाद होश आया तो उसने 210 शीशी पस से भरी दिखाई और कहा कि शरीर के अंदर का सारा पस निकाल दिया है, 2 दिन में पूरी तरह स्वस्थ हो जाएंगे। उसने 210 शीशी पस निकालने का चार्ज 7 लाख रुपए बताया। रुपयों की व्यवस्था नहीं होने पर कुछ कम रुपए देना तय हुआ। इलाज के बदले दोनों 6 लाख रुपए लेकर चले गए। जाते समय मैंने लैब टेस्ट के लिए पस की एक शीशी मांगी तो डराते हुए बताया कि ये शीशी नहीं दे सकते। शीशी में जो पस भरा हुआ है, उसमें जहर है। शीशी के खुलने पर इसमें से गैस निकलेगी, जिससे आदमी तुरंत अंधा हो जाएगा।

पीड़ित बिजनेसमैन ने बताया कि उन लोगों के जाने के कुछ देर बाद उसे धोखे से रुपए ऐंठने का एहसास हो गया। 2 दिन बाद भी स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उसे धोखे का यकीन हो गया। उसे डॉक्टर आर. मर्चेंट ने बात की तो 3 लाख रुपए की दवाई लेने के लिए कहा। दौसा और हरिद्वार से मंगवाकर देने वाली दवाइयों से तुरंत असर का दावा किया। आरोपियों से मोबाइल कॉल पर बात करने की कोशिश की तो उन्होंने मना कर दिया। धोखे का एहसास होने पर पीड़ित बिजनेसमैन ने मालपुरा गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

प्रताप नगर इलाके में 11 दिन पहले इन्हीं बदमाशों ने 4 लाख रुपए ऐंठे थे। इलाज के बहाने परिवार को सम्मोहित कर डॉक्टर आर. मर्चेंट और उसके साथी ने वारदात को अंजाम दिया था।

घायल युवक को हॉस्पिटल के बाहर छोड़कर भागा ड्राइवर

इलाज के दौरान गई जान, जोधपुर से शादी में आया था पाली

पाली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाली के नाडोल गांव निवाासी मृतक मेघाराम हीरागर। जिसकी गुरुवार शाम को टेम्पो पलटने से मौत हो गई।

टैंपों पलटने से युवक घायल हो गया। ड्राइवर घायल हालत में युवक को हॉस्पिटल के बाहर सड़क पर छोड़कर भाग गया। मौके से गुजर रहे लोग घायल को हॉस्पिटल के अंदर लेकर गए लेकिन युवक ने दम तोड़ दिया।

मामला पाली में गुरुवार रात नाडोल का है। नाडोल चौकीप्रभारी जाकिर खान ने बताया कि नाडोल के तालाब के पास रहने वाला 30 साल का मेघाराम उर्फ पप्पूराम पुत्र हीराराम सरगरा गुरुवार शाम को नारलाई से टैंपों में बैठकर नाडोल आ रहा था। टैंपों में तीन-चार और सवारियां भी बैठी थी। इस दौरान नाडोल-देसूरी रोड पर रामढाणी होटल के पास टैंपों पलट गया।

हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने से 30 साल का मेघाराम उर्फ पप्पूराम सरगरा गंभीर घायल हो गया। ड्राइवर उसे नाडोल लेकर आया और हॉस्पिटल के गेट के बाहर ही सड़क पर छोड़ भाग गया। लोगों की नजर पड़ी तो बाद में उसे हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की बॉडी नाडोल हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखी हुई है।

परिजन बोले- समय पर ड्राइवर भर्ती करवाता तो बच जाती जान

मृतक के भतीजे राहुल परमार का कहना है कि उसके काका की मौत टैंपों ड्राइवर की लापरवाही से हुई है। उसे टाइम पर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया जाता तो जान बच जाती। परिजन ड्राइवर के पकड़े जाने पर ही पोस्टमार्टम करवाने की मांग पर अड़े है।

जोधपुर से शादी में आया था मृतक

परिजनों ने बताया कि मृतक मेघाराम सरगरा जोधपुर में हार्डवेयर की शॉप पर काम करता था। कुछ दिन पहले ही गांव शादी में आया था। उसे दो दिन बाद जोधपुर जाना था लेकिन गुरुवार शाम को टैंपों चालक की लापरवाही से हुए हादसे में उसकी जान चली गई।

तेंदुए का हमला या महिला की हुई हत्या

पति ने कहा– जंगल में पहुंचा तो लाश पड़ी थी; पोस्टमॉर्टम के बाद होगा खुलासा

उदयपुर,1 दिसंबर (एजेंसियां)। पति का कहना है कि जंगल में तेंदुए ने उसकी पत्नी पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पति को जब इसका पता लगा तो उसने आवाज देकर ग्रामीणों को बुलाया और फिर पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद घासा थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।शव को खेमली सरकारी हॉस्पिटल में रखवाया गया है जहां उसका पोस्टमॉर्टम होगा। मृत महिला के पति पिंटू गमेती ने पुलिस और वन विभाग की टीम को बताया कि वह और उसकी पत्नी गीता गमेती दोनों जंगल में लकड़ियां लेने गए थे। तब पति रास्ते में ही रुक गया था और पत्नी गीता पहाड़ी जंगल में लकड़ी लेने गई। तभी तेंदुए ने पत्नी पर हमला कर दिया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कई देर तक पत्नी के वापस नहीं आने पर पति ने उसे तलाशने गया तो पत्नी मृत पड़ी हुई मिली। जिसके गर्दन पर गहरा घाव था और चेहरा सहित कपड़े खून से सने थे। इधर, पुलिस का कहना है कि महिला की मौत तेंदुए के हमले में ही हुई या फिर और कारण से हुई। इसका पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। इधर, ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की है।

गायब ईवीएम को नहीं ढूंढ पाई पुलिस

2 एसएचओ 5 साइबर एक्सपर्ट जुटे, 6 में से 5 ईवीएम लौटाई एक की पांच दिन से तलाश

जोधपुर,1 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में मतदान के दिन से गायब ईवीएम का पुलिस पता नहीं लगा पाई है। जिला कलेक्ट्रेट से बूथ तक के सभी सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा चुके है लेकिन ईवीएम कहां गायब हुई इसका सुराग नहीं लग पा रहा है। हालांकि पुलिस के साइबर टीम अभी कैमरों में रुट की तलाशी ले रही है। लेकिन एक भी ऐसा क्लू नहीं मिला है जिससे ईवीएम तक पहुंचा जा सके। पुलिस के अनुसार अभी जांच चल रही है।

उदयमंदिर और रातानाडा थाने के थानाअधिकारी सहित 5 साइबर एक्सपर्ट की टीम ईवीएम की तलाश में जुटी है। 25 नवंबर को सेक्टर ऑफिसर प्रोफेसर पंकज जाखड़ के पास 6 ईवीएम मशीन जो कि रिजर्व यूनिट की थी वह कार की डिक्की में थी। सेक्टर ऑफिसर पंकज जाखड़ के अधीन पीडब्ल्यूडी ऑफिस और सेंट पैट्रिक स्कूल के मतदान केंद्र थे। सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक मशीन का उपयोग नहीं हुआ, लेकिन जब रात को पॉलिटेक्निक कॉलेज में मशीन वापस जमा करवानी थी, उस समय गाड़ी में 5 ईवीएम ही थी एक नहीं मिली।

माउंट आबू में पारा 3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

सर्द हवा से ठिठुरन बढ़ी; जयपुर, सीकर, बीकानेर में घना कोहरा छाया

जयपुर,1 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कल देर शाम से शुरू हुई सर्द हवा से ठिठुरन बढ़ गई है। जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, गंगानगर, बीकानेर समेत कई जिलों में आज सुबह कोहरा रहा। चूरू के तारानगर में कल देर शाम हल्की बारिश हुई। सर्द हवा के कारण माउंट आबू का तापमान दो डिग्री सेल्सियस गिरकर 3 पर आ गया। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि राज्य में एक-दो दिन में मौसम साफ होगा। तापमान में बड़ी गिरावट होने से सर्दी तेज होगी। राजस्थान में आज तापमान की स्थिति देखें तो सबसे सर्द रात माउंट आबू में रही, जहां न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। माउंट आबू को छोड़कर सभी शहरों में आज न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। कोटा, उदयपुर, पाली, जैसलमेर, जोधपुर में न्यूनतम तापमान कल के मुकाबले आज 1 से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ा। चूरू, गंगानगर में न्यूनतम तापमान आज 12 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। जयपुर, बीकानेर संभाग के जिलों में कल देर रात से तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई। इससे ठंडक बढ़ गई। सुबह भी इन जगहों पर हल्की स्पीड से ठंडी हवा चली। हवा चलने और कोहरे के कारण जयपुर में आज मिनिमम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

कोहरे से विजिबिलिटी कम हुई

जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, चूरू, बीकानेर, अलवर समेत कई शहरों में आज सुबह घना कोहरा रहा। जयपुर में दिल्ली बाइपास पर कोहरे के कारण विजिबिलिटी 250 मीटर से भी कम रही। कोहरे के कारण वाहन चालकों को सुबह अपनी गाड़ियां बाइपास पर चलाते समय हैडलाइट ऑन करके चलानी पड़ी।

घने कोहरे की वजह से अलवर मेगा हाईवे पर इसरोदा मोड के पास दो पिकअप और एक बस आपस में टकरा गईं। हालांकि गाड़ियों की स्पीड कम होने से किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं लगी। रात से ही क्षेत्र में कोहरे की घनी चादर छाई हुई है। जिससे विजिबिलिटी मात्र 10 से 20 मीटर की ही रह गई है। सड़कों पर चलने वाले वाहन हेडलाइट जला कर चल रहे हैं।

महिला बोली– पति करंट लगाता था, पागल बनाकर रखता था:जबरन गर्भपात कराने के आरोप

कार व 5 लाख की डिमांड की

अलवर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर के मुल्तान नगर निवासी महिला ने पति पर करंट लगाने और जेठ व जेठानी सहित अन्य परिवार के सदस्यों पर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया है।

नवापुर मोहल्ला निवासी बलविंदर कौर की शादी 6 साल पहले मुल्तान नगर निवासी पति प्रीतपाल सिंह पुत्र जसविंदर सिंह से हुई थी। पहले कुछ महीने तक सब ठीक रहा। लेकिन बाद में पति व परिवार के लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। पति प्रीतपाल सिंह, जेठ कमलजीत सिंह और उसकी पत्नी ननद सुरेंद्र कौर नंदोई हरभजन सिंह मारपीट करते थे। मानसिक प्रताड़ित करते थे।

2 बार गर्भपात कराया

महिला ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि ससुराल वालों ने जानबूझकर दो बार उसका गर्भपात करा दिया। पति ने प्रताड़ित करने के लिए करंट के शॉट लगाए। जिससे उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ी है। परिजनों को बताया बलविंदर कौर के माता-पिता और भाई तीनों बलविंदर के ससुराल पहुंचे और बलविंदर को पिछले दो माह से अपने घर पर ले आए।

अब उसकी तबीयत ठीक है। इस मामले में पुलिस जांच करेगी। तब सच्चाई सामने आएगी। अभी केवल महिला व उसके पीहर पक्ष के लोगों की शिकायत दर्ज हुई है।

बाबा की आत्मदाह की धमकी के बाद गौ तस्कर गिरफ्तार

कामां इलाके में खेत में मिले थे अवशेष; 7 आरोपी पकड़े

भरतपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। डीग जिले के कामां थाना इलाके में गुरुवार को गोवंश के अवशेष मिले तो इलाके में हड़कंप मच गया। इसके बाद इलाके के धर्मशरण ब्रजवासी बाबा ने प्रशासन को आत्मदाह की चेतावनी दी तो पुलिस के हाथ-पैर फूल गए। घटना के बाद पुलिस ने शुक्रवार को 6 गांवों में दबिश देकर 7 तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि कामां थाना इलाके के बिलग रोड पर खेत में गुरुवार शाम गोवंश के अवशेष मिले थे। इसके बाद इलाके के बाबा धर्मशरण ब्रजवासी ने चेतावनी दी कि 3 दिन में गाय की हत्या करने वाले आरोपी पकड़े नहीं गए तो वे कस्बे के लाल दरवाजे पर आत्मदाह कर लेंगे। इस चेतावनी के बाद पुलिस ने कामां इलाके में 6 गांवों में दबिश दी। जहां से 7 तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से गोकशी के हथियार और गौमांस बरामद किया गया है। पुलिस ने जेसीबी के जरिए बरामद अवशेष को थाने के पास दफ्न कराया। गुरुवार को कामां पुलिस को सूचना मिली कि कस्बे के बिलग रोड पर कुछ लोगों ने पशु की हत्या कर दी।

विश्व में चर्चित पद्मविभूषण जगतगुरु रामभद्राचार्य का कार्यक्रम आज

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा ने किया कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा पद्मविभूषण जगतगुरु रामभद्राचार्य जी का धर्म संवाद कार्यक्रम आज दो दिसंबर को मध्याह्न 12 बजे से 2 बजे तक जल विहार, नेकलेस रोड पर आयोजित किया जाएगा।

शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि जगतगुरु जी मध्याह्न को बेगमपेट हवाई अड्डे पर उतर कर सीधे कार्यक्रम स्थल तक पहुँचेंगे।

इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्री शुभम् ज्वेलर्स के श्रीमती शशि एवं मुन्नालाल अग्रवाल है। विज्ञापन प्रायोजक राधा टीएमटी हैं।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया, सभी परामर्शदाता गण, सभी सदस्यगण, कार्यक्रम के आयोजन समिति के सदस्य गण सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, मुकुंद लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, बद्रीविशाल बंसल, प्रमोद कुमार सरायवाला, गोविंद शाह, जसमत पटेल, सुनील सराफ़, गोपाल मोर आदि ने जनमानस से आग्रह किया है कि ज़्यादा से ज़्यादा संख्या में समय पर उपस्थित होकर जगतगुरु जी के प्रवचन एवं दर्शन का लाभ प्राप्त कर कार्यक्रम को सफलता प्रदान करें।

अय्यप्पा माला में स्कूल में प्रवेश पर रोक से नाराज लोगों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस समय हल्का तनाव उत्पन्न हो गया जब कई अयप्पा भक्तों ने कीसरा में एक निजी स्कूल के सामने कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन किया। स्कूल प्रशासन ने शुक्रवार को एक छात्र को कक्षा के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी क्योंकि उसने शुक्रवार को अयप्पा भक्तों की पोशाक पहनी हुई थी। इससे नाराज होकर, रामपल्ली में पड़ोस के अयप्पा भक्तों ने प्रबंधन सदस्यों और उपस्थित कर्मचारियों के साथ बहस की। उन्होंने मुख्य द्वार को और क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे छात्रों में दहशत फैल गई और उपद्रव बढ़ गया। उन्होंने छात्र से बिना शर्त माफी मांगने के अलावा उसे भक्त पोशाक में स्कूल जाने की इजाजत देने की मांग की। कुछ भक्तों ने आपत्ति जताई और सरकार से हस्तक्षेप की मांग की और यह सुनिश्चित किया कि भक्तों को पोशाक के साथ और बिना किसी भेदभाव के स्कूलों में प्रवेश की अनुमति दी जाए।

मिजोरम में 3 की बजाय 4 दिसंबर को होगी वोटों की गिनती

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मिजोरम में 3 दिसंबर की जगह 4 दिसंबर को मतगणना होगी। चुनाव आयोग ने यह जानकारी दी है। राज्य की 40 सीटों पर 7 नवंबर को वोटिंग हुई थी, काउंटिंग 3 दिसंबर यानी रविवार को होनी थी। इसके विरोध में एनजीओसीसी, सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन (सीवाईएमए) और मिजो जिरलाई पॉल (एमजेडपी) जैसे संगठन प्रदर्शन कर रहे थे।

शुक्रवार को इन लोगों ने राजभवन के पास एक रैली की। जिसमें एनजीओसीसी के चेयरमैन लालह्म छुआना ने चुनाव आयोग पर आरोप लगया कि राजनीतिक दलों, चर्चों और एनजीओ ने चुनाव आयोग से कई बार काउंटिंग की तारीख बदलने की अपील की, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

दरअसल, मिजोरम में बड़ी संख्या में क्रिस्चिन समुदाय के लोग रहते हैं। रविवार ईसाइयों के लिए पवित्र दिन है, और ईसाई समुदाय कई कार्यक्रम आयोजित करता है। काउंटिंग के कारण इनमें बदलाव करना पड़ेगा, इसलिए मांग की जा रही थी कि इस दिन राज्य में वोट काउंटिंग न कराई जाए।

मिजोरम की 40 विधानसभा सीटों पर 7 नवंबर को वोटिंग हुई थी। राज्य में 77.04 प्रतिशत मतदान हुआ था। सेरछिप में सबसे ज्यादा 77.78 प्रतिशत तो सियाहा में सबसे कम 52.02 प्रतिशत मतदान हुआ। आइजोल में 65.06 प्रतिशत वोटिंग हुई। मिजोरम में 2018 के विधानसभा चुनाव में 81.61 प्रतिशत वोट पड़े थे।

सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस ने सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ा। वहीं, भाजपा ने 23 और आम आदमी पार्टी ने 4 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। 27 लोगों ने निर्दलीय चुनाव लड़ा। नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे।

65 साल के कार्यकर्ता ने भूख हड़ताल की :

आइजोल में 65 साल एक्टिविस्ट लालबियाकथंगा सुबह 7 बजे से 4 बजे तक भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने मांग की थी कि चुनाव आयोग को 3 दिसंबर को होनी वाली काउंटिंग का दिन बदलना चाहिए। 3 दिसंबर को रविवार है। कई पार्टियों ने भी मांग की थी कि रविवार को होने वाली काउंटिंग के दिन को बदलना चाहिए। क्योंकि इसके लिए चर्च के कार्यक्रम बदलने पड़ेंगे। मिजोरम में ईसाइयों की बड़ी आबादी है।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल का तीन दिवसीय मेगा प्रॉपर्टी शो शुरू

sbi

एसबीआई हैदराबाद सर्कल का तीन दिवसीय मेगा प्रॉपर्टी शो शुरू

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्कल ने सबसे बड़ा मेगा प्रॉपर्टी शो, 3 दिवसीय कार्यक्रम 1, 2 और 3 दिसंबर 2023 को हाईटेक्स प्रदर्शनी हॉल, कोंडापुर, हैदराबाद में आयोजित किया। पिछले 3 वर्षों से, एसबीआई कई प्रमुख बिल्डरों को एक मंच पर एक साथ लाकर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन उषा गौतम, मुख्य महाप्रबंधक आरईएचबीयू, कॉर्पोरेट सेंटर, मुंबई द्वारा किया गया। राजेश कुमार, सीजीएम, हैदराबाद सर्कल, मंजू शर्मा महाप्रबंधक एनडब्ल्यू-1, देबाशीष मित्रा, महाप्रबंधक एनडब्ल्यू-2, हैदराबाद सर्कल और बैंक के अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति, रियल एस्टेट उद्योग के गणमान्य व्यक्ति वी राजशेखर रेड्डी, अध्यक्ष क्रेडाई, हैदराबाद, बी जगन्नाथ राव, महासचिव, क्रेडाई हैदराबाद, विद्या सागर, उपाध्यक्ष टीबीएफ और सुनील चंद्र रेड्डी, अध्यक्ष नारेडको इस अवसर पर उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों ने बिल्डरों को एसबीआई के बिल्डर फाइनेंस और प्रोजेक्ट टाई-अप पत्र और ग्राहकों को सैद्धांतिक रूप से होम लोन मंजूरी पत्र सौंपे। हैदराबाद सर्कल के जीएम देबाशीष मित्रा ने अपने स्वागत भाषण में उल्लेख किया कि जब भी कोई संपत्ति शो आयोजित किया जाता है, तो ट्रस्ट और कई सूक्ष्म भावनाएं एक साथ आ रही हैं। उन्होंने कहा, एसबीआई हैदराबाद सर्कल का बिल्डर फाइनेंस पोर्टफोलियो 2 साल से भी कम समय में 3 गुना बढ़ गया है। राजेश कुमार, सीजीएम हैदराबाद सर्कल ने अपने उद्घाटन भाषण में सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में हाउस प्रॉपर्टी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि बैंक का हाउसिंग लोन पोर्टफोलियो लगभग 7 ट्रिलियन तक पहुंच गया है और हैदराबाद सर्कल का पोर्टफोलियो 57,000 करोड़ को पार कर गया है। पिछले 3 वर्षों में अकेले हैदराबाद सर्कल में 23000 करोड़ की वृद्धि हुई है। एसबीआई के पास 1150 शाखाओं, विपणन टीमों, एसएसएल और एचएलसी को सेवा प्रदान करने वाले 26 समर्पित प्रसंस्करण केंद्र हैं। उन्होंने प्रॉपर्टी शो में आने वाले सभी ग्राहकों से अपील की कि वे त्योहारी ब्याज दरों में 0.25 प्रशित की विशेष रियायत, प्रोसेसिंग शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत और बिल्डरों द्वारा दी गई छूट का उपयोग करें क्योंकि यह बैंक, बिल्डर्स और ग्राहकों के लिए एक जीत की स्थिति है। उषा गौतम, सीजीएम, आरईएचबीयू, कॉरपोरेट सेंटर मुंबई ने अपने संबोधन में कहा कि बैंक हैदराबाद की विकास कहानी का हिस्सा बनने के लिए प्रतिबद्ध है। मार्केट लीडर होने के नाते एसबीआई सात ट्रिलियन पोर्टफोलियो को छू रहा है और हर दिन 500 करोड़ रुपये मंजूर कर रहा है और एक महीने में 6000 करोड़ रुपये का वितरण कर रहा है। क्रेडाई के अध्यक्ष राजशेखर रेड्डी ने अपने संबोधन में उद्योग को समर्थन देने के लिए एसबीआई की सराहना की। टीबीएफ के अध्यक्ष श्री विद्यासागर ने हर साल सफलतापूर्वक आयोजित होने वाले प्रॉपर्टी शो के लिए एसबीआई की सराहना की। नारेडको के अध्यक्ष सुनील चंद्र रेड्डी ने अपने भाषण में कहा कि परियोजनाएं समय पर वितरित की जा रही हैं और बिल्डरों द्वारा चूक न्यूनतम है। अंत में, आरईएचबीयू के डीजीएम रवींद्र हितनाल्ली द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव देकर कार्यक्रम का समापन किया गया। उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों, एसबीआई अधिकारियों, बिल्डर्स और ग्राहकों को धन्यवाद दिया।

नौ साल की बच्ची से बलात्कार के आरोप में युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंडा पुलिस ने यहां नौ साल की बच्ची से बलात्कार के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि उसी पड़ोस का इलेक्ट्रीशियन के. साई कुमार (24) नाबालिग लड़की को फुसलाकर अपने घर ले गया, जहां उसने पिछले एक सप्ताह में तीन बार उसके साथ जबरदस्ती की और बलात्कार किया।

उसने उसे यह बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी, जिसके कारण लड़की चुप रही। पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर बोराबंडा पुलिस ने मामला दर्ज किया और साई कुमार को गिरफ्तार कर लिय। उसे अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, लड़की को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया और आगे मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए भरोसा सेंटर भेजा गया।

कंक्रीट निर्माण में जीएफआरपी रीबार और असतत फाइबर-आधारित सुदृढ़ीकरण प्रणाली का उपयोग

आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बी मूर्ति ने अनुसंधान टीम को बधाई दी

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन (आईजेडए) की एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि स्टील के क्षरण के कारण भारत को सालाना अपने सकल घरेलू उत्पाद का 5-7 प्रतिशत का नुकसान होता है। भारत, अपनी विशाल 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और तटीय क्षेत्रों में बड़े महानगरीय केंद्रों के साथ, कंक्रीट की इमारतों और पुलों के इस्पात सुदृढीकरण को जंग से बचाने में काफी बाधाओं का सामना करता है। ग्लास फाइबर-रीइन्फोर्स्ड पॉलिमर (जीएफआरपी) सरिया का उपयोग तेजी से स्टील सुदृढीकरण के विकल्प के रूप में किया जा रहा है क्योंकि यह संक्षारण नहीं करता है, हल्का है और गैर-प्रवाहकीय है। ये विशेषताएं जीएफआरपी सरिया को संक्षारक वातावरण में टिकाऊ, परिवहन और स्थापित करने में आसान और एमआरआई कक्ष, रेल संरचनाओं और ट्रांसफार्मर और थाइरिस्टर की नींव जैसे विद्युत वातावरण में अनुप्रयोगों के लिए फायदेमंद बनाती हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के हिस्से के रूप में टिकाऊ बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना आवश्यक है। ऐसा ही एक समाधान कंक्रीट निर्माण में जीएफआरपी सरिया का उपयोग करना है, जिसके परिणामस्वरूप रखरखाव कम हो सकता है, जीवनकाल बढ़ सकता है और प्रतिस्थापन लागत कम हो सकती है। जीएफआरपी सरिया के साथ कंक्रीट तत्वों का इष्टतम डिजाइन इसके प्रभावी उपयोग और विभिन्न लोडिंग परिदृश्यों के तहत कंक्रीट सदस्यों की सुरक्षा में सुधार के लिए आवश्यक है। आईआईटीएच में प्रोफेसर एस सूर्या प्रकाश की कास्टकॉन लैब ने विभिन्न लोडिंग स्थितियों के तहत कंक्रीट सदस्यों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए हाइब्रिड जीएफआरपी बार और असतत फाइबर-आधारित सुदृढ़ीकरण समाधान विकसित किया है। असतत फाइबर जोड़ जीएफआरपी-प्रबलित कंक्रीट तत्वों की क्षमता और लचीलापन में सुधार करता है। जीएफआरपी-प्रबलित कंक्रीट तत्वों की भंगुरता को कम करने में फाइबर के प्रभाव को समझना लागत प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक है। वर्तमान शोध अलग-अलग खुराक के साथ कंक्रीट में विभिन्न प्रकार के मैक्रो फाइबर की प्रभावशीलता को समझने पर केंद्रित है। आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बी मूर्ति ने इस अभिनव जीएफआरपी-प्रबलित एफआरसी प्रणाली समाधान पर अनुसंधान टीम को बधाई दी और कहा, हमारे देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नागरिक बुनियादी ढांचे की सेवा जीवन को बढ़ाना आवश्यक है।

प्रोफेसर सूर्या प्रकाश द्वारा जीएफआरपी सरिया पर शोध और उनकी टीम कंक्रीट निर्माण में जीएफआरपी सरिया के इष्टतम उपयोग की ओर ले जाती है।

एनएमडीसी का मजबूत प्रदर्शन, नवंबर, 2023 तक सर्वोत्तम प्रदर्शन

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनएमडीसी ने नवंबर, 2023 के दौरान लौह अयस्क के 3.83 मिलियन टन के उत्पादन और 3.79 मिलियन टन की बिक्री के साथ कंपनी के इतिहास में नवंबर महीने में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इन आकड़ों के साथ कंपनी ने गत वर्ष की इस अवधि की तुलना में उत्पादन में 6 प्रतिशत की वृद्धि और बिक्री में 24.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। उत्पादन और बिक्री की मात्रा में असाधारण वृद्धि जारी रखते हुए एनएमडीसी का नवंबर, 2023 तक संचयी लौह अयस्क उत्पादन अब 27.31 मिलियन टन तक पहुँच गया है और संचयी बिक्री 27.78 मिलियन टन तक पहुँच गई है। एनएमडीसी के लिए एक शानदार वृद्धि वर्ष साबित होते हुए यह कंपनी का नवंबर 2023 तक का सबसे अधिक संचयी उत्पादन और बिक्री है । गत वर्ष की इस अवधि की तुलना में संचयी उत्पादन 17.11 प्रतिशत अधिक है और संचयी बिक्री में 23.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कंपनी की तेजी के साथ बढ़ती मात्रा पर टिप्पणी करते हुए श्री अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) ने कहा, "एनएमडीसी का माह दर माह प्रदर्शन एक ऐसे भविष्य का संकेत देता है जहां कंपनी भविष्य में खनन क्षेत्र में परिवर्तन का प्रेरक बनेगा। हमारा लक्ष्य केवल मात्रा में वृद्धि करना नहीं है, बल्कि 2030 तक घरेलू बाजार का 1/6 हिस्से से बढ़कर एक चौथाई हिस्सा प्राप्त करने के लिए अपने व्यवसाय के मानकों में उल्लेखनीय बदलाव लाना है ।

कांग्रेस प्रत्याशी मैयनमपल्ली हनुमंत राव पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर पुलिस ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के एक नेता के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार और मारपीट करने के आरोप में मल्काजगिरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक उम्मीदवार मैयनमपल्ली हनुमंत राव और उनके समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि हनुमंत राव और उनके समर्थकों ने गुरुवार को मतदान के दौरान यपराल के एक मतदान केंद्र पर एक स्थानीय वरिष्ठ बीआरएस कार्यकर्ता करमचंद के साथ एक छोटी सी बात पर बहस की और उनके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की।

मैंने कभी केंद्र से समर्थन नहीं मांगा: पवन कल्याण

विजयवाड़ा,1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक-अध्यक्ष पवन कल्याण ने आज कहा कि राज्य में उनकी फिल्मों की स्क्रीनिंग रद्द होने और धमकियों जैसी कई समस्याओं का सामना करने के बावजूद उन्होंने कभी भी केंद्र सरकार से समर्थन नहीं मांगा। राज्य पार्टी मुख्यालय में पार्टी की एक विस्तारित बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में अब 6.5 लाख कार्यकर्ता हैं और उन्होंने कहा कि युवा उनकी पार्टी की मुख्य ताकत हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता के कारण उन्हें दिल्ली में पहचान मिली है। उन्होंने दावा किया कि युवा उनका और उनकी पार्टी की विचारधारा का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के समर्थन को देखने के बाद उन्होंने तेलंगाना के आठ विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि खम्मम, मधिरा, कुकटपल्ली और दुब्बाका विधानसभा क्षेत्रों में उनकी सार्वजनिक बैठकों में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी की कोई विचारधारा नहीं है और सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं को नहीं पता कि वे किसके लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह जो भी करेंगे उसमें हमेशा देश की अखंडता के बारे में सोचेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखकर दुख हुआ कि गुरुवार के विधानसभा चुनाव में युवा हैदराबाद में वोट डालने से दूर रहे।

छात्र ने निजी जूनियर कॉलेज में छात्रा ने जीवन लीला समाप्त की

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी जूनियर कॉलेज की इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरुवार रात शहर के बाहरी इलाके हयातनगर में कॉलेज परिसर में अपने छात्रावास के कमरे में आत्महत्या कर ली। निमिषा (17), कुछ महीने पहले पसुममला गांव में कॉलेज में शामिल हुई थी। उसके रूममेट्स ने शव लटका हुआ पाया, जिन्होंने हॉस्टल वार्डन और कॉलेज अधिकारियों को सूचित किया। कॉलेज में एमपीसी की पढ़ाई कर रही किशोरी ने अपने रूममेट्स की अनुपस्थिति में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने कहा कि कॉलेज स्टाफ ने उसे पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या का कारण ज्ञात नहीं है और उसके माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों ने कहा कि किशोरी पढ़ाई में अच्छी थी। कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। हालांकि, कॉलेज में विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्र नेताओं ने कॉलेज प्रबंधन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। हयातनगर पुलिस जांच कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शव को गांधी अस्पताल ले जाया गया और शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया।

दीपावली मिलन एवं अन्नकूट कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा बेगमपेट शाखा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट कार्यक्रम बेगमपेट में आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा की मानद मंत्री श्रीमती कविता अग्रवाल बताया कि सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। शाखा द्वारा सभी सदस्यों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसमे सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। शाखा अध्यक्ष ने सभी उपस्थित सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में अध्यक्ष हरीशचंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ महेश तोडी, मानद मंत्री श्रीमती कविता अग्रवाल, सयुक्त मंत्री दिलीप चैनवाला, कोषाध्यक्ष विष्णु गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य संगेश अग्रवाल व कई सदस्यों न भाग लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा, मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की याचिका पर तत्काल करें सुनवाई

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा है कि वह मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की याचिका को तुरंत सूचीबद्ध कर सुनवाई करें। बता दें कि मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी ने उत्तर प्रदेश सरकार के जमीन संबंधी फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। बता दें कि मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन को उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने नियंत्रण में लेने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। बता दें कि मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी का संचालन करने वाली ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

2028 की क्लाइमेट ...

1975 से 2021 कार्बन उत्सर्जन में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी सिर्फ अमेरिका की रही है। जबकि भारत ने सिर्फ 3.4 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन किया है।

सीओपी28 क्लाइमेट समिट 12 दिसंबर तक चलेगी। इसमें पीएम मोदी के अलावा किंग चार्ल्स, ऋषि सुनक, कमल हैरिस समेत दुनियाभर के 167 नेता क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) और इसके समाधान के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। पिछले कुछ सालों में क्लाइमेट चेंज पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इस बैठक का फोकस फॉसिल फ्यूल और कार्बन एमिशन (उत्सर्जन) पर लगाम लगाना है।

पीएम मोदी तीसरी बार जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने 2021 में ग्लासगो में हुए सीओपी26 सम्मेलन में हिस्सा लिया था। तब उन्होंने क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए पंचामृत नीति और मिशन लाइफस्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट (एलआईएफई) की घोषणा की थी।

हमारा लक्ष्य अगले ...

दो दिन पहले, केरल के नीलांबुर ब्लॉक पंचायत में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ये चार परियोजनाएं लोगों के हित में हैं। पहली- लोगों के लिए एक उपशामक देखभाल, दूसरी आदिवासी प्रसवरोधी गृह परियोजना (इस योजना का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना), अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए सामान्य स्वास्थ्य देखभाल परियोजना साथ ही अंतिम परियोजना आदिवासी बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य देखभाल परियोजना है।

अपनों को वापस ...

इन सभी पर पनडुब्बी कार्यक्रम पर कथित रूप से जासूसी करने का आरोप लगाया गया था।

कतर की अदालत ने भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मचारियों को 26 अक्टूबर को मौत की सजा सुनाई थी। इस फैसले से भारत बेहद हैरान है। उसने इस निर्णय को चौंकाने वाला बताया था। हालांकि, भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेवानिवृत होने के बाद ये सभी नौसैनिक कतर की एक निजी कंपनी में काम कर रहे थे। यह कंपनी कतरी एमिरी नौसेना को ट्रेनिंग और अन्य सेवाएं प्रदान करती है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, कंपनी का नाम दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एवं कंसल्टेंसीज सर्विसेज है। कंपनी खुद को कतर रक्षा, सुरक्षा एवं अन्य सरकारी एजेंसी की स्थानीय भागीदार बताती है। मौत की सजा के खिलाफ पहले ही अपील दायर की जा चुकी है और कतर की एक ऊपरी अदालत पहले ही याचिका स्वीकार कर चुकी है। हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिकों की कानूनी टीम ने यह अपील दायर की है।

दिल्ली हाईकोर्ट में ...

इसलिए इसे खारिज किया जा सकता है। साथ ही याचिका में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे यह पता चले कि प्रभावित व्यक्ति ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर आगे सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि कार्यवाही के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोई भी मौजूद नहीं था। साथ ही याचिकाकर्ता के वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में जिन दस्तावेजों का जिक्र किया था, वे उन्हें भी कोर्ट के सामने पेश नहीं कर पाए।

अप्रैल में हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा था कि याचिकाकर्ता वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका विचार करने लायक नहीं है। उन्होंने उपाध्याय से उन दस्तावेजों को पेश करने को कहा था, जो सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे गए थे। इस पर हाईकोर्ट को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामला विधायी क्षेत्र में आता है और 2015 में उपाध्याय ने यूसीसी के संबंध में एक याचिका वापस भी ले ली थी। हाईकोर्ट में उपाध्याय की याचिका के अलावा चार और याचिकाएं हैं जिनमें दलील दी गई है कि भारत को तुरंत समान नागरिक संहिता की जरूरत है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

साउथ अफ्रीका दौरे पर भारत के तीन कप्तान : सूर्या टी-20, केएल राहुल वनडे और रोहित शर्मा टेस्ट टीम की कमान संभालेंगे

मुंबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। **साउथ अफ्रीका** दौरे के लिए तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। हर फॉर्मेट में अलग कप्तान टीम की कमान संभालेगा। टी-20 में सूर्यकुमार यादव, वनडे में केएल राहुल और टेस्ट में रोहित शर्मा कप्तानी करेंगे।

माना जा रहा था कि रोहित शर्मा को टी-20 टीम की कप्तानी भी दी जाएगी। हालांकि, रोहित ने टी-20 और वनडे दोनों टीमों से खुद को अलग रखा है। विराट कोहली भी इन दोनों सीरीज में नहीं खेलेंगे।

10 दिसंबर से शुरू होने जा रहे इस दौरे पर टीम इंडिया को 3 टी-20, 3 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए टीम 6 दिसंबर को रवाना होगी। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को दौरे की टी-20 और वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया है। उन्होंने खुद इन दो सीरीज से ब्रेक मांगा था।

टी-20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और दीपक चाहर।

वनडे टीमः केएल राहुल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और दीपक चाहर।

टेस्ट टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान) और प्रसिद्ध कृष्णा।

टीम सिलेक्शन के टॉकिंग पॉइंट्स

पुजारा-रहाणे को टेस्ट टीम में जगह नहीं- टेस्ट स्पेशलिस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। पुजारा अफ्रीकी पिचों पर 10 टेस्ट में 535 रन बना चुके हैं। जबकि अजिंक्य रहाणे ने 6 टेस्ट मैचों में 402 रन बनाए हैं।

साई सुदर्शन और रिंकू को पहली बार वनडे में मौका- युवा साई सुदर्शन और रिंकू सिंह को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है। रिंकू टी-20 टीम के लिए डेब्यू कर चुके हैं। साई ने इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है।

सूर्यकुमार वनडे टीम से ड्रॉप- वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे सूर्यकुमार यादव को वनडे टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। वे अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

सैमसन की वनडे टीम में वापसी, टी-20 में जगह नहीं- संजू सैमसन की वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि उन्हें टी-20 और टेस्ट टीम में मौका नहीं मिला है।

साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है भारत

साउथ अफ्रीका में भारतीय टीम का टेस्ट प्रदर्शन खास नहीं रहा है। टीम इंडिया अब तक साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। टीम ने अफ्रीकी मैदानों पर अब तक 8 टेस्ट सीरीज खेली हैं। इनमें से एक ड्रॉ रही, जबकि 7 सीरीज में टीम इंडिया को पराजय का सामना करना पड़ा। टीम ने वहां 23 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से टीम को महज 4 में जीत मिली है, जबकि 7 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। शेष 12 मुकाबले में भारतीय टीम को पराजय का सामना करना पड़ा है।

विश्व कप ट्रॉफी पर पैर रखकर बैठने वाले मिचेल मार्श ने 11 दिन बाद तोड़ी चुप्पी, घटना पर दिया यह बयान

सिडनी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मार्श ने विश्व कप ट्रॉफी पर पैर रखकर तस्वीर खिंचवाई थी। इसके बाद इसको लेकर खूब बवाल हुआ था। शमी तक ने इस पर बयान दिया था और कहा था कि मार्श की हरकत से वह आहत हैं। सोशल मीडिया पर मार्श के हरकत की खूब आलोचना हुई थी।

भारत को विश्व कप फाइनल में हराकर छठी बार विश्व चैंपियन बनने वाले ऑस्ट्रेलिया को तब बड़ी फजीहत झेलनी पड़ी जब उनके एक खिलाड़ी ने ट्रॉफी पर पैर रखकर फोटो खिंचवाई थी। ड्रेसिंग रूम से मिचेल मार्श की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वह ट्रॉफी पर पैर रखकर बैठे हैं। इस तस्वीर पर खूब बवाल हुआ था। सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रॉफी की इज्जत करने की नसीहत दी थी। वहीं, मोहम्मद शमी का भी बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने मार्श पर निशाना साधा था। शमी ने कहा था कि मार्श को ऐसा करते देख वह आहत हैं। अब 11 दिन बाद मार्श ने इस पूरी घटना पर चुप्पी तोड़ी है।

मिचेल मार्श ने घटना पर क्या कहा?

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से बात करते हुए ऑलराउंडर ने कहा कि वैसे करके उनका इरादा ट्रॉफी का अपमान करना नहीं था। मार्श ने कहा, 'जाहिर तौर पर उस तस्वीर में किसी के अपमान का इरादा नहीं था। मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा है। मैंने सोशल मीडिया पर ज्यादा नहीं देखा है। हां भले ही हर कोई मुझे बताता है कि यह मामला बिगड़ गया है और अब इस पर बातचीत बंद हो चुकी है। हालांकि, उस तस्वीर में ऐसा कुछ भी नहीं था।

मार्श के खिलाफ शिकायत मिली

भले ही मार्श का इरादा अपमान का नहीं था, लेकिन उत्तर प्रदेश में एक कार्यकर्ता समूह के नेता ने पिछले हफ्ते ऑलराउंडर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। भ्रष्टाचार विरोधी सेना के अध्यक्ष पंडित केशव देव ने अलीगढ़ के दिल्ली गेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। अलीगढ़ के पुलिस अधीक्षक (नगर) ने बताया कि एक शिकायत मिली है, लेकिन अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है और साइबर सेल से रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल भारत दौरे पर

मार्श को भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल और एडम जम्पा सहित कई विश्व कप विजेता सीरीज में भाग लेने के लिए रुक गए थे। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी20 के बाद विश्व कप खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को बुला लिया है। चौथे और पांचवें टी20 में एक पूरी नई टीम खेलने उतरेगी। भारत फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे है और चौथा टी20 आज रायपुर में खेला जाएगा। शुरुआती दो टी20 भारत ने जीते थे, जबकि तीसरे टी20 में ग्लेन मैक्सवेल के तूफानी शतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वापसी की और मैच जीता।

पिछले दौरे पर टेस्ट में उपकप्तान रहने वाले रहाणे बाहर, क्या पुजारा के साथ उनका करियर भी हुआ खत्म?

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। गुरुवार को दिल्ली में बीसीसीआई सचिव जय शाह, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की बैठक हुई और आगे का रोडमैप तैयार किया गया। चयनकर्ताओं ने इस दौरे के लिए कई चौंकाने वाले फैसले किए और तीनों फॉर्मेट के लिए तीन अलग-अलग कप्तान नियुक्त किए। जहां टी20 में सूर्यकुमार कप्तानी करते दिखेंगे, तो वहीं वनडे में केएल राहुल और टेस्ट में रोहित शर्मा कमान संभालेंगे।

टी20 में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेल रहे हैं। सिर्फ रवींद्र जडेजा को उस स्क्वॉड में जोड़ा गया है। वहीं, वनडे की टीम पूरी तरह बदल गई है और वनडे विश्व कप 2023 खेलने वाले सिर्फ तीन ही खिलाड़ी (श्रेयस अय्यर, राहुल और कुलदीप) ही उस टीम में हैं। ओपनर से लेकर गेंदबाज तक पूरी नई टीम है। वहीं, टेस्ट स्क्वॉड में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं किया गया है, लेकिन कुछ बड़े फैसले जरूर लिए गए हैं। अजिंक्य रहाणे को जहां टीम से बाहर कर दिया गया, वहीं चेतेश्वर पुजारा को एकबार फिर नहीं चुना गया।

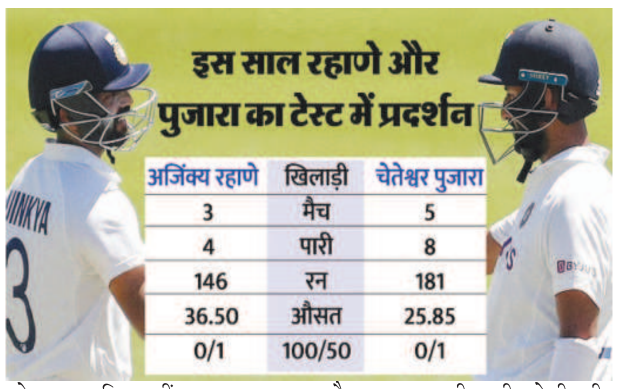

इस साल रहाणे और पुजारा का टेस्ट में प्रदर्शन

अजिंक्य रहाणे	खिलाड़ी	चेतेश्वर पुजारा
3	मैच	5
4	पारी	8
146	रन	181
36.50	औसत	25.85
0/1	100/50	0/1

भारत ने पिछला टेस्ट वेस्टइंडीज में जुलाई में खेला था। तब टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए कैरिबियाई देश पहुंची थी। उस दौरे पर रहाणे टीम इंडिया के उपकप्तान रहे थे। करीब डेढ़ साल तक टीम इंडिया से बाहर रहने के बाद रहाणे ने इसी साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए वापसी की थी। 11 जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही टेस्ट खेलने के बाद उस दौरे पर खराब प्रदर्शन की वजह से उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था। आईपीएल 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद रहाणे ने टीम में फिर से जगह बनाई थी। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 89 और 46 रन की पारी खेली थी। इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए उन्हें उपकप्तान बनाया गया। हालांकि, कैरिबियाई दौरे पर वह दो टेस्ट की दो पारियों सिर्फ 11 रन बना सके और अब उन्हें बाहर कर दिया गया है।

रहाणे ने अब तक 85 टेस्ट की 144 पारियों में 38.46 की औसत से 5077 रन बनाए हैं। इसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। 35 साल के रहाणे को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दौरे से बाहर करने का मतलब है कि चयनकर्ता अब उन्हें भविष्य के प्लान में नहीं देख रहे हैं। यह भी हो सकता है कि जब रहाणे ने वापसी की थी तब श्रेयस अय्यर और केएल राहुल चोटिल थे। तो पांचवें नंबर पर रहाणे ही सर्वश्रेष्ठ विकल्प थे। अब श्रेयस और राहुल की वापसी के बाद रहाणे को बाहर किया गया है। अगर यह दोनों फिट रहते हैं तो रहाणे की वापसी की संभावना बेहद कम है। वहीं, रहाणे ने इस साल तीन टेस्ट की चार पारियों में 146 रन बनाए।

पुजारा के लिए भा रास्त बंद!

35 साल क पुजारा की भी वापसी की बेहद कम संभावना है। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के चुने जाने से और ऋतुराज गायकवाड़ के होने से यह तय है कि टीम इंडिया अब पुजारा की तरफ नहीं देख रही है। वेस्टइंडीज दौरे पर भी कप्तान रोहित के साथ यशस्वी जायसवाल ने ओपनिंग की थी और कई बेहतरीन पारियां खेली थीं। दक्षिण अफ्रीका में भी इन्हीं दोनों के ओपनिंग करने की संभावनाएं हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर, जो कि पुजारा का बल्लेबाजी स्थान है, वहां शुभमन गिल या ऋतुराज गायकवाड़ में से किसी एक को मौका मिल सकता है। पुजारा ने पिछला टेस्ट इस साल जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उसमें उन्होंने दो पारियों में 14 और 27 रन की पारी खेली थी। इसके बाद से वह टेस्ट टीम से बाहर ही हैं। पुजारा ने इस साल पांच टेस्ट की आठ पारियों में 25.85 की औसत से 181 रन बनाए।

बड़े मैच के प्लेयर माने जाते हैं सुदर्शन, 22 साल की उम्र में अपनी तकनीक का लोहा मनवाया

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। इस दौरे पर टीम इंडिया तीन टी20, तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच खेलेगी। पहला मैच 10 दिसंबर को (टी20) खेला जाएगा। वहीं, वनडे सीरीज की शुरुआत 17 दिसंबर से होगी। भारतीय चयनकर्ताओं ने वनडे टीम में काफी बदलाव किए हैं। वनडे विश्व कप 2023 में खेलने वाले सिर्फ तीन खिलाड़ी इस वनडे टीम में हैं। इनमें श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और कुलदीप यादव शामिल हैं।

वहीं, कुछ नए चेहरों की भी टीम में एंट्री हुई है। साई सुदर्शन को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है, जबकि रिंकू सिंह को अब टी20 के साथ-साथ वनडे में भी मौका दिया गया है। रजत पाटीदार की भारतीय वनडे टीम में वापसी हुई है। हालांकि, कई बार भारतीय टीम में रहने के बावजूद वह अब तक डेब्यू नहीं कर सके हैं।

साई सुदर्शन का शानदार प्रदर्शन

चयनकर्ताओं ने जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाला फैसला लिया है वह वनडे टीम को लेकर ही है। शुभमन गिल को वनडे स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड़ के साथ साई सुदर्शन या रजत पाटीदार ओपनिंग करते दिख सकते हैं। वहीं, मध्यक्रम में संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर और कप्तान केएल राहुल खेलते दिख सकते हैं। रिंकू सिंह को मैच फिनिशर की भूमिका मिल सकती है। सुदर्शन को मौका ऐसे ही नहीं मिला है। यह उनकी पिछले काफी समय की मेहनत और कठिन परिश्रम का नतीजा है। 22 साल की उम्र में ही इस खिलाड़ी ने अपनी तकनीक और टेम्परामेंट का लोह मनवाया है। आईपीएल हो या तमिलनाडु प्रीमियर लीग या फिर घरेलू टूर्नामेंट सुदर्शन ने हर टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

सुदर्शन सबसे पहली बार 2022 आईपीएल के दौरान चर्चा में आए थे। उस सीजन उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए सिर्फ पांच मैच खेले थे, लेकिन 36.25 की औसत और 127.19 के स्ट्राइक रेट से 145 रन बनाए थे। इसमें एक अर्धशतक शामिल था। ऐसे में गुजरात ने उन्हें रिटेन किया था और 2023 में भी उनका शानदार फॉर्म जारी रहा। 2023 आईपीएल में उन्होंने आठ मैचों में 51.71 की बेहतरीन औसत और 141.40 के शानदार स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए। इनमें तीन अर्धशतक शामिल रहा। आईपीएल 2023 के फाइनल में कठिन परिस्थितियों में सुदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 96 रन की पारी खेली थी और अपनी टीम को अच्छे टोटल तक पहुंचाया था। हालांकि, उनकी टीम फाइनल नहीं जीत सकी थी, लेकिन सुदर्शन ने सभी का दिल जरूर जीता था।

सुदर्शन का बैटिंग स्टाइल शानदार

सुदर्शन की खास बात यह है कि वह आज कल के स्टाइल वाले बल्लेबाज नहीं हैं, जिनके पास अनऑर्थोडॉक्स शॉट हों। वह पुराने समय के बल्लेबाजों की तरह हैं, जो क्लासिक शॉट्स से रन बटोरने में विश्वास रखते हैं। शुरू में सुदर्शन अपनी पारी को जमाने में समय लेते हैं और एक बार पिच को पढ़ने के बाद खुलकर अपने शॉट्स लगाते हैं। इसका उदाहरण है कि 2022 आईपीएल में सुदर्शन ने 14 चौके और तीन छक्के लगाए थे, जबकि 2023 में उन्होंने 33 चौके और 12 छक्के लगाए। वह दो सीजन मिलाकर आईपीएल में 13 मैचों में 46.09 की औसत और 137.03 के स्ट्राइक रेट से 507 रन बना चुके हैं। इनमें चार अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन ने ओवरऑल टी20 में 31 मैचों में 37.53 की औसत और 125.61 के स्ट्राइक रेट से 976 रन बनाए हैं।

सुदर्शन का घरेलू टूर्नामेंट में रिकॉर्ड

वहीं, लिस्ट-ए क्रिकेट में तो उनका रिकॉर्ड और भी जबरदस्त है। 22 साल की उम्र में ही सुदर्शन 22 लिस्ट-ए मैच खेल चुके हैं और 65.05 की औसत और करीब 100 के स्ट्राइक रेट से 1236 रन बना चुके हैं। इनमें छह शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 11 फर्स्ट क्लास मैचों में सुदर्शन 43.63 की औसत से 829 रन बना चुके हैं। इनमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। अभी जारी 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में सुदर्शन चार मैचों की तीन पारियों में 49.33 की औसत से 148 रन बना चुके हैं। इसमें एक शतक शामिल है।

सुदर्शन का है स्पोर्ट्स बैकग्राउंड

साई सुदर्शन के परिवार में खेलों के प्रति काफी जुनून है। उनके पिता भारद्वाज एथलीट थे। उन्होंने भारत के लिए साउथ एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं, उनकी मां उषा भारद्वाज ने तमिलनाडु के लिए वॉलीबॉल खेला है। सुदर्शन बचपन से ही ज्यादा रन बनाने के लिए जाने जाते थे। वे अंडर-10 चैलेंजर ट्रॉफी में इंडिया-ए के लिए 2019-20 में यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग कर चुके हैं। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा, लखनऊ सुपर जाएंट्स के रवि बिश्नोई और भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे प्रियम गर्ग उस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं।

आई-लीग में हेराफेरी के लिए खिलाड़ियों से किया गया संपर्क, चार क्लबों से जुड़े मामले की होगी जांच

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कई आई लीग खिलाड़ियों से हाल ही में मैचों में हेराफेरी के लिए संपर्क किया गया। एआईएफएफ ने मामले की जांच का वादा किया है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह सूचना कैसे मिली, किन खिलाड़ियों से और किसने संपर्क किया लेकिन कहा कि महासंघ खेल में नैतिकता बना, रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'हमें सूचना मिली है कि खिलाड़ियों से संपर्क किया गया। हम मामले की जांच करेंगे और जरूरी कदम उठाएंगे। हम इस खूबसूरत खेल और अपने खिलाड़ियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस तरह का कोई प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिससे खिलाड़ियों या खेल को खतरा हो।'

आईलीग 2023 सत्र अक्तूबर में शुरू हुआ और 13 टीमों की स्पर्धा में 40 से अधिक मैच हो चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, जो सूचना मिली है वो चार क्लबों से संबंधित है। हालांकि किसी क्लब या खिलाड़ियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। संभवतः यह संपर्क सीजन की शुरुआत में किया गया। एआईएफएफ के इंटिग्रिटी अधिकारी जावेद सिराज मामले को देख रहे हैं। यह भी माना जा रहा है कि एआईएफएफ कुछ संदिग्ध मैचों को भी अपनी जांच के दायरे में लेगी।

भ्रष्टाचार की पहले ही चल रही है जांच

भारतीय फुटबॉल में भ्रष्टाचार की घटना नई नहीं है। 2018 में एआईएफएफ ने आधिकारिक तौर पर कहा था कि आईलीग में मिनर्वा पंजाब फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने की जांच चल रही है। पिछले साल नवंबर में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देश में फुटबॉल मैचों में कथित मैच फिक्सिंग को लेकर प्रारंभिक जांच दर्ज की थी। इसमें सीबीआई ने विभिन्न फुटबॉल क्लबों के बारे में एआईएफएफ से दस्तावेज जमा किए थे।

हॉकी इंडिया का हरमनप्रीत पर भरोसा बरकरार स्पेन में होने वाले टूर्नामेंट के लिए दी गई कमान

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह 15 से 22 दिसंबर तक स्पेन के वालेंशिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। सुमित और अमित रोहिदास उपकप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट 2023- 24 हॉकी प्रो लीग सत्र की तैयारी के लिए अहम होगा। इसमें भारत का सामना स्पेन,जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम से होगा।

भारतीय टीम :

गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा।

रक्षक पंक्ति : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, वरूण कुमार, सुमित , संजय और नीलम संजीप सेस।

मध्यपंक्ति : यशदीप सिवाच, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, रविचंद्र सिंह मोइरांगथम

अग्रिम पंक्ति : मनदीप सिंह , अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, कार्ति सेल्वम, दिलप्रीत सिंह, आकाशदीप सिंह।

हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत ने जीता था स्वर्ण

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। यह हॉकी में भारत का चौथा स्वर्ण रहा। इससे पहले 1966, 1998 और 2014 में भारत ने सोना पर कब्जा जमाया था। वहीं, एशियाड में कुल मिलाकर भारतीय हॉकी टीम का यह 16वां पदक रहा। चार स्वर्ण के अलावा टीम इंडिया ने 1958, 1962, 1970, 1974, 1978, 1982, 1990, 1994, 2002 एशियाई खेलों में रजत जीता था, जबकि 1986, 2010 और 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पर कब्जा जमाया था।

भारत का हांगझोऊ एशियाई खेलों में सफर

भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उसने लगातार सात मैच जीते। भारत को पूल-ए में पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, सिंगापुर, जापान और बांग्लादेश के साथ रखा गया था। पहले मैच में भारत ने उज्बेकिस्तान को 16-0 से रौंदा। दूसरे मैच में सिंगापुर को 16-1 से परास्त किया। तीसरे मैच में जापान को 4-2 से हराया। वहीं, चौथे मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 10-2 से करारी शिकस्त दी। यह भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत रही। पांचवें और आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने बांग्लादेश को 12-0 से हराया था। सेमीफाइनल में भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से शिकस्त दी। वहीं, फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण पर कब्जा किया।

सीआरपीएफ बलों की निगरानी में नागार्जुन सागर का पानी छोड़ने पर दोनों तेलुगू राज्य राजी

केन्द्रीय गृह सचिव के प्रस्ताव पर सहमत हो गए तेलंगाना व आंध्रप्रदेश

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य 28 नवंबर से पहले की स्थिति को जारी रखते हुए नागार्जुन सागर का पानी सीआरपीएफ बलों की निगरानी में छोड़ने के केंद्रीय गृह सचिव के प्रस्ताव पर सहमत हो गए हैं। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने 29 नवंबर को आंध्र प्रदेश द्वारा सशस्त्र बलों की एकतरफा तैनाती और दाहिनी ओर से पानी छोड़ने से उत्पन्न विवाद पर आज तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के सचिव, केंद्रीय जल संगम, कृष्णा नदी जल प्रबंधन बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हुए। इस मौके पर राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि 29 नवंबर की रात आंध्र प्रदेश से लगभग 500 सशस्त्र पुलिस नागार्जुन सागर बांध पर आई और सीसीटीवी कैमरे को नष्ट कर दिया और गेट 5 और 7 पर हेड रेगुलेटर खोल दिए और करीब पांच हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान एपी सरकार द्वारा की गई कार्रवाई से उनके राज्य में शांति और सुरक्षा की समस्या पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि यह दूसरी बार है कि आंध्र प्रदेश सरकार ने इस तरह का अपराध किया है। शांति कुमारी ने चिंता व्यक्त की कि आंध्र प्रदेश सरकार की इस कार्रवाई से हैदराबाद शहर और आसपास के क्षेत्रों के दो करोड़ लोगों की पीने के पानी की जरूरतें गंभीर रूप से प्रभावित होंगी। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव से यथास्थिति जारी रखने की अपील की जैसा कि 2014 से चली आ रही है। इस बीच केंद्रीय गृह सचिव ने कहा कि नागार्जुन सागर बांध पर पहले की तरह यथास्थिति जारी रखी जाए और यह बांध अस्थायी तौर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की निगरानी में रहेगा। भल्ला ने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्रीय जल संसाधन विभाग के सचिव के तत्वावधान में एक विशेष बैठक होने जा रही है। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी के साथ डीजीपी अंजनी कुमार, सिंचाई विभाग की सचिव स्मिता सबरवाल, जीएडी सचिव शेषाद्री, गृह विभाग के प्रधान सचिव जीतेंद्र, एडिशनल डीजी एसके जैन, आईजी शाह नवाज काशिम, सिंचाई विभाग के सलाहकार मुरलीधर, ओएसडी श्रीधर देश पांडे ने भाग लिया।

जगन ने केसीआर को चुनाव जिताने में मदद की साजिश रची : नारायण

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने आज आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने नागार्जुन सागर बांध पर एक दृश्य बनाकर अपने तेलंगाना समकक्ष सीएम केसीआर की जीत सुनिश्चित करने की साजिश रची। आज यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सीपीआई के राष्ट्रीय नेता ने आरोप लगाया कि जगन मोहन रेड्डी ने अब तक अपने राज्य के हितों की अनदेखी की है और मजाक उड़ाया कि उन्हें कई वर्षों के बाद पानी के बारे में याद आया, जबकि उन्होंने कहा कि जगन की साजिश उजागर हो गई है। इस बीच, एपी पुलिस नागार्जुन सागर बांध पर अपनी सुरक्षा जारी रखे हुए है। उन्होंने इसकी सीमा के अंतर्गत आने वाले पूरे क्षेत्र की बाड़ लगा दी। दूसरी ओर, भारी संख्या में राज्य पुलिस को बांध स्थल पर भेजा गया है. ताजा घटनाक्रम में, मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के लिए दोनों राज्यों के आईजीपी स्तर के अधिकारियों के रविवार को बांध क्षेत्र का दौरा करने की उम्मीद है। पुलिस सुरक्षा के बीच एपी सरकार अब तक बांध से 400 क्यूसेक पानी छोड़ चुकी है।

एपी ने नागार्जुन सागर से पानी लेने के अपने अधिकार का दावा किया

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एपी सिंचाई मंत्री अंबाती रामबाबू ने आज कहा कि कुछ मीडिया हाउस नागार्जुन सागर बांध मुद्दे पर गलत सूचना फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमने किसी संधि का उल्लंघन नहीं किया है। कृष्णा का 66 प्रतिशत पानी आंध्र प्रदेश और 34 प्रतिशत तेलंगाना का है। हमने पानी की एक भी बूंद का उपयोग नहीं किया है जो हमारी नहीं है। हमने अपने ही क्षेत्र में अपनी नहर खोलने का प्रयास किया। इस पानी पर पूरा हक हमारा है। मैं दोहराता हूं, वाईएसआरसीपी सरकार ने हमारे राज्य के किसानों और लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल 66 प्रतिशत हिस्से से पानी का उपयोग करने की कोशिश की है जो हमारा अधिकार है।

मतदान में अप्रिय वारदात को रोकने वाले पुलिसकर्मी पुरस्कृत

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 30 नवंबर को हुए तेलंगाना विधानसभा चुनाव (टीएसएलए-2023) के मतदान के दौरान, मंगलहॉट पीएस के एसआई जी अंबिका ने शाहइनायतगंज पुलिस को सूचित किया कि राजनीतिक दलों के कुछ पुरुष और महिलाएं सीमावर्ती पीएस शाहइनायतगंज क्षेत्र में झगड़ा कर रहे है और सुरक्षा-शांति भंग कर रहे है।

समय ने सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण कर लिया। शांति व्यवस्था कायम करने में जी. अंबिका की अहम भूमिका रही। इस संबंध में सीपी हैदराबाद संदीप शांडिल्य ने उसे उसकी बहादुरी और किसी भी अवांछित घटना को होने से रोकने के लिए तत्काल प्रतिक्रिया के लिए पुरस्कृत किया। हबीब नगर पीएस के तहत मतदान केंद्र में फर्जी वोट डालने आए कुछ लोगों को रोकने और उन्हें संबंधित पीएस को सौंपने और मामला दर्ज करने में उनकी बहादुरी के लिए विनय कुमार पीसी सीएसडब्ल्यू को सीपी द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। जब कृष्णा कुमारी भोसले डब्ल्यूपीसी फलकनुमा पीएस कालापट्टर पीएस के तहत मतदान केंद्र में अपनी ड्यूटी कर रही थीं, तो कुछ लोगों ने फर्जी वोट डालने की कोशिश की। उन्हें गिरफ्तार कर संबंधित पीएस को सौंप दिया गया और मामला दर्ज किया गया। सीपी हैदराबाद ने उसकी बहादुरी की सराहना की और उसे पुरस्कृत किया। इस अवसर पर विक्रम सिंह मान एडिशनल सीपी एल एंड ओ, पी.विश्व प्रसाद आईपीएस एडिशनल सीपी विशेष शाखा उपस्थित थे।

राचकोंडा सीपी डी.एस.चौहान, कलेक्टर मेडचल गौतम पोटरू ने कीसरा में होली मैरी कॉलेज के मतगणना केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के बारे में कर्मचारियों को जानकारी दी।

एससीआर को दो प्रदर्शन दक्षता शील्ड-2023 मिली

सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण के क्षेत्र में प्रगति

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने पिछले वर्ष दो क्षेत्रों में अखिल भारतीय प्रदर्शन दक्षता शील्ड प्राप्त की है। ये शील्ड रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे और श्रीमती दर्शना जरदोश, रेल राज्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत की जाएंगी। 15 दिसंबर, 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह में शील्ड महाप्रबंधक, एससीआर और एससीआर के संबंधित प्रमुख विभागाध्यक्षों द्वारा प्राप्त की जाएंगी। एससीआर को दो राष्ट्रीय प्रदर्शन दक्षता शील्ड अर्थात् सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन शील्ड और सिविल इंजीनियरिंग शील्ड (उत्तरी रेलवे के साथ संयुक्त रूप से) प्राप्त हुई हैं। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने प्रसन्नता व्यक्त की और अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को उनके योगदान के लिए बधाई दी, जिसके कारण एससीआर को दो विषयों में अखिल भारतीय प्रदर्शन दक्षता शील्ड प्राप्त हुई। महाप्रबंधक ने टीम को पूरे क्षेत्र में प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए अधिक जिम्मेदार और प्रतिबद्ध होने की सलाह दी। सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन शील्ड केवल दक्षिण मध्य रेलवे को प्राप्त हुई है। ज़ोन ने अपने रेल नेटवर्क में बुनियादी ढांचे को जोड़ने को प्रमुख महत्व दिया है। वास्तव में, जोन ने पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में अपने रेल नेटवर्क में 383 किलोमीटर जोड़कर नई ऊंचाइयों को छुआ है। इसमें 50 किलोमीटर नई लाइनें, 151 किलोमीटर डबल लाइन और 182 किलोमीटर तीसरी लाइन शामिल है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतिम मील कनेक्टिविटी को बढ़ावा देकर, भद्राचलम-सत्तुपल्ली नई लाइन, देवारकाद्र-कृष्णा नई लाइन, गूटी - धर्मावरम डबल लाइन, विजयवाड़ा-गुडीवाड़ा- भीमावरम- नरसापुर जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी तरह से पूरी हो गई हैं, गुडीवाड़ा- मछलीपट्टनम और निदादावोलु-भीमावरम डबल लाइन आदि। सिविल इंजीनियरिंग शील्ड संयुक्त रूप से दक्षिण मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे को मिली है। अपने परिचालन में सुरक्षा बढ़ाने के लिए, एससीआर ने सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। उनमें से उल्लेखनीय हैं मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग (2022-23 में 80), जीडी-जीक्यू मार्गों में अधिकतम अनुमेय गति में वृद्धि और रेलवे पटरियों का रखरखाव वास्तव में, ट्रैक मशीनों द्वारा पटरियों के रखरखाव में प्रदर्शन के संबंध में जोन लगातार आईआर भर में शीर्ष जोनों में से एक रहा है।

जिला कलेक्टर ने मतगणना स्थल का जायजा लिया

निर्मल, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मतदान के बाद जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने कहा कि पुलिस सुरक्षा और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में शुक्रवार को एनटीआर स्टेडियम से ईवीएम को सील कर दिया गया और स्थानीय सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्ट्रांग रूम में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित मतगणना केंद्रों के लिए पॉल टेक्निकल कॉलेज में सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने की 3 तारीख को होने वाले चुनाव मतगणना कार्यक्रम के लिए ईवी को स्थानीय पुलिस, सशस्त्र रिजर्व और केंद्रीय बलों के साथ स्ट्रॉन्ग रूम में ले जाया गया है। इस अवसर पर 22 राउंड एवं 14 मतगणना टेबल की व्यवस्था की गई थी।

भारतीय रेलवे की नवंबर 2023 तक 1015.6 मीट्रिक टन माल लदान

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने नवंबर 2023 तक 1015.6 मीट्रिक टन माल लदान हासिल किया। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में माल लदान में 36.9 मीट्रिक टन की वृद्धि हुई। रेलवे ने अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान माल लदान से 110007.5 करोड़ रुपये कमाए है। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में माल ढुलाई आय 4102.4 करोड़ रुपये बढ़ी। रेलवे ने नवंबर 2023 में 128.4 मीट्रिक टन माल लदान हासिल किया। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.3 प्रतिशत का सुधार है। अप्रैल-नवंबर 2023 तक संचयी आधार पर, भारतीय रेलवे द्वारा पिछले वर्ष की 978.724 मीट्रिक टन की लोडिंग के मुकाबले 1015.669 मीट्रिक टन की माल लदान हासिल की गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 36.945 मीट्रिक टन का सुधार है। रेलवे ने पिछले वर्ष के 105905.1 करोड़ रुपये के मुकाबले 110007.5 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 4102.445 करोड़ रुपये का सुधार है। नवंबर 2023 के महीने के दौरान, नवंबर 2022 में 123.088 मीट्रिक टन की लोडिंग के मुकाबले 128.419 मीट्रिक टन की प्रारंभिक माल ढुलाई हासिल की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4.33 प्रतिशत का सुधार है। माल ढुलाई राजस्व नवंबर 2022 में 13559.83 करोड़ रुपये की माल ढुलाई आय के मुकाबले नवंबर 2023 में 14077.94 करोड़ रुपये हासिल किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3.82 प्रतिशत का सुधार दर्शाता है।

भारतीय रेलवे ने कोयले में 65.48 मीट्रिक टन, लौह अयस्क में 14.99 मीट्रिक टन, पिग आयरन और तैयार स्टील में 5.25 मीट्रिक टन, सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) में 5.58 मीट्रिक टन, क्लिंकर में 4.61 मीट्रिक टन, खाद्यान्न में 3.82 मीट्रिक टन, उर्वरक में 5.97 मीट्रिक टन की लोडिंग हासिल की। नवंबर, 2023 के दौरान खनिज तेल में 4.176 मीट्रिक टन, कंटेनरों में 6.91 मीट्रिक टन और शेष अन्य सामान में 8.59 मीट्रिक टन शामिल है।"हंग्री फॉर कार्गो" मंत्र का पालन करते हुए, आईआर ने व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा वितरण में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और त्वरित नीति निर्माण द्वारा समर्थित व्यवसाय विकास इकाइयों के काम ने रेलवे को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में मदद की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.